RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 275
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागती
विविध-12

www.dailypioneer.com

फ्लोर टेस्ट से पहले थमा राजस्थान में सियासी तूफान

राहुल-प्रियंका ने पायलट को मनाया, सोनिया से अभयदान

सशर्त घर वापसी-दोबारा ताजपोशी लगभग पक्की, बागियों की शिकायतें दूर करने-सर्वसम्मत हल के लिए कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/जयपुर

- सब ठीक है, आला नेताओं व पायलट में हुई निर्णायक बात, राजस्थान में पार्टी व सरकार के हित में काम करेंगे सचिन : कांग्रेस
- सुलह के प्रयास तेज करते पायलट गुट के विधायक भंवरलाल शर्मा और अन्य ने की गहलोत से मुलाकात, पार्टी को बताया परिवार

तकरीबन एक माह से राजस्थान की राजनीति को झकझोर रहा सियासी तूफान सोमवार को रोचक मोड़ लेकर थम गया। प्रदेश में पार्टी की सरकार को बचाने का आखिरी दांव चलते पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बागी नेता सचिन पायलट से लंबी मुलाकात की। करीब दो-तीन घंटे तक चली बैठक में पायलट समेत 19 बागियों की घर वापसी की शर्तों और उनकी शिकायतों पर खुलकर बात हुई। बगावत करने के बाद राहुल गांधी के साथ पायलट की यह पहली मुलाकात थी।

इसके पश्चात, राहुल व प्रियंका ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से भेंट की। पायलट खेमे की हर शिकायत दूर करने का भरोसा देती सोनिया ने बागियों खासकर सचिन पायलट के खिलाफ खुलकर तलवार भांज रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को फोन कर घर वापसी का समझौता फार्मूला स्वीकारने का निर्देश दिया

राहुल गांधी-सचिन पायलट की फाइल फोटो

जिसे सुनते ही उनके तेवर एकदम से ठंडे पड़ गए। साथ ही, निर्णय लिया कि मामला सुलझाने को एआईसीसी एक कमेटी का गठन करेगी। कल तक राजस्थान की गहलोत सरकार गिराने पर आमादा सचिन पायलट ने सोमवार को राहुल गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रियंका भी वहां मौजूद थीं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घर वापसी को तैयार दिखते पायलट ने पार्टी के शीर्ष नेताओं को बताया कि किन परिस्थितियों में वे यह कदम उठाने पर मजबूर हो गए। उन्होंने पार्टी का विरोध कभी नहीं किया बल्कि वे गहलोत के काम करने के तौर तरीकों का विरोध कर रहे थे।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व विधानसभा सत्र से पहले सब कुछ ठीक कर लेना चाहता है। समझौता फार्मूले के तहत पायलट की सशर्त घर वापसी और दोबारा ताजपोशी लगभग पक्की है। गौरतलब है कि बगावत के बाद गहलोत ने उन्हें उपमुख्यमंत्री और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पदों से बर्खास्त कर दिया था। तेजी से बदलते घटनाक्रम के तहत पायलट गुट के वरिष्ठ विधायक और चर्चित ऑडियो टेप कांड के आरोपी भंवरलाल शर्मा शाम करीब सवा सात बजे सीएम आवास पहुंचे और गहलोत से मिलकर सारे गिले शिकवे दूर कर लिए। इस दौरान अन्य बागी नेता भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शर्मा ने मीडिया से कहा कि पार्टी एक परिवार की तरह है और अशोक गहलोत इसके (शेष पेज 9)

रिया चक्रवर्ती व परिवार से ईडी ने फिर की पूछताछ

सुशांत सुसाइड मिस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित धन शोधन के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती तथा उनके परिवार से सोमवार को फिर पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि रिया, उनके भाई शौविक व पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती सुबह 11 बजे बलार्ड एस्टेट इलाके में स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे। उन्हें सोमवार को पेश होने के लिए सम्मन किया गया था। बाद में रिया और राजपूत की कारोबारी प्रबंधक श्रुति मोदी भी ईडी के दफ्तर पहुंचीं। चारों से सात अगस्त को भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूछताछ की थी। इसी दौरान दोपहर दो बजे के बाद राजपूत के दोस्त व रूममेट सिद्धार्थ पटानी भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कई समाचार चौनलों से कहा था कि वह 14 जून को बांद्रा के फ्लैट पर मौजूद थे जब 34 वर्षीय अभिनेता ने खुदकुशी की थी। पटानी ने बताया था कि वह राजपूत के साथ करीब एक साल से रह रहे थे और उन्होंने पहले मुंबई पुलिस में दुर्घटनावश मौत रिपोर्ट (एडीआर) के तहत अपना बयान दर्ज कराया था।

मुंबई में ईडी कार्यालय से पूछताछ के बाद अपने भाई के साथ निकलतीं रिया चक्रवर्ती

समझा जाता है कि एजेंसी ने रिया से दिवंगत अभिनेता के साथ दोस्ती, कारोबारी सौदों एवं दोनों के बीच पिछले कुछ वर्षों के दौरान घटित बातों के बारे में पूछताछ की थी। रिया ने अदालत में दायर की गई याचिका में कहा था कि वह राजपूत के साथ लिव-इन में रह रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की पूछताछ रिया की आय, निवेश, कारोबार और पेशेवर सौदों पर केंद्रित थी। ईडी की नजर शहर के खार इलाके और नवी मुम्बई में रिया से संबंधित संपत्तियों, उनकी खरीद और स्वामित्व के स्रोत पर है। समझा जाता है कि पूछताछ के दौरान ईडी रिया, शौविक और मोदी का कुछ बैंक डिटेल को रखकर आमना सामना कराया है। इन बैंक खातों में कथित रूप से पता चला है कि राजपूत और रिया (शेष पेज 9)

रिया ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार, मीडिया ट्रायल से बचाएं

नई दिल्ली। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नई याचिका दाखिल कर सुशांत सिंह राजपूत मामले में उन्हें मीडिया ट्रायल से बचाने की गुहार लगाई है। चक्रवर्ती ने कहा है कि पिछले 30 दिनों में सुशांत की तरह अभिनेता आशुतोष भाकरे और समीर शर्मा ने भी आत्महत्या की है, लेकिन इन मामलों के बारे में मीडिया में कानाफूसी भी नहीं हुई है। याचिका में यह भी कहा गया कि मीडिया ने 2जी और तलवार मामले में भी अभियुक्तों को समान रूप से दोषी ठहराया था, लेकिन बाद में उन दोनों मामलों में सभी आरोपियों को अदालत द्वारा निर्दोष पाया गया। मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत के मामले में रिया चक्रवर्ती का नाम मीडिया में खूब लिया जा रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को कोरोना, अस्पताल में भर्ती

- मस्तिष्क की सफल सर्जरी की गई, फिलहाल वेंटिलेटर पर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई और उन्हें यहां स्थित सेना के रिसर्च ऐंड रेफरल (आरआर) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद उनकी तबियत थोड़ी बिगड़ी और बाद में रक्त का थक्का हटाने के लिए मस्तिष्क की सफल सर्जरी की गई। अब सेना के आर एंड आर अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। इससे पहले 84 वर्षीय मुखर्जी ने ट्वीट किया, अन्य कारणों से अस्पताल गया था, जहां पर आज कोविड-19 जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वर्ष 2012 से 2017 तक देश के राष्ट्रपति रहे मुखर्जी ने ट्वीट में कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जो लोग भी गत एक हफ्ते में मेरे संपर्क में आए हैं, वे खुद पृथक-वास में चले जाएं और अपनी कोविड-19 की जांच कराएं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आरआर अस्पताल जाकर पूर्व राष्ट्रपति के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वह अस्पताल में करीब 20 मिनट तक रहे। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित पार्टी के कई साथियों ने मुखर्जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, हम पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कोविड-19 की बीमारी से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति के बेटे (शेष पेज 9)

देश में कोविड-19 के 62,064 नए मामले, 1007 और मौतें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के 62,064 नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या 22 लाख के आंकड़े को पार कर गई। वहीं ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 15.35 लाख से अधिक हो गई। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण से 1007 और मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 44,386 हो गई है। उसने कहा कि वर्तमान में 6,34,945 मरीज उपचाराधीन हैं। कोविड-19 के कुल मामले अभी 22,15,074 हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत में कोविड-19 से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 15 लाख से अधिक हो गई है क्योंकि अभी तक 15,35,743 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। ऐसा आक्रामक तरीके से जांच करने, संक्रमण के मामलों पर व्यापक तरीके से नज़र रखने और कुशलता से इलाज करने की नीति के चलते संभव हुआ है। मंत्रालय ने कहा, बेहतर एम्बुलेंस सेवाओं, देखभाल के मानकों पर ध्यान केंद्रित करने से वांछित परिणाम मिले हैं।

श्रीनगर में कोरोना जांच के लिए नमूने एकत्र करता चिकित्साकर्मी

मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड 54,859 लोग ठीक हुए। देश में मरीजों के ठीक होने की दर लगभगत 70 प्रतिशत हो गई है। ठीक होने की रिकार्ड संख्या से उपचाराधीन मामलों का प्रतिशत कम हुआ है और वर्तमान में कुल मामलों में से केवल 28.66 प्रतिशत उपचाराधीन मामले हैं। मंत्रालय ने कहा कि आक्रामक जांच और अस्पताल में भर्ती मरीजों के कुशल क्लीनिकल प्रबंधन को लेकर केंद्र और राज्य । केंद्रशासित प्रदेशों के समन्वित प्रयासों से मृत्यु दर को लगातार कम करने में मदद मिली है। मृत्यु दर अभी दो प्रतिशत है और इसमें लगातार कमी आ रही है। मंत्रालय ने कहा कि मामलों की शुरुआती पहचान से भी उपचाराधीन मामलों के प्रतिशत में गिरावट आई है। यह गौर करना महत्वपूर्ण है कि कोविड-19 संक्रमण अभी भी 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक केंद्रित है जहां नए मामलों में 80 प्रतिशत से अधिक मामले हैं। देश में लगातार चौथे दिन कोविड-19 के 60,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में अभी तक कुल 2,45,83,558 नमूनों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से रविवार को 4,77,023 नमूनों की जांच की गई।

1,007 और मौतों में से, 390 महाराष्ट्र से, 119 तमिलनाडु, कर्नाटक में 107, आंध्र प्रदेश से 97, पश्चिम बंगाल से 54, उत्तर प्रदेश से 41, गुजरात और पंजाब से 24-24, झारखंड में 22, मध्य प्रदेश में 19 और दिल्ली, ओडिशा और जम्मू कश्मीर में 13-13 मौतें हुई हैं। वहीं राजस्थान से 11, तेलंगाना से 10, हरियाणा से नौ, उत्तराखंड से आठ, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी से सात-सात, बिहार और असम से पांच-पांच, गोवा से तीन, केरल से दो, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड और चंडीगढ़ में एक-एक मरीज की मौत हुई है। कुल 44,386 मौतों में से, महाराष्ट्र में सबसे अधिक 17,757, इसके बाद तमिलनाडु में 4,927, दिल्ली में 4,111 और कर्नाटक में 3,198 मरीजों की मौत हुई है। गुजरात में 2,652, उत्तर प्रदेश में 2,069, पश्चिम बंगाल में 2,059, आंध्र प्रदेश में 2,036 और मध्य प्रदेश में 996 मौतें हुई हैं। महामारी के कारण राजस्थान में कुल 789 मरीजों की मौत हुई है, इसके बाद तेलंगाना में 637, पंजाब में 586, हरियाणा में 483 और जम्मू कश्मीर में 472 मरीजों की मौत हुई है। बिहार में 387, ओडिशा में 272, झारखंड (शेष पेज 9)

शाह फैसल ने छोड़ा पार्टी का पद नौकरशाही में वापसी की अटकलें

- जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के बन सकते हैं सलाहकार

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर कैडर के आईएएस अफसर शाह फैसल ने बड़ा कदम उठाते हुए अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। फैसल ने नौकरी छोड़कर अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई थी। हालांकि राज्य के बदले हालात और नए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आगमन के बाद शाह फैसल ने राजनीति छोड़ दी। शाह फैसल के नौकरशाही में लौटने और उनके लेफ्टिनेंट गवर्नर सिन्हा का सलाहकार बनने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि उन्होंने खुद अभी इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है। इस्तीफे में सिर्फ इतना कहा कि वह राजनीतिक गतिविधियां जारी रखने की स्थिति में नहीं हैं। शाह फैसल ने 2010 में यूपीएससी की परीक्षा में टॉप किया था और उन्हें आईएएस का होम कैडर आवंटित किया गया था। वह जम्मू-कश्मीर के डायरेक्टर एजुकेशन रहे हैं। उन्होंने पिछले साल जनवरी में जम्मू-कष्मीर में युवाओं की हत्या का आरोपा लगाकर नौकरी छोड़ दी थी और बाद में मार्च में जम्मू-कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट पार्टी बनाई। इस पार्टी में तमाम नए लोगों को शामिल भी किया गया था।

इसके बाद धारा 370 हटने और राज्य के दो भागों में बंटकर केंद्र शासित प्रदेश बनने से हालात बदल गए। घाटी के तमाम बड़े नेताओं को नजरबंद कर लिया गया अथवा हिरासत में ले लिया गया। फैसल को भी अगस्त 2019 में नई दिल्ली में एयरपोर्ट से हिरासत में लेकर वापस घाटी भेज दिया गया था। उन पर पीएसए के तहत कार्रवाई की गई। बीते जून में ही उन पर से पीएसए हटाया गया। इसके बाद से वह अपने घर में ही रहे। उसी समय से माना जा रहा था कि वह दोबारा अपना नौकरषाही करियर शुरू कर सकते हैं, क्योंकि उनका इस्तीफ अभी तक स्वीकार नहीं (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,182	↑	141	
निफ्टी	11,270	↑	56	
सोना	56,122	↑	238	/10g
चांदी	76,520	↑	960	/kg

क्विक न्यूज

मणिपुर में भाजपा सरकार ने विश्वास मत जीता

इम्फाल। मणिपुर मे भारतीय जनता पार्टी नीत एन बीरेन सिंह सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा मे 16 के मुकाबले 28 वोट से विश्वास मत जीत लिया। सिंह के विश्वास प्रस्ताव को विधानसभा मे एकदिवसीय विशेष सत्र के दौरान लंबी चर्चा के बाद मत-विभाजन के लिए रखा गया जिसमे सरकार सफल रही। कांग्रेस के आठ विधायकों ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन करते हुए सदन की कार्यवाही मे भाग नही लिया। मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा मे कांग्रेस के 24 विधायक है। तीन विधायकों के इस्तीफे और दल-बदल कानून के तहत चार विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद अब सदन मे सदस्यों की संख्या 53 है। इस प्रकार भाजपा अपनी सरकार बचाने में सफल रही है।

नशे में धुत रईसजादे ने पुलिस कार को मारी टक्कर, कांस्टेबल की मौत

- खालसा कॉलेज के पास आधी रात गए 20 वर्षीय युवक की तेज रफ्तार होंडा सिटी ने ली जान, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तेज रफ्तार के कारण हर दिन हादसे होते हैं और निर्दोष जिंदगियां इसका शिकार होती है लेकिन सनकी लोगों को इसकी परवाह नहीं होती। वे अपने साथ दूसरों की भी जिंदगी को खतरे में डालते हैं। गत रविवार को मौरिस नगर इलाके में ऐसा ही वाकया सामने आया है जहां नशे में धुत एक रईसजादे ने अपनी तेज रफ्तार होंडा सिटी कार से पीसीआर की प्रखर वैन (स्कोर्पियो एसयूवी) में जबदरस्त टक्कर मार दी। हादसे में होंडा सिटी के परखच्चे उड़ गए। वहीं पुलिस वैन कलाबाजी खाते हुए करीब 15 से 20 मीटर दूर जाकर पलट गई। उसमें हेड कांस्टेबल वजीर सिंह फंस गए थे। राहगीरों ने पुलिस को मामले की सूचना देकर कार में फंसे घायलों को बाहर निकाल कर पीसीआर की मदद से उन्हें सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया।

इलाज के दौरान हवलदार (प्रखर वैन इंचार्ज) वजीर सिंह (50 साल) की मौत हो गई। घायल सिपाही (चालक) अमित (26 साल) की हालत गंभीर बनी हुई है। होंडा सिटी कार चालक तुषार गुप्ता (20 साल) को सोमवार इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या), 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाना) और 337 (जीवन को खतरे में डालने वाले कार्य से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज (शेष पेज 9)

नए नवेले लड़ाकू राफेल ने हिमाचल में उड़ान भर नापा आकाश

कुछ हफ्तों बाद वायु सेना बेड़े के नए सदस्य अभ्यास के लिए लद्दाख में भी भरेंगे उड़ान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पिछले महीने भारत लाए गए पांच राफेल जेट विमानों ने अभ्यास शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश की स्थितियों से परिचित होने के लिए लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरकर आकाश नापा। हिमाचल वह राज्य है जो चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) साझा करता है। कुछ हफ्तों के बाद राफेल जेट लद्दाख में भी उड़ान भर सकते हैं, जहां भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले तीन महीने से गतिरोध बरकरार है। फ्रांस से आकर बीते 29 जुलाई को अंबाला एयरबेस पर उतरे पांच राफेल अब दिन और रात उड़ान भरकर अभ्यास कर रहे हैं। सूत्रों ने सोमवार को यहां कहा कि यह इन विमानों को परिचालन के लिए तैयार करने की कवायद का हिस्सा है। हालांकि, इस महीने के अंत में इन पांचों जेट को औपचारिक रूप से गोल्डन एरो स्क्वाड्रन में शामिल कर लिया जाएगा। इन लड़ाकू विमानों को हर तरह से भारतीय परिस्थितियों के लिए तैयार किया जा रहा है और इसलिए लगभग 12 पायलटों के समूह को गहन उड़ान प्रैक्टिस दी जा रही है। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर अस्थिर स्थिति को देखते हुए भारतीय वायुसेना पहले ही अपने अन्य फ्रंटलाइन फाइटर जेट को प्रैक्टिस में उतार चुकी है। इनमें एसयू-30, जगुआर और मिग-29 शामिल हैं, जो लद्दाख से लेकर हिमाचल और उत्तराखंड से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले 4,000 किलोमीटर लंबे एलएसी पर फारवर्ड बेस तक आकाश नाप चुके हैं। वास्तव में, नए अपाचे हेलीकॉप्टर लद्दाख में एलएसी के पास नियमित रूप से उड़ान भर रहे हैं और चिनूक हैवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर क्षेत्र में सैनिकों और उपकरणों को लाने-ले जाने का अभ्यास कर रहे हैं। यह सारी कवायद चीन सीमा पर भारतीय सेना की क्षमता को बढ़ाने के लिए है। यह कदम चीन के इसी तरह चारों टकराव वाले बिंदुओं पर भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती करने के बाद उठाया गया है। सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में संवेदनशील स्थिति को देखते हुए ये विमान हिमाचल प्रदेश में एलएसी के बहुत करीब नहीं जा रहे हैं और लद्दाख में भी इसी तरह उड़ान भरेंगे। भारत और चीन के बीच 'नो-फ्लाई' जोन बनाने को लेकर एक समझौता है, जहाँ दोनों पक्षों के फाइटर जेट अपने-अपने क्षेत्रों में एलएसी से कम से कम 15 किमी दूर उड़ान भर सकते हैं।

हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों को दो माह से नहीं मिली पेंशन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोना के कारण पैदा हुए वित्तीय संकट का असर हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों को भी झेलना पड़ रहा है। हरियाणा सरकार के बेरूखी का आलम यह है कि जहां कोरोना काल में स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति के चेयरमैन को पद मुक्त कर दिया गया है।

स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों को मिलने वाली पेंशन भी बंद है। देश में आजादी की लड़ाई में हरियाणा की भूमिका सबसे अहम रही है। हरियाणा से जंगे आजादी तथा नेता जी सुभाष चंद्र बोस की फोज के माध्यम से लडने् वाले करीब चार हजार स्वतंत्रता सैनानी चिन्हित हुए थे। जिन्हें केंद्र सरकार के अलावा राज्य सरकार द्वारा भी 25 हजार रुपए मासिक पेंशन दी जाती है।

कोरोना काल में स्वास्थ्य का हवाला दे चेयरमैन को हटाया

मनोहर सरकार ने आजतक नहीं की सदस्यों की नियुक्ति

वर्तमान में हरियाणा में 18 स्वतंत्रता सेनानी जीवित हैं,जबकि स्वतंत्रता सेनानियों की 422 विधवाएं तथा 34 आश्रित राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली पेंशन व अन्य भत्तों के हकदार हैं। सूत्रों के अनुसार स्वतंत्रता सेनानियों को मासिक पेंशन के अलावा एक मुश्त दांतों व आंखों की जांच के नाम स्थाई रूप से मेडिकल भत्ता भी दिया जाता है। हरियाणा की मनोहर सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान ललिती राम नामक स्वतंत्रता सेनानी को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति का चेयरमैन तो लगाया लेकिन समिति के सदस्यों की नियुक्ति नहीं की। हरियाणा सरकार ने कोरोना के चलते मई माह के दौरान समिति के चेयरमैन को पद मुक्त कर दिया। तब से लेकर अब तक स्वतंत्रता सेनानियों, उनकी विधवाओं तथा आश्रितों को पेंशन नहीं मिली है। यही नहीं स्वतंत्रता सेनानियों की पोतियों की शादी में सरकार द्वारा दी जाने वाली कन्यादान राशि भी छह माह से जारी नहीं की गई है।

हरियाणा सरकार की बेरूखी

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति का कार्यालय बंद!

हरियाणा गठन के बाद तत्कालीन सरकार ने चंडीगढ़ के सेक्टर-1 स्थित सिविल सचिवालय में स्वतंत्रता सैनानी सम्मान समिति का कार्यालय बनाया गया था। इस कार्यालय में सरकार द्वारा नियुक्त किए चेयरमैन व उनका स्टाफ बैठता था। पहले स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिजनों के किसी भी मामले की सुनवाई यहीं पर होती थी लेकिन अब इसका एक कार्यालय मनीमाजरा में चल रहा है। मई माह के दौरान चेयरमैन की छुट्टी होने के बाद अब सरकार ने इस कार्यालय को भी बंद कर दिया है। अब समिति के कार्यालय में हरियाणा सरकार का स्कैनिंग विभाग काम कर रहा है। यहां मशीनें लगाकर सरकारी दस्तावेजों को स्कैन किया जाता है।

हरियाणा में नहीं मिली आरक्षण की सुविधा

हरियाणा में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को नौकरियों में आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। पड़ोसी राज्यों में पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, गोवा, झारखंड, उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को नौकरियों में दो प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। हरियाणा में आजतक यह सुविधा नहीं मिल पाई है। उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को कुटुंब पेंशन योजना भी शुरू की है। क्योंकि स्वतंत्रता सेनानी व उसकी पत्नी के निधन के बाद स्वतंत्रता सेनानी परिजनों को कोई भी वित्तीय सहायता नहीं मिलती।

भ्रष्टाचार समाप्ति की मुहिम को अंजाम तक पहुंचाने का कार्य शुरू : उपमुख्यमंत्री

पहल राजस्व विभाग से शुरु की रजिस्ट्रियों के मामले की जांच कर रहे कमिश्नर

भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

डा. जसविन्द्र खैरा के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करते हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी विभाग में भ्रष्टाचार नहीं होने देगी। इस सरकार ने अपने 9 माह के कार्यकाल में ही भ्रष्टाचार को समाप्त करने की मुहिम को अंजाम तक पहुंचाने का काम शुरु कर दिया है। इसकी पहल राजस्व विभाग से शुरु की है।

इस विभाग में रजिस्ट्रियों के मामले को लेकर गुरुग्राम कमीश्नर द्वारा जांच की जा रही है। इस रिपोर्ट के तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार कार्रवाई करेगी और भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाएगी। उप मुख्यमंत्री सोमवार को गांव लुखी में जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. जसविन्द्र खैरा के पिता स्व. रवैल सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने डा. जसविन्द्र सिंह खैरा और उनके परिजनों के साथ मन की संवेदनाओं को सांझा करते हुए कहा कि स्व. रवैल सिंह के जाने से पूरे जजपा परिवार को क्षति पहुंची है, परम पिता परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इसके अलावा शोक व्यक्त करने वालों में विधायक रामकरण, प्रोफेसर रणधीर सिंह, लेफ्टिनेंट विक्रमजीत सिंह, जजपा जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह मुल्तानी, जजपा नेता माया राम, एसडीएम कपिल शर्मा, डीएसपी राजकुमार वालिया भी शामिल थे।

उपमुख्यमंत्री ने गांव लुखी में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति को लेकर जैसे ही केन्द्र सरकार की तरफ से गाईडलाइंस और नियम जारी किए जाएंगे, तो उन गाईडलाइंस और नियमों को अपनाते हुए राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को लागू करेगी।

इस शिक्षा नीति से देश व प्रदेश में बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यदि नया सॉफ्टवेयर परिस्थितियों के अनुकूल रहा, तो अगले हफ्ते से प्रदेश भर में रजिस्ट्रियां होनी आरंभ हो जाएंगी। इस रजिस्ट्री घोटाले में तहसीलदारों के डेलिगेशन मिलने की बात पर पत्रकारों को उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने गम्भीरता और सख्ती के साथ संज्ञान लिया। इतना ही नहीं, अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच का जिम्मा गुरुग्राम के कमीश्नर को सौंपा।

इस जांच रिपोर्ट में कमीशनर की रिकमंडेशन पर सरकार द्वारा सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जो भी अधिकारी व कर्मचारी दोषी पाया गया, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर शाहबाद विधायक रामकरण, बुटा सिंह लुखी, मेजर सिंह, यशेन्द्र शर्मा, योगध्यान, सुनील राणा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरियाणा विजिलेंस ब्यूरो ने एक माह में तीन भ्रष्ट कर्मचारी पकड़े

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा राज्य चौकसी ब्यूरो द्वारा सरकारी कर्मचारियों की भ्रष्टाचार में संलिप्तता की प्रवृति पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अपने विशेष अभियान के तहत जून 2020 के दौरान सरकार के आदेश पर तीन जांच दर्ज की गई और 19 जांचें पूरी कर सरकार को रिपोर्ट भेजी गई। ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि के दौरान तीन कर्मचारियों को 8,000 रुपये से 13,000 रुपये तक की रिश्वत लेते हुए रंगे-हाथों गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए हैं।

उन्होंने बताया कि जिन कर्मचारियों के विरुद्ध मामले दर्ज किए हैं उनमें होडल के वन दरोगा ईद्रीश को 13,000 रुपये, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,पंचकूला के सहायक हरभगवान चोपड़ा को 11,000 रुपये तथा उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम, सोनीपत के सीनियर शिफ्ट अटेडेंट सुरेन्द्र को 8,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाना शामिल है।

प्रवक्ता ने बताया कि नौ जांचों में छह राजपत्रित अधिकारियों व 22 अराजपत्रित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच करने की सिफारिश की है तथा तीन प्राइवेट व्यक्तियों से 5,61,603 रुपये की वसूली की है। एक जांच में छ: प्राइवेट व्यक्तियों से 8,83,443 रुपये की वसूली करने तथा एक जांच में एक राजपत्रित अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक मुकद्दमा दर्ज करने के साथ-साथ 1,52,565 रुपये की वसूली करने की सिफारिश की है। इसके अलावा, एक अन्य जांच में एक राजपत्रित अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक मुकद्दमा दर्ज करने की सिफारिश की है जबकि छह जांचों में आरोप सिद्ध नहीं हो पाए।

विहिप के स्थापना दिवस पर होंगे छह दिवसीय कार्यक्रम

स्थानीय अनाज मंडी में विश्व व हिंदू परिषद सहित विभिन्न संगठन के लोग बैठक करते हुए।

रेवाड़ी। विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों की बैठक स्थानीय अनाज मंडी में व्यापार मंडल अनाज मंडी के प्रधान राधेश्याम मित्तल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस पर 11 अगस्त से 6 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में प्रधान व्यापार मंडल एंव विश्व हिंदु परिषद के सरंक्षक राधेश्याम मित्तल ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि बजरंग दल तथा मातृशfiत संगठनों ने परिषद के साथ मिलकर परिषद के स्थापना दिवस पर अखंड भारत के उपलक्ष्य में कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह हर व्यfiत का नैतिक कर्तव्य है कि वह भारत की संस्कृति, सभ्यता व उनके मूल्यों को समझे और उन्हें संजोकर रखने के लिए अपने स्तर पर काम करें। उन्होंने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस पर 6 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बैठक में 11 अगस्त से अगले 6 दिनों तक बनाए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर उन पर चर्चा भी गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रधान रामप्रसाद यादव उपस्थित थे।

आधी रात को घर में घुस कर दो युवकों ने एक युवक पर चलाई गोलियां

रेवाड़ी। शहर के मोहल्ला विजय नगर में बीती रात दो युवकों ने घर में घुस कर एक युवक पर गोलियां चला दी। गोली लगने से युवक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए शहर के ट्रॉमा सेंटर में लाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे रोहतक रेफर कर दिया गया। युवक की किसी से पुरानी रंजिश नहीं है, लेकिन कुछ दिनों पहले दो युवकों से झगड़ा जरूर हुआ था। परिजनों ने आशंका जताई है कि युवकों ने गोली चलाई है। पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार दो युवक शहर के मौहल्ला विजय नगर निवासी सुनील नामक युवक के मकान की दीवार फांद कर घर में घुस गए। उस पर गोलियां चला दी। सुनील की चीख पुकार सुनकर परिजन जाग गए, लेकिन तब तक दोनों युवक वहां से फरार हो गए। सूचना मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी। सुनील को रेफर कर दिए जाने के कारण पुलिस अभी उसका बयान दर्ज नहीं कर पाई है, लेकिन जांच शुरू कर दी है।

किसानों के नाम पर राजनीति बंद करें विपक्षी दल : दलाल

डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

मुख्यमंत्री के प्रयासों से लॉकडाउन के बावजूद योजनाएं बनाई गईं

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल ने कहा है कि राजनीतिक तौर पर अब तक विपक्षी पार्टियों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्रदेश के किसान न केवल आर्थिक रूप से कमजोर हुए बल्कि समय-समय पर उनके नाम पर दिखावे की राजनीति भी हुई है।

अब वह किसान को गुमराह नहीं कर सकते क्योंकि केंद्र व राज्य में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध व खुशहाल बनाने का संकल्प लिया है। दलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों को अपना भाई व मित्र मानते हुए कोरोना के दौरान राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन अवधि को अवसर में बदलते हुए प्रदेश के लगभग 17 लाख किसान परिवारों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए कई नई योजनाएं बनाकर उनके आर्थिक विकास के द्वार खोले हैं। उनकी यह सोच है कि ''किसान खुशहाल तो हरियाणा खुशहाल, हरियाणा खुशहाल तो देश खुशहाल''। कृषि मंत्री ने कहा कि पोर्टल के डाटा का उपयोग करके इस रबी सीजन के दौरान 1800 मंडियों व खरीद केन्द्रों में 74.43 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की गई। किसानों को टोकन दिए गए और उन्हें एसएमएस भेजे गए कि किस दिन उन्हें फसल लेकर मंडी में आना है। दलाल ने कहा कि इस वर्ष रबी फसलों की खरीद का भुगतान पहली बार किसानों को नोडल अकाउंट के माध्यम से करने की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि आगामी धान खरीद सीजन के दौरान सभी खामियों को दूर किया जाएगा। दलाल ने कहा कि वर्तमान में राज्य में लगभग 36 लाख दुधारू पशु हैं तथा प्रति व्यक्ति दूध की उत्पादकता 1087 ग्राम है। हरियाणा में लगभग 16 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनके पास दुधारु पशु हैं और इनकी टैगिंग की जा रही है।

कोई भी व्यक्ति दे सकता है सूचना

प्रवक्ता ने आमजन से आग्रह करते हुए कहा कि वे निडर होकर नशे के आपूर्ति नेटवर्क के बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी अंतरराज्यीय ड्रग सचिवालय की हेल्पलाइन नंबर 1800-180-1314 पर सांझा करें। इसके अतिरिक्त, मोबाइल नंबर 7087089947 और लैंडलाइन नंबर 01733-253023 पर भी जानकारी दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बिना मास्क वालों के चालान न कर, नि:शुल्क मास्क बांटे: एसपी शशांक

महानिदेशक हरियाणा पुलिस मनोज यादव के निर्देशों का किया जा रहा अनुपालन

लोगों को निशुल्क मास्क वितरित करते हुए कैथल पुलिस के जवान।

रादौर में लोगों को मास्क बांटते पुलिस कर्मचारी।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

पुलिस अधीक्षक शशांक सावन के आदेशानुसार कोरोना पर अंकुश लगाने हेतू सोमवार को जिला के सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारी, नाका व पीसीआर तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर बगैर मास्क पहने व्यक्तियों को निशुल्क मास्क बांटकर निरंतर प्रयोग करने के लिए जागरुक किया गया।

इस दौरान पुलिस द्वारा 10 अगस्त को फेसमास्क लगाए बगैर सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे व्यक्तियों को हजारों की संख्या में निशुल्क फेसमास्क वितरित किए गये। एसपी ने बताया कि पुलिस महानिदेशक हरियाणा पुलिस मनोज यादव के निर्देशों की अनुपालना करते हुए जिला के सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारी, पीसीआर व नाका तथा ट्रैफिक पुलिस को सार्वजनिक स्थानों पर मास्क विहिन घूम रहे लोगों के चालान ना करके उन्हें निशुल्क मास्क देकर घर से बाहर निकलते समय निरंतर मास्क का प्रयोग करने के लिए जागरुक करके नियमों की व्यापक जानकारी देने के आदेश दिए गये थे। इस क्रम के दौरान थाना ट्रैफिक पुलिस द्वारा एसएचओ सबइंस्पेक्टर मुखत्यार सिंह की अगुवाई में पुराना बस अड्डा कैथल, पेहवा चौक, विश्वकर्मा चौंक, अंबाला रोड, करनाल रोड, जीद रोड नाका तथा नैशनल हाईवे 152 पर मास्क विहिन व्यक्यिों के चालान ना करके उन्हें जागरुक करते हुए निशुल्क करीब 1000 मास्क बांटे गए।

इसी प्रकार से जिला के सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारी, नाका व पीसीआर द्वारा जिला भर में बगैर फेसमास्क घूमने वाले नागरिकों को हजारों की संख्या में निशुल्क फेसमास्क वितरित किए गये।

ईंट भट्ठा एसोसिएशन ने भेंट किए एक हजार मास्क

कैथल। ईंट भट्ठा एसोसिएशन द्वारा पुलिस कर्मचारियों हेतू उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय कुलवंत सिंह को एक हजार फेसमास्क निशुल्क भेंट किए गये। डीएसपी मुख्यालय कुलवंत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर भट्ठा एसोसिएशन प्रधान रामप्रसाद बंसल, महासचिव प्रेमचंद गर्ग, कैथल ब्लॉक प्रधान कृष्ण खुरानियां, कलायत ब्लॉक प्रधान राजपाल धौला, राजौंद ब्लॉक प्रधान रामफल चहल, कैथल ब्लॉक सैक्ट्री राजेंद्र बंसल, संजीव खुरानियां, रोहित बंसल तथा अन्य व्यक्ति मौजूद रहे। विदित रहे कि इससे पूर्व ईंट भट्ठा एसोसिएशन द्वारा ईंट भट्ठो पर कार्यरत प्रवासी मजदूरों को निशुल्क राशन का वितरण करने सहित अन्य समाज सेवा के कार्यों में निरंतर बढचढ कर हिस्सा लिया गया है। डीएसपी कुलवंत सिंह द्वारा भट्ठा एसोसिएशन के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए आगे भी सहयोग की अपील की गई।

पुलिस ने कोरोना से बचाव के लिए लोगों में वितरित किये फेस मास्क

रादौर। पुलिस की ओर से सोमवार को स्थानीय लोगों में लगभग 300-300 मास्क बांटे गये। मास्क बांटकर पुलिस ने लोगों को महामारी से बचने के लिए मास्क का इस्तेमाल करने की अपील की। मंगलवार को भी पुलिस का जनता में मास्क बांटने का अभियान जारी रहेगा। सोमवार को पुलिस ने शहर के मेन बाजार, अस्पताल रोड, बस स्टैंड रोड, बुबका चौंक, एसके रोड पर लोगों को मास्क वितरित किये। वहीं जठलाना पुलिस ने गांव जठलाना व गुमथला में लोगों को मास्क वितरित किये। इस अवसर पर थाना रादौर प्रभारी इंस्पैक्टर दीपचंद व थाना जठलाना प्रभारी इंस्पैक्टर पूर्णसिंह मंढांन ने बताया कि पुलिस विभाग की ओर से सोमवार व मंगलवार को जनता में मास्क बांटकर महामारी से बचने के लिए जागरूक किया जायेगा। उन्होने कहा कि हम केवल मास्क पहनकर ही महामारी से बच सकते है और दूसरो को भी बचा सकते है। आपस में सामाजिक दूरी बनाये रखे और हाथों को समय समय पर धोते रहें।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना की हिदायतों की अनुपालन के साथ दी प्रस्तुतियां

सोनीपत। उपमंडल स्तर पर नई अनाज मंडी में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम सुरेंद्रपाल ध्वजारोहण करेंगे। समारोह के सफल आयोजन के लिए सोमवार से परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां का आगाज किया गया है। स्कूली विद्यार्थियों ने कोविड-19 कोरोना वायरस से बचाव संबंधी हिदायतों की अनुपालना के साथ कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर स्कूली विद्यार्थियों में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। कोरोना काल पर विद्यार्थियों की राष्ट्रीयता की भावना एवं देशप्रेम हावी रहा है। सरकार के निर्देशानुसार ही उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाएगा। कोरोना वायरस संरक्षण संबंधी सभी निर्देशों की पालना के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी थोड़ी कटौती की गई है। नई अनाज मंडी में पहले पूर्वाभ्यास के दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए चुने गए स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी दमदार प्रस्तुतियां दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने मास्क पहने रखा। साथ ही उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग की भी पूर्ण अनुपालना की।

नशा तस्करों के खिलाफ एक्टिव हुआ 'अंतर-राज्यीय ड्रग सचिवालय'

चंडीगढ़। देश के उत्तरी क्षेत्र में नशा कारोबारियों का नेटवर्क तोडने् व मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम के लिए स्थापित किए गए 'अंतर-राज्यीय ड्रग सचिवालय' ने नशा कारोबारियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। इसके माध्यम से मिली सूचनाओं के आधार पर हरियाणा पुलिस की फील्ड इकाइयों ने चालू वर्ष में 31 जुलाई तक 119 किलोग्राम 202 ग्राम मादक पदार्थ सहित 35,500 से अधिक प्रतिबंधित गोलियां व कैप्सूल बरामद किए हैं। हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता ने सोमवार को चंडीगढ़ में यह जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी से जुलाई 2020 के बीच सचिवालय हेल्पलाइन नंबरों पर नशे के कारोबार से संबंधित 216 सूचनाएं प्राप्त हुई। जिनके आधार पर पुलिस द्वारा 118 किलोग्राम 952 ग्राम गांजा, 208 ग्राम 137 मिलीग्राम हेरोइन, 42 ग्राम स्मैक सहित प्रतिबंधित दवाओं की श्रेणी में आने वाली 35,785 नशीली गोलियां व कैप्सूल बरामद कर आरोपियों के खिलाफ 22 मामले दर्ज किए गए।

हरियाणा में अजा निगम ने सवा तीन सौ लाख की सहायता बांटी

चंडीगढ़। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा वर्ष 2020-2021 के दौरान जुलाई, 2020 माह तक 445 लाभार्थियों को 322.27 लाख रूपए की वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई हैं। जिसमें से 29.24 लाख रूपए की राशि सब्सिडी के तौर पर शामिल है।हरियाणा के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने सोमवार को चंडीगढ़ में जारी एक जानकारी में बताया कि कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में संचालित की जा रही योजनाओं में दूध उत्पादन (डेयरी फार्मिंग) योजना के तहत 254 लाभार्थियों को 143.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिसमें 12.91 लाख रूपये की सब्सिडी शामिल है। उन्होंने बताया कि भेड पालन (शिप रियररिंग) के अंतर्गत 3 लाभार्थियों को 2.40 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई गई है। जिसमें 30 हजार रूपये की सब्सिडी शामिल है। इसी प्रकार, सुअर पालन (पीगरी फार्मिंग) के अंतर्गत 3 लाभार्थियों को 1.70 लाख रूपये की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई गई है जिसमें 30 हजार रूपये की सब्सिडी शामिल है। उन्होंने बताया कि झोटा बुगी, ऊंट गाड़ी व खच्चर गाड़ी इत्यादि योजना के अंतर्गत 3 लाभार्थियों को 2.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिसमें 30 हजार रूपए की सब्सिडी शामिल है। अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में 9 लाभार्थियों को 7.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिसमें 90 हजार रूपये की सब्सिडी शामिल है। इसी तरह, टेऊड और बिजनेस सैक्टर में 157 लाभार्थियों को 116.38 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिसमें 14.13 लाख रूपये की सब्सिडी शामिल है।

जिला बाल कल्याण समिति ने बच्चों को मिलवाया परिवार से

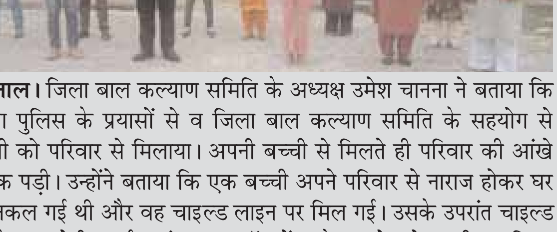

करनाल। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष उमेश चानना ने बताया कि जिला पुलिस के प्रयासों से व जिला बाल कल्याण समिति के सहयोग से बच्ची को परिवार से मिलाया। अपनी बच्ची से मिलते ही परिवार की आंखे झलक पड़ी। उन्होंने बताया कि एक बच्ची अपने परिवार से नाराज होकर घर से निकल गई थी और वह चाइल्ड लाइन पर मिल गई। उसके उपरांत चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, क्राईम ब्रांच, वन स्टॉप सेंटर के सहयोग से बच्ची व परिवार की तलाश की गई। तलाश करने पर बच्ची के परिवार को पता लग गया। परिवार को बुलाकर उन्हें बच्ची को सौंप दिया। जैसे ही परिवार को बच्ची के बारे में जानकारी मिली तो परिवार वालों की आंखों में आंसू आए। उन्होंने बाल कल्याण समिति, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, क्राईम ब्रांच, चाईल्ड लाईन व वन स्टॉप सेंटर का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

14 को रायसन गांव आएंगे उप मुख्यमंत्री

निगदू। जननायक जनता पार्टी के हल्का अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह गोराया ने बताया कि शुक्रवार 14 अगस्त को उप मुख्यमंत्री नीलोखेड़ी हल्के के दो कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला रायसन गांव में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति का अनावरण करेंगे। तथा इस दौरान रक्तदान शिविर में आए युवाओं का हौसला बढ़ाएंगे। इसके बाद वे एचआईआरडी नीलोखेड़ी केंद्र का अवलोकन करेंगे।

बेटी के जन्मदिन पर किया रक्तदान और पौधारोपण

कुरुक्षेत्र। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित डा. अशोक कुमार वर्मा ने बेटी प्रियंका के जन्मदिन पर 295वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में भारतीय रैडक्रास सोसायटी के सचिव कुलबीर सिंह मलिक मुख्यातिथि, जबकि समाजसेवी प्रशांत शर्मा और कमल सैनी विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि कोरोना काल में निरंतर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से रक्त की आपूर्ति करने में डा. अशोक कुमार वर्मा के प्रयास बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने बेटी प्रियंका को जन्म दिन की बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान सबसे उत्तम कार्य है और जन्मदिन पर सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान और पौधरोपण करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। शिविर संयोजक डॉ अशोक कुमार वर्मा ने अतिथियों और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज पहले बेटी के नाम पर पौधारोपण भी किया गया है। इस दौरान डा. सत्यनारायण शर्मा, सीमा सिंह, राम कुमार और मनीष सिंगला, प्रदीप कुमार, प्रवीण, मनोज कुमार, आशीष कुमार, दीपक कुमार, रजत, सतनाम सिंह, डा. आदित्य कौश सहित अन्य मौजूद रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त 2020

डीयू छात्रों को मिलेगी डिजिटल डिग्री

ऑनलाइन पोर्टल पर कराना होगा पंजीकरण, हफ्ते भर में जारी होंगे डिग्री-सर्टिफिकेट

कोरोना काल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के चलते दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों को डिजिटल डिग्री देगा। विवि से पिछले वर्ष तक स्नातक कर चुके छात्रों, जिन्हें अभी तक डिग्री नहीं मिली है, को राहत देते हुए विश्वविद्यालय ने एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है जिसके जरिए छात्रों को डिजिटल डिग्री सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे जिससे इस प्रक्रिया में तेजी आएगी। डीयू की ओर से उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी गई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह की एकल पीठ को सूचित किया गया कि छात्रों को उक्त पोर्टल पर पंजीयन करवाना होगा, अपनी अकादमिक योग्यता, कॉलेज का नाम आदि जानकारी देनी होगी तथा सत्यापन पूरा होने के बाद डीयू हफ्तेभर के भीतर डिजिटल डिग्री सर्टिफिकेट जारी करेगा। अदालत 21 चिकित्सकों की ओर से दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिन्होंने वर्ष 2018 और 2019 में डीयू से संबद्ध विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस किया लेकिन उन्हें अपने डिग्री सर्टिफिकेट इसलिए नहीं मिल पाए क्योंकि प्रिंटर के साथ अनुबंध खत्म हो गया था।

छात्रों ने की ऑनलाइन परीक्षा में आ रही मुश्किलों की शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के लिए ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षाएं सोमवार को शुरू हुईं। कई छात्रों ने दो प्रश्न पत्र प्राप्त होने और उत्तर पुस्तिकाओं को अपलोड करने में दिक्कत होने की शिकायत की। परीक्षाएं सुबह 7.30 बजे शुरू हुईं और तीन पालियों में आयोजित की जा रही हैं। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के एक छात्र जुबैर खान ने कहा, डेट-शीट के अनुसार आज उसकी हिंदी की परीक्षा थी। जब उसने अपना प्रश्न पत्र डाउनलोड करने के लिए पोर्टल खोला, तो देखा कि दो प्रश्न पत्र अपलोड किए गए थे। एक हिंदी का और दूसरा जिसका पेपर 13 अगस्त के लिए निर्धारित है। उसने एसओएल को मेल भेजे, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उसने एक प्रोफेसर से सलाह ली, जिन्होंने उससे आज के लिए निर्धारित पेपर देने की सलाह दी। एक अन्य छात्र, दीपक गुप्ता ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि वह पूर्वाह्न 11.30 बजे के निर्धारित समय से पहले अपनी उत्तर पुस्तिकाओं को सफलतापूर्वक अपलोड कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा, पीडीएफ फाइलें बनाना समाप्त करने तक 11.28 बज गए थे। उसे अपलोड करने की कोशिश की, लेकिन अपलोड नहीं हुए।

मरीज के रुपये चुराने वाला एम्स कर्मी दबोचा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आंखों का आपरेशन कराने गए एक मीडियाकर्मी के नकद साठ हजार रुपए लेकर चंपत होने के आरोप में 52 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान सतीश कुमार धामा के रूप में की गई है। वह नर्सिंग सहायक के रूप में काम कार्यरत था और एक एजेंसी के माध्यम से उसकी सेवा ली गई थी। वह उत्तराखंड के हरिद्वार का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार मरीज 25 जुलाई को आंख का आपरेशन कराने के लिए एम्स गया था। प्रक्रियाओं से गुजरने से पहले उसने साठ हजार रुपए धामा को थमा दिया जो अस्पताल में उसका मेडिकल सहायक था। मरीज ने उससे कहा कि प्रक्रियाओं के पूरा होने तक वह इंतजार करे लेकिन इससे पहले ही आरोपी पैसे लेकर चंपत हो भाग गया। इसके बाद पुलिस टीम ने गुरुग्रमा में छापेमारी की और रविवार रात आरोपी को होटल के कमरे से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 29,500 रुपए बरामद कर लिए हैं।

दिल्ली व महाराष्ट्र में परीक्षाएं रद्द करने पर यूजीसी ने उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कोविड-19 महामारी के दौरान दिल्ली और महाराष्ट्र में राज्य के विश्वविद्यालयों में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने के निर्णय पर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में सवाल उठाए और कहा कि यह नियमों के खिलाफ है।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम नहीं बदल सकते हैं क्योंकि सिर्फ यूजीसी को ही डिग्री प्रदान करने के लिए नियम बनाने का अधिकार है। इस मामले की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा कि परीक्षाएं नहीं कराना छात्रों के हित में नहीं है और अगर राज्य अपने मन से कार्यवाही करेंगे तो संभव है कि उनकी डिग्री मान्य नहीं हो। शीर्ष अदालत कोविड-19 महामारी के दौरान अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित करने के यूजीसी के छह जुलाई को दिए निर्देश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को निर्देश दिया था कि वे 30 सितंबर तक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित कर लें। सुनवाई के दौरान मेहता ने पीठ को दिल्ली और महाराष्ट्र द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रद्द किए जाने के निर्णय से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि आयोग महाराष्ट्र और दिल्ली के हलफनामों पर अपना जवाब दाखिल करेगा। इसके लिए उसे समय दिया जाए। पीठ ने मेहता का अनुरोध पर मामले को 14 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया। कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव ने दावा किया कि अंतिम साल की परीक्षाएं आयोजित करने के बारे में आयोग के छह जुलाई के निर्देश न तो कानूनी है और न ही संवैधानिक हैं।

राजधानी में सामने आए कोविड-19 के 707 नए मरीज

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को कोविड-19 के 707 नए मरीज सामने आए जिन्हें मिलाकर राजधानी में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1.46 लाख से अधिक हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गत 24 घंटे में कोरोना वायरस से 20 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही दिल्ली में महामारी की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या 4,131 तक पहुंच गई।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के मुताबिक सोमवार को 12,323 नमूनों की जांच की गई। बुलेटिन के अनुसार दो अगस्त से लेकर चार अगस्त तक नए मामलों में कमी आई। दो अगस्त को जहां 961 मामले आए। वहीं तीन और चार अगस्त को क्रमश: 805 और 674 नए मामले सामने आए। हालांकि, पांच अगस्त से नौ अगस्त के बीच रोजाना आने वाले नए मामलों की संख्या एक हजार से अधिक रही। 10 अगस्त को दोबारा नए मामलों की संख्या तीन अंकों में आई है।

सीएम दोबारा शुरू करते हैं फ्लॉप योजनाएं : गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार की रोजगार योजना पर

भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरा है। पार्टी नेता ने कहा कि केजरीवाल सरकार फेल हो चुकी रोजगार योजना को दोबारा शुरू करके लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है। जिस तरह बाइस्कोप में घुमा फिरा कर एक ही तस्वीर कई बार दिखाई जाती है उसी तरह दिल्ली सरकार फ्लॉप हुई पुरानी योजनाओं को दोबारा शुरू करती रहती है। कभी ऑड-ईवन, कभी डोर स्टेप डिलीवरी, कभी ई-व्हीकल और कुछ दिनों पहले ही केजरीवाल सरकार ने रोजगार योजना की शुरुआत की है जो दो साल पहले भी शुरू की गई थी, लेकिन फेल हो गई थी।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि इस योजना के लिए केजरीवाल सरकार ने 34 करोड़ 41 लाख रुपए खर्च किए थे लेकिन रोजगार सिर्फ 334 लोगों को ही मिला था। अब एक बार फिर से लोगों को रोजगार के नाम पर बरगलाने के लिए यह स्कीम लेकर आई है जहां पर रोजगार की गारंटी तो नहीं है, लेकिन अश्लीलता जरूर परोसी जा रही है। इससे यह साफ जाहिर है कि सरकार की मानसिकता महिला विरोधी है क्योंकि उनकी पार्टी में संदीप कुमार, शरद चैहान जैसे कई नेता है जिनपर महिला यौन उत्पीड़न एवं शोषण का आरोप है और पीड़िता आज तक न्याय से वंचित है।

गुप्ता ने दो साल पहले की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2018 में भी रोजगार मेला का प्रचार-प्रसार करके सरकार ने खूब ढोल पीटे थे। इस साल यह ऐलान किया कि नौकरी पाने वाले और नौकरी देने वाले दोनों ही दिल्ली सरकार के जॉब पोर्टल पर पंजीकृत कर सकते हैं और नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। रोजगार बाजार योजना की पोल खोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ केजरीवाल सरकार का दिखावा है जिसके लिए करोड़ों के विज्ञापन भी दिए जा चुके हैं।

उगाही का वीडियो जारी कर भाजपा को घेरा

लेंटर डालने के एवज में निगम पार्षद लेते हैं लाखों रुपये : आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने ऑडियो जारी

कर भाजपा पार्षद पर वसूली का आरोप मढ़ा है। पार्टी नेता ने भाजपा शासित एमसीडी में चल रहे भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि न्यू अशोक नगर पार्षद रजनी पांडे के जेठ निशांत पांडे पर मकान का लेंटर डालने की एवज में लाखों रुपये रिश्वत लेने संबंधी बातचीत का आडियो जारी किया। जिससे पता चलता है कि पांडेय और क्षेत्र के जेई ने बिल्डर समेत तीन लोगों से करीब 12 लाख रुपए लिए।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली नगर निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर आरोप लगते हुए कहा कि नगर निगम लोगों से पैसे वसूलती रही है। लेंटर डालने के लिए भी पैसे लिए जाते हैं। लोगों को परेशान किया जाता है। पाठक ने जो ऑडियो क्लिप जारी किया है, उसमें कथित तौर पर निशांत पांडेय एक बिल्डर से बात कर रहे है। इस बातचीत में बिल्डर बता रहा है कि निर्माण कार्य के लिए उसने पार्षद के जेठ को लाखों में धन दिए हैं।

दुर्गेश पाठक ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा से महिला पार्षद और उनके जेठ निशांत पांडेय समेत पूरे गिरोह को पार्टी से निष्कासित करने और दिल्ली पुलिस को मामले का संज्ञान लेकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में हुए निगम चुनावों में भाजपा ने यह कहते हुए अपने तमाम मौजूदा निगम पार्षदों के टिकट काट दिए थे कि यह सभी भ्रष्टाचार में बुरी तरह से लिप्त हैं। उस समय के तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने नए चेहरे नई उड़ान का नारा दिया था और कहा था कि नए चेहरों के साथ वह दिल्ली की राजनीति में एक नई कहानी लिखेंगे।

लॉकडाउन के बाद 15 फीसदी स्कूली छात्रों का अता पता नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष

सिसोदिया ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में पंजीकृत करीब 15 फीसदी छात्रों का लॉकडाउन लागू होने के बाद से ही कोई अता-पता नहीं है। यह छात्र आनलाइन कक्षाओं में भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इन छात्रों का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ताकि उन्हें क्लास में वापस लाया जा सके।

सिसोदिया ने कहा, शिक्षा विभाग पूरी तरह से पढ़ाई लिखाई का संचालन कर रहे हैं। यह या तो आनलाइन हो रहा है अथवा फोन के माध्यम से और शिक्षकों को प्रत्येक छात्र के साथ व्यक्तिगत भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अब तक अधिकतम 15 फीसदी छात्र ऐसे हैं जिनका पता नहीं चल पाया है अथवा उन्होंने स्कूल से कोई संपर्क नहीं किया है और इसलिए वह कक्षाओं में शामिल नहीं हो पा रहे हैं।

उन्हें कुछ छात्रों का पता चला है जो या तो उस पते पर नहीं रह रहे हैं अथवा टीचर के पास रिकार्ड में उनका जो फोन नंबर है, उसका कोई अता पता नहीं है।

हार्पिक पीकर महिला ने की खुदकुशी

नोएडा। बिसरख थानाक्षेत्र में स्टेलर जीवन सोसायटी में 38 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर हार्पिक पीकर आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र में स्टेलर जीवन सोसायटी में रहने वाली एकता (38) का शव देर रात करीब तीन बजे उनके फ्लैट से मिला।

अग्रवाल ने बताया कि महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों की शादी छह साल पहले हुई थी। पुलिस को शक है कि महिला की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस महिला के मायके वालों से भी पूछताछ कर रही है।

फर्जी योजनाओं में निवेश का लालच देने वाला ठग धरा गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फर्जी योजनाओं में निवेश कराकर लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सुधीर प्रकाश शर्मा और उसके साथी झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को निशाना बनाते थे और अपनी फर्जी कंपनी में छोटी राशि निवेश करने के लिए प्रलोभन देते थे।

शर्मा और उसके साथी लोगों को सावधि खाता खोलने के लिए मनाते थे और रोजाना 100 रुपए जमा कराने पर 12 महीने बाद 41,400 रुपए वापस मिलने का लालच देते थे।

पुलिस ने बताया कि फर्जी योजनाएं दक्षिण दिल्ली में फर्जी कंपनियों के जरिए यह गिरोह चलाता था और ये कंपनियां वर्ष 2013 से चल रही थीं। उन्होंने बताया कि शर्मा और उसके साथियों ने अब तक कम से कम 25 लोगों से धोखाधड़ी की है।

डीसीपी अतुल कुमार ठाकुर ने बताया, शुरुआत में गिरोह के सदस्य लोगों का भरोसा जीतने के लिए मियाद पूरी होने पर योजना के तहत पूरी राशि लौटा देते थे।

अवैध हथियारों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ऑन डिमांड करते थे सप्लाई, सात तमंचे और दो पिस्टल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

एनसीआर में कोरोना काल के दौरान भी अवैध हथियारों की तस्करी लगातार जारी है। ट्रोनिका सिटी पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर बड़े गिरोह का खुलासा किया है। ये गिरोह मुज्जफरनगर से अवैध हथियार सस्ते दामों में लाकर यहां भारी मुनाफे के साथ सप्लाई करते हैं। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्टल व 7 तमंचे बरामद किए हैं। इन हथियारों को ये एनसीआर में खपाने के लिए लाए थे।

एसएसपी कलानिधि नैथानी ने

प्रेसवार्ता में तस्करों के बारे में जानकारी देते एसएसपी कलानिधि नैथानी।

प्रेसवार्ता में बताया कि पकड़े गए तस्करों के नाम आरिफ और आमिर हैं। ये ऑन डिमांड अवैध हथियारों की सप्लाई दिल्ली-एनसीआर में किया करते थे। इनका सरगना मुजफ्फरनगर का सरफराज उर्फ सोनू है जिसकी तलाश लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि एसपी देहात नीरज कुमार जादौन और उनकी टीम लगातार इस बड़े केस को क्रैक करने में लगी हुई थी। मुखबिर की सूचना और तमाम कोशिशों के बाद इस बड़े गैंग का खुलासा हो सका है। एसएसपी ने कहा कि पुलिस जल्द ही इस गैंग के सरगना सरफराज उर्फ सोनू तक भी पहुंच जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लंबे समय से लॉकडाउन में भी यह तस्कर अवैध हथियारों की सप्लाई का काम कर रहे थे। इनकी तलाश ना सिर्फ गाजियाबाद बल्कि अन्य जिलों की पुलिस को भी थी।

संक्षिप्त समाचार

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

नोएडा। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के कुलेसरा में रहने वाले एक युवक की सोमवार को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि थाना ईकोटेक -3 क्षेत्र के कुलेसरा में अजय सैनी नामक युवक रहता था। बीती रात को वह अपनी प्रेमिका के घर पर गया था जहां उसने खाना खाया तथा शराब पी। सुबह उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई। गंभीर हालत में उसे ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजन उसकी प्रेमिका पर हत्या का शक जाहिर कर रहे हैं।

महिला की गोली मारकर हत्या

गाजियाबाद। सोमवार दोपहर लोनी कोतवाली क्षेत्र की खन्ना नगर

चौकी के अंतर्गत गढी कटैया गांव के पास एक 32 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस महिला की हत्या के मामले को लेकर आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में लगी हुई है। इस मामले में एसपी ग्रामीण नीरज कुमार जादौन का कहना है कि महिला किसी पुरुष के साथ मोटरसाइकिल बैठकर आई थी और किसी बात को लेकर उनके बीच में अनबन हो गई और उस युवक ने महिला को गोली मार दी जिसके चलते महिला की मौके पर मौत हो गई। हालांकि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और जल्दी मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

दूसरों की जमीन बेचने वाला गिरफ्तार

नोएडा। दूसरे लोगों की जमीन को अपनी बताकर धोखाधड़ी से बेचने के आरोप में एक भूमाफिया को थाना बिसरख पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि थाना बिसरख पुलिस ने एक सूचना के आधार पर खोड़ा कॉलोनी निवासी पंकज यादव को तिगरी चौराहे के पास से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति ने कई लोगों की जमीन अपनी बताकर धोखाधड़ी से बेची है। उसके खिलाफ थाना बिसरख में पीड़ितों ने मामला दर्ज कराया था।

बलात्कार का आरोपी को भेजा जेल

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले की थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने सोमवार को एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से देसी तमंचा बरामद किया। यह बदमाश थाना दनकौर क्षेत्र में बलात्कार के एक मामले में वांछित था। सहायक पुलिस आयुक्त प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने आज गांव डोरीन निवासी सनी सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि यह बदमाश थाना दनकौर क्षेत्र में बलात्कार के एक मामले में वांछित था। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गाजियाबाद में अपराध में गिरावट

गाजियाबाद। जिले में इस वर्ष 1 जनवरी से 31 जुलाई के बीच अपराध मामलों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। विभाग द्वारा साझा किए गए डेटा के अनुसार गाजियाबाद में 2019 की इसी अवधि की तुलना में अपराध के मामले काफी कम हुए है। आंकड़ों के अनुसार, 2019 में पहले सात महीनों के दौरान गाजियाबाद के 19 पुलिस थानों में अपराध के 10,494 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2020 में इसी अवधि के दौरान सिर्फ 5,490 आपराधिक मामले देखे गए। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पिछले वर्ष में लूट के 65 मामले दर्ज किए गए थे जबकि 2020 में अब तक केवल 14 मामले दर्ज किए गए हैं।

आग लगने के बाद क्षतिग्रस्त सेक्टर-63 स्थित बॉल पेन बनाने वाली फैक्ट्री।

बॉल पेन बनाने वाली फैक्ट्री में आग, गार्ड की झुलसकर मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- **दमकल की तेरह गाड़ियां मौके पर पहुंची**

थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर 63 में स्थित बॉल पेन बनाने वाली एक फैक्ट्री में रविवार रात दो बजे आग लग गई। आग की सूचना पाकर दमकल विभाग की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में वहां तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड की जलकर मौत हो गई।

मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि थाना फेस-3 क्षेत्र के एच-90, सेक्टर 63 में एच. एम. ट्विस्ट कंटेनर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से बॉल पेन बनाने की फैक्ट्री है। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री में रविवार देर रात दो बजे आग लग गई। आग इमारत के तीनों तल पर फैल गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में गार्ड संदीप कुमार (23 वर्ष) पुत्र राकेश कुमार निवासी ग्राम सफीपुर थाना जगतापुर जनपद बहराइच आग की चपेट में आ गया तथा झुलसने से उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सिंह ने बताया कि फॉरेंसिक विभाग की टीम भी जांच के लिए मौके पर पहुंची।

बॉयफ्रेंड ने ही की थी महिला की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरपुरम पुलिस ने इलाके में हुए एक महिला के मर्डर का खुलासा करने का दावा किया है। नोएडा के स्पा सेंटर में काम करने वाली महिला 6 तारीख को लापता हो गई थी। जिसका शव रविवार को इंदिरापुरम इलाके में हिंडन नदी किनारे मिला था। मामले में पुलिस ने मृतका के कथित बॉयफ्रेंड मुस्तफा नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक महिला के पति का कुछ समय पहले देहांत हो गया था। इसके बाद वो मुस्तफा के संपर्क में आई थी। महिला से शादी

करने की बजाय आरोपी उसके साथ लिव-इन में रहना चाहता था। लेकिन महिला इस बात से इंकार कर रही थी। वो उस पर जल्द शादी करने का दबाव बना रही थी। साथ ही उससे रोज-रोज पैसे की भी डिमांड करती रहती थी। ऐसे में मुस्तफा ने साजिश के तहत महिला को 6 तारीख को शाम को अपनी दुकान पर पैसे देने के लिये बुलाया और वहां चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी और लाश को पास ही हिंडन नदी में फेंक दिया।

महिला की गुमशुदगी के बाद से ही परिवार ने इस बात का शक जाहिर किया था कि महिला जिस व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में है उसने ही महिला को गायब किया होगा। हालांकि परिवार को पूरी तरह से जानकारी नहीं थी कि वो व्यक्ति कौन है। लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मुस्तफा को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपना इकबालिया बयान भी दर्ज करा दिया है।

दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा। थाना सूरजपुर में तिलपता गोल चक्कर के पास तेज रफ्तार कंटेनर ने सोमवार सुबह एक व्यक्ति को कुचल दिया। सहायक पुलिस आयुक्त प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि तिलपता गोल चक्कर के पास एक अज्ञात कंटेनर चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए इरफान नाम के एक व्यक्ति को कुचल दिया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य हादसे में थाना सूरजपुर क्षेत्र के पास देर रात 53 वर्षीय व्यक्ति विनोद कुमार को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। सिंह ने बताया कि शख्स को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भवन नियमावली की अनदेखी, बना दी 7 मंजिला इमारत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शाहबेरी हादसे के बाद जिस प्रकार से नोएडा प्राधिकरण हरकत में आया, लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी गांव की भवन नियमावली को निकालकर लागू किया। उसको देखकर लगा था कि अब नोएडा में अवैध निर्माण पर अंकुश लग जाएगा, लेकिन गांव के निर्माण पर किस कदर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। इसकी कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

ताजा उदाहरण लॉकडाउन में सामने आया है, बाबा बालकनाथ कट के सामने फरवरी में सर्फाबाद गांव की जमीन पर निर्माण शुरु हुआ, अनलॉक 3 तक इस तेजी से निर्माण हुआ कि सात स्लैब बिल्डिंग में डाला जा चुका है और आठवीं स्लैब की तैयारी निर्माणधीन भवन मालिक कर रहा है। जबकि नियम 15 मीटर तीन मंजिल अधिकतम की इजाजत देता है। यदि हादसा हो जाए तो जिम्मेदारी कौन लेगा, अभी भी कोई तय नहीं कर सका है। जबकि चंद कदम की दूरी पर प्राधिकरण का अंडर पास निर्माण चल रहा, परथला हैंगिंग ब्रिज का निर्माण शुरू होने वाला है। बाबा बालक नाथ कट को हाल ही में बंद किया गया। ऐसे में निर्माण पर नजर प्राधिकरण अधिकारी या कर्मचारी या जेई की नहीं पड़ी होगी। यह बात समझ से परे है।

यह है नियम: गांव में बनने वाले मकानों की ऊंचाई 15 मीटर तीन मंजिल अधिकतम होगी। इसके ऊपर बनने मकान को अवैध माना जाएगा। गांव में मकान बनाने से पहले प्राधिकरण में इसका नक्शा पास कराना होगा। बिना नक्शा पास कराए कोई भी भवन निर्माण नहीं किया जा सकेगा। नोएडा प्राधिकरण की साइट पर इस नियमावली को अपलोड कर दिया गया है। साथ ही प्राधिकरण ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया था कि वह ग्रामीणों व किसानों को इसके लिए जागरुक करें।

प्राधिकरण ने गांव की फ्री होल्ड जमीन या प्रॉपर्टी पर रेग्यूलेशन लागू कर दिया है। ऐसे में नोएडा चतुर्थ संशोधन नियमावली 2016 लागू हुई है। इसमें गांव की जमीन के लिए 1.8 फ्लोर एरिया रेसियो एफएआर दिया जाएगा। इसमें गांव में कोई भी मकान की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक नहीं होगी यानि तीन मंजिल ही अधिकतम नहीं होगी। इसके ऊपर बनाए गए मकानों को अवैध माना जाएगा।

जिला पंचायत की सह पर फैला था नोएडा में अवैध बिल्डरों का जाल बता दें कि वर्ष 2014 में जब गांव की जमीन पर तेजी से मल्टी स्टोरी का निर्माण चल रहा था। नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वीके पवार ने इस पर रोक लगाने का प्रयास किया। इस दौरान संज्ञान में आया कि भू माफिया जिला पंचायत से नक्शा पास करा धडल्ले से नोएडा में आबादी की जमीन पर निर्माण करने में जुटे है। इस पर नोएडा प्राधिकरण ने लिखित तौर पर शासन से कड़ी आपत्ति जताई थी। जिसमें प्राधिकरण क्षेत्र में अधिग्रहित व कब्जा प्राप्त जगह पर किसी भी प्रकार से जिला पंचायत के नक्शा पास नहीं करने का अधिकार भी बताया गया था। इसके बाद शासनादेश जारी हुआ। इसमें जिला पंचायत को नोएडा से बाहर का रास्ता दिखाया गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

बायो मेडिकल वेस्ट से बढ़ा कोरोना संक्रमण का खतरा

बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के नहीं हैं पुख्ता इंतजाम

सीपीसीबी और एनसीडीसी के अनुसार हर 10 हजार बेड पर एक प्लांट होना है जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना महामारी से तो हम जूझ ही रहे हैं। इस पर नियंत्रण के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोरोना के मरीजों के कारण बढ़े बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण भी जरूरी है, लेकिन यहां इस वेस्ट के निस्तारण के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में सही प्रकार व समय से बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण नहीं होने के कारण कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है।

इस समय जिले में 30 फीसदी बायो मेडिकल वेस्ट बढ़ गया है, जो केंद्र सरकार के नियमों को भी अनुपालन नहीं कर पा रहा। समय रहते इसके पुख्ता इंतजाम नहीं किये तो इससे पर्यावरण में भी खतरा बढ़ जाएगा। जिले की अस्पतालों व घरों से निकलने वाले बायो मेडिकल

वेस्ट को उठाने और निस्तारण के लिए सेक्टर-37 में जिले का इकलौता बायो मेडिकल वेस्ट मैनजेमेंट प्लांट है।

यहां प्रतिदिन हजारों टन बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण होता है। यहां गुरुग्राम के अलावा रेवाड़ी जिले का भी बायोवेस्ट आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) व नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने नियमानुसार जिले के अस्पतालों में 10 हजार बैड पर एक बायोवेस्ट मैनेजमेंट प्लांट आवश्यक है। गुरुग्राम जिले में करीब 220 सरकारी व निजी अस्पतालों में 13 हजार बेड है। इसके अलावा कोरोना काल में अस्पतालों व घरों से 30 फीसदी बायो मेडिकल वेस्ट बढ़ गया है।

यही कारण है कि जिले के अस्पतालों, कॉलोनियों में फैल रहे बायो मेडिकल वेस्ट से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। हाल ही में जिले के सीएमओ दफ्तर के बाहर बायो मेडिकल वेस्ट मिला था। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने इसकी रिपोर्ट मांगी थी।

ये कहते हैं विभागीय अधिकारी

इस बारे में नगर निगम की सलाहकार सोनिया दूहन का कहना है कि एक बायोटेक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट सेक्टर-37 में है। यहां पर 12 गाड़ियां जिलेभर से मेडिकल वेस्ट उठाती है। इसके अलावा रेवाड़ी का वेस्ट मैनेजमेंट भी यहीं पर आता है। जिले में बायो मेडिकल वेस्ट उठाने के व्यापक इंतजाम हैं। जरूरत के हिसाब से प्लांट की क्षमता को बढ़ा दिया जाएगा। क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी शक्ति सिंह का कहना है कि सेक्टर-37 के बायोटेक प्लांट में सरकार की ओर से तय सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। समय-समय पर विभाग के अधिकारी निरीक्षण करते हैं। अगर कोई शिकायत या कमी मिलती है तो उसका समाधान किया जा रहा है।

गोमाता है भारतीय संस्कृति का हिस्साः अमित चंद्रशेखर आजाद

श्रीराधा-कृष्ण गोशाला में पहुंचे शहीद चंद्रशेखर आजाद के पौत्र अमित आजाद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अमर शहीद वीर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के पोते अमित आजाद ने कहा कि गोमाता हमारी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। हम प्राणी मात्र सभी मिलकर एक रुपये रोटी अगर रोजाना निकाले तो देश की गोशालाओं की हालत दयनीय नहीं होगी। यह बात उन्होंने सोमवार को यहां सेक्टर-9 स्थित श्रीकृष्ण गोशाला में कही।

अमित आजाद ने कहा कि हम प्राचीन काल से ही अपनी रसोईघर में एक रोटी सबसे पहले गो माता के लिए निकालते हैं। हमें सभी को

गुरुग्राम के सेक्टर-9 स्थित श्रीराधा-कृष्ण गोशाला में पहुंचे शहीद चंद्रशेखर आजाद के पौत्र अमित चंद्रशेखर आजाद को स्मृति चिन्ह देती गोशाला संचालक सविता कटारिया और प्रवक्ता अजय शर्मा।

मिलकर प्रण करना चाहिए कि हम रोजाना रुपया एक गो माता के लिए निकालें। जो गो माता की सच्चे मन से सेवा करेगा। उसका कल्याण हो जाएगा। आजकल लॉकडाउन के दौरान जो समस्याएं आ रही हैं। उनका हम सभी मिलकर निदान करेंगे। जरूरत पड़ी तो गो सेवा आयोग से भी हम मांग पत्र के माध्यम से स्पेशल ग्रांट दिलवाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मार्गदर्शन में गो माता की सेवा के लिए अलग से एक बोर्ड का गठन किया गया है। जिसमें गोमाता की सेवा के लिए पंचायतों के पास पड़ी खाली जमीन को गो शालाओं के लिए पट्टे पर देने का विचार सरकार ने किया है। जिसमें हरा चारा व तूड़ा उत्पन्न करके गोमाता का पेट भरा जा सकता है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अब पूर्ण रूप से लगा हुआ है। उन्होंने गो माता को गुड़ खिलाया व हरा चारा भी दिया।

श्रीराधा-कृष्ण गोशाला प्रवक्ता अजय शर्मा ने कहा कि लॉकडाउन के चलते गोशाला में गो भक्तों का आना बंद हो गया था। जिसके कारण यहां बहुत ज्यादा दिक्कत हो गई है। गो माता पर आए इस भारी संकट से निजात दिलाने के लिए गो भक्त समय समय पर आकर अपनी सेवा गोमाता के लिए करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि गोशाला में रोजाना विश्व शांति के लिए व कोरोना वायरस खत्म करने के लिए हवन यज्ञ किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों से लोग आकर अपनी आहुति डाल रहे हैं। इस अवसर पर श्रीराधा-कृष्ण गोशाला संचालिका सविता कटारिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश आजाद, शिवाई सिंह, अमर कटारिया, शैलेश कुमार, सुरेश शर्मा, किशन लाल थानेदार आदि मौजूद रहे।

गुरुग्राम में जल्द ही फिर से होगा सीरो सर्विलांस सर्वे

प्रत्येक क्लस्टर में सर्वे टीम में एक चिकित्सक, हेल्थ केयर वर्कर और एक लैब टेक्नीशियन होगा

गुरुग्राम। जिले में जल्द ही फिर से सीरो सर्विलांस सर्वे किया जाएगा। इस सर्वे का उद्देश्य जिला की आबादी में सारस-कोव-2 संक्रमण पर निगरानी रखना है। इस बार 850 व्यक्तियों का सीरो सर्विलांस सर्वे होगा।

सिविल सर्जन डा. वीरेंद्र यादव के मुताबिक सीरो सर्विलांस सर्वे के लिए चुने गए 850 व्यक्तियों में 500 व्यक्ति ग्रामीण तथा 350 व्यक्ति शहरी क्षेत्र के हैं। सर्वे के लिए शहरी क्षेत्र को चार क्लस्टर में बांटा जाएगा। प्रत्येक क्लस्टर को आगे फिर चार भागों में विभाजित किया जाएगा। इस प्रकार एक भाग में 22 घरों का सर्वे होगा। यानी प्रत्येक क्लस्टर में 88 घरों का सर्वे किया जाएगा। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र को 12 क्लस्टरों में विभाजित करके प्रत्येक क्लस्टर को आगे चार भांगों में बांटा जाएगा। उन्होंने बताया कि क्लस्टर के लिए चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीन गांवों, चार सब सेंटरों के कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले गांवों का चयन किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक क्लस्टर में 44 घर रखें गए हैं जिनका सर्वे किया जाएगा। डा. यादव के अनुसार इस सर्वे में सट्रेटीफाईड मल्टी स्टेज सेंपलिंग होगी, जिसमें 18 वर्ष से उपर की आयु के व्यक्तियों का सहमति लेकर सेंपल लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक क्लस्टर में सर्वे का कार्य तीन सदस्य टीम करेगी, जिसमें एक चिकित्सक, एक हेल्थ केयर वर्कर तथा एक लैब टेक्नीशियन शामिल होगा। दो क्लस्टरों पर निगरानी के लिए एक सुपरवाइजर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सर्विलांस के माध्यम से यह भी आसानी से पता लगाया जा सकता है कि उक्त व्यक्ति को पहले कोरोना हुआ है अथवा नहीं।

डीसी से की गोकलपुर घोटाले में जल्द कार्रवाई की मांग

नूंह। पिनगवां खंड की गोकलपुर पंचायत में सरपंच द्वारा विकास के नाम पर किया गया करोड़ों रुपये गबन का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गांव के लोगों ने एसडीएम से शिकायत के बाद अब डीसी से मुलाकात कर जल्द कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि डीसी ने उन्हें आश्वासन दिलाया है कि मामले की कमैटी गठित कर जल्द जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी होगा बख्शा नहीं जाएगा।

डीसी को दी शिकायत में गोकलपुर गांव के मकसूद, ताहिर हुसैन, आजाद व यूनुस ने उनके गांव के सरपंच ने पंचायत सेक्रेटरी, पंच, ठेकेदार, बैंक मेनेजर व कुछ पंचायती विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके पहले तो गांव वालों को बिना बताए 262 जॉब कार्ड बनवाए और फिर उनके नाम पर काम दिखाकर करोडों रुपये की लेन देन की। जिसकी किसी को कानों कान खबर न लगने दी। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच उन्हें कहीं पर भी शिकायत करने के लिए चेतावनी देता है। आरोप है कि सरपंच ने कागजों में ईदगाह, कब्रिस्तान, श्मशानघाट, स्कूल लेवलिंग, स्ट्रीट लाईटें आदि काम कागजों में दिखाया है, जबकि जमीनी स्तर पर गांव में जांच की जाए। ग्रामीणों ने कहा है कि जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिलेगा, तब तक वह शांत नहीं बैठेंगे, चाहे उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़े।

पौधा लगाओ और श्यामपट पर नाम लिखवाओ

सोहना। सोहना नगरपरिषद ने पौधारोपण अभियान में सामाजिक संगठन व गणमान्य लोगों को खुला निमंत्रण दिया है। ताकि नगरपरिषद सीमा क्षेत्र की सड़कों से लेकर आम रास्ता, पार्क, जोहड़, सामुदायिक केन्द्र, स्कूल, आगंनबाड़ी सेंटर आदि में पौधारोपण करने का अभियान शुरु किया जा सके।

सोहना नगरपरिषद सीमा क्षेत्र में पौधारोपण का अभियान चलाया है। नगरपरिषद ने शहर की सामाजिक संस्थाओं से लेकर आम लोगों को पौधारोपण में सहयोग करने तथा आने नाम का पौधा लगाने की अनुमति प्रधान की है। ताकि शहरवासी अपने पहचान के लिए पौधारोपण कर सकें। कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि कोई भी नागरिक यदि पौधारोपण में सहयोग करेगा। उसके नाम की सूची परिषद कार्यालय के श्यामपट पर लिखवाया जाएगा। ताकि उसके रिश्तेदार, परिजन ऐसे सामाजिक संस्था या व्यक्ति विशेष का नाम पढ़कर प्रेरणा ले सके।

नगरपरिषद क्षेत्र में होगा अवैध कॉलोनियों का सर्वे

सोहना। नगर परिषद सीमा क्षेत्र में काटी जा रही अवैध कॉलोनियों की सर्वे कराएगी। ताकि कि अवैध कॉलोनियों काटने वालों पर मुकदमा दर्ज कराया जा सके। प्रदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा राज्य में अवैध कॉलोनियों काटे जाने पर शिकंजा कसने की मंशा को जाहिर कर दिया है। हाल ही में जिला गुरुग्राम व राज्य में नायब तहसीलदारों से लेकर तहसीलदारों के खिलाफ की गई कार्रवाई से जहां रेवेन्यू विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार जल्द ही पटवारियों के खिलाफ भी प्रदेश सरकार शक्ति से पेश आने की योजना तैयार कर रही है। उसी तरह से सोहना नगर परिषद ने अपने सीमा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों को चिंहित करने की सर्वे कराने की योजना तैयार की है। जिसके लिए एमई, जेई व भवन निरीक्षक के नेतृत्व में एक टीम का चयन किया जाना है। जो गुप्त रुप से परिषद सीमा क्षेत्र में काटी जा रही अवैध कॉलोनियों का डाटा इकट्ठा करने का काम करेगी। इस सर्वे का जानकारी किसी को भी नहीं दी जाएगी।

ये रिकॉर्ड जुटाया जाएगा

नगर परिषद कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अवैध कॉलोनियों के सर्वे में कुल क्षेत्रफल, कितने-कितने वर्गगज के प्लाट काटे जा रहे हैं। अवैध कॉलोनियों को अंजाम देने वाले का नाम व पता, अवैध कॉलोनी में सहयोग करने वाले का नाम। चाहे वह कोई व राजनीतिक या प्रशासनिक अधिकारी ही क्यों ना हो। अवैध कॉलोनियों में प्लाटों की कीमत। अवैध कॉलोनियों की रुपरेखा तैयार करने में कितने पेड़ों को काटा गया। अवैध कॉलोनियों की वर्तमान हालात कैसी है।

अवैध कालोनियों के खिलाफ होगी कार्रवाही : नगरपरिषद के एक्सईएन अजय पंघाल ने बताया कि अवैध कॉलोनियों की सर्वे जल्द ही शुरु किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सर्वे एक सप्ताह में तैयार करके सरकार के आदेशानुसार आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए जाएंगे।

इस्कॉन मंदिर में डिजिटल तरीके से मनेगी जन्माष्टमी

गुरुग्राम। मंदिर प्रबंधन कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव की धूमधाम से तैयारी कर रहा है। कोरोना के समय में भी यहां भक्त जन्माष्टमी समारोह की तैयारी में जुटे हुए हैं। सभी भक्तजन की सुरक्षा व स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर मंदिर प्रबंधन ने भक्तों का उत्साह बढ़ाने के लिए भव्य जन्माष्टमी उत्सव को डिजिटल बनाने का फैसला किया है। जिसमें सभी श्रद्धालु घर बैठे ही सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त कर सके। बच्चों के साथ-साथ वयस्कों के लिए भी कई ऑनलाइन प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई है, इसमें ड्राइंग, स्लोगन फ्रेमिंग, अभिनय, गायन आदि शामिल हैं। साथ ही त्योहार के दिन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गेम्स, ड्रामा, श्लोकों का पाठ आदि कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सभी के लिए घर बैठे ही लाइव प्रसारण के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के दर्शन, पूजा, आरती, एवं अभिषेक की व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा गया है।

तावडू शहर में अतिक्रमणकारियों की अब खैर नहीं

विधायक संजय सिंह की पत्नी वंदना सिंह ने एसडीएम संग की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

शहर को स्वच्छ व अतिक्रमण से मुक्त करने को लेकर विधायक गंभीर नजर आने लगे हैं। विधायक संजय सिंह के कहने पर उनकी पत्नी वंदना सिंह ने तावडू पहुंच एसडीएम डॉ. नरेश कुमार संग अतिक्रमण व स्वच्छता को लेकर बैठक की। बैठक में शहर के गणमान्य लोग भी मौजूद थे। वहीं इस मीटिंग से पूर्व एसडीएम ने नपा जेई, मार्केट कमेटी के सचिव व शहरी थाना प्रभारी हेमराज जाखड़ संग उक्त विषय को लेकर मीटिंग की। मीटिंग की रिपोर्ट को वंदना सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद निष्कर्ष निकला कि 15 अगस्त से पूर्व शहर को पूर्णतया अतिक्रमणमुक्त व स्वच्छ बनाना है। इस कार्य में जो भी व्यक्ति अड़चन पैदा करे उसके विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई होगी।

बता दें कि तावडू शहर में अतिक्रमण, हर और गंदगी का साम्राज्य, पेयजल व सीवरेज लाइन बिछाने के चलते कार्य की वजह से खोदी गई सभी गलियों का दोबारा

विधायक संजय सिंह की पत्नी वंदना सिंह को शहर के हालातों की जानकारी देते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

बनने में देरी सहित कई अन्य समस्याएं निरंतर विधायक के समक्ष पहुंच रही थी। जिस पर सोमवार को दोपहर करीब ढाई बजे वंदना सिंह एसडीएम ऑफिस पहुंचीं और एसडीएम संग करीब एक घंटे मंत्रणा की। लेकिन उनके आने से पूर्व एसडीएम ने इन विषयों पर विभिन्न अधिकारियों संग मीटिंग कर शहर का जायजा ले लिया था। इसमें जो रिपोर्ट तैयार हुई उसे वंदना सिंह के समक्ष रखा।

एसडीएम ने वंदना सिंह को बताया कि शहर को अतिक्रणमुक्त करने के लिए दुकानों के आगे एक समान निशानदेही कर लोहे की जालीदार बेरिकेडिंग की जाएगी। रोहतक सिटी की तर्ज पर ये कार्य होगा। वहीं नपा जेई को भी आदेश कर दिए हैं कि अतिक्रमण हटाने को लेकर आज ही मुनादी हो व फिर भी जो लोग अतिक्रमण न हटाएं उन पर कार्रवाई हो। वहीं 15 अगस्त से पूर्व पूरा शहर स्वच्छ किया जाए। मुनादी में दुकानदारों से कोविड नियमों के अनुरूप दुकानों को चलाने की बात भी कही जाए। मानसून के मौसम को दृष्टिगत रख मंगलवार से शहर में फोगिंग का कार्य हो ताकि लोग बुखार की चपेट में न आएं।

मीटिंग में मौजूद भाजपा मंडलाध्यक्ष मुकेश शर्मा, पूर्व मंडलाध्यक्ष सुरेश प्रधान, रामबीर ठेकेदार, नरेश ढ़ल, अश्वनी नासा, विजयपाल, राजेश चौधरी, रामनिवास जांगड़ा व लालजी ने कहा कि शहर में सबसे बुरा हाल जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग वालों का है। सीवरेज व पेयजल पाइपलाइन बिछाने के चलते पूरा शहर खोदकर छोड़ रखा है। थोड़ी सी वर्षा होते ही पूरा शहर दलदल में बदल जाता है। इस विभाग के ठेकेदार अपने ही विभाग के अधिकारियों की नहीं सुनते। जिस पर एसडीएम ने कहा कि जल्द ही वह इस समस्या का निदान करने का वह प्रयास करेंगे।

ऐसी है तावडू शहर की वर्तमान सूरत

पूरा शहर अतिक्रमण से पटा पड़ा है व शहर में हर जगह गंदगी का आलम है। ऑटो, जीप व निजी बस चालकों की मनमानी के चलते पूरे दिन शहर में जाम की स्थिति देखी जा सकती है। नपा द्वारा विभिन्न स्थानों पर बनाए गए टॉयलेट गंदगी का पर्याय हो चुके हैं। नाले व नालियां गंदगी से पटी पड़ी हैं व पूरा शहर सीवरेज व्यवस्था को लेकर महीनों से खोदा हुआ है। तावडू की मुख्य सड़क हो या मुख्य बाजार अतिक्रमण को लेकर कमोबेश दोनों ही जगह खराब स्थिति है। अगर शहर या बाजार में दिल्ली जैसा अग्निकांड हो जाए तो फिर राम भरोसे ही लोगों की जिंदगी रहेगी। सब्जी मंडी के दुकानदारों ने तो सड़क को अपनी जागीर समझ रखा है। सड़क पर सब्जी की दुकान लगा रहे हैं व कई दुकानदार तो अपनी दुकानों के आगे रहड़ियों व अन्य दुकानों को लगवा वसूली कर रहे हैं।

सोहना के मंदिरों में कम है जन्माष्टमी पर उत्साह

बाजारों में श्रीकृष्ण की पोशाक की मांग न होने से दुकानदारों में मायूसी

प्रधान धर्मवीर सैनी ने बोले, जन्माष्टमी पर कोई भी कलाकार तैयार नहीं आने को

सोहना। सोहना के मंदिरों में जन्माष्टमी मनाने को लेकर किसी प्रकार की तैयारी नहीं की जा रही है। जन्माष्टमी के अवसर पर देर शाम प्रसाद वितरण किया जाएगा। वही बाजारों में भगवान कृष्ण की पोशाक की मांग न होने से दुकानदारों में मायूसी छायी हुई है।

कोरोना काल के चलते इस बार सोहना के किसी भी मंदिर में भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाने को लेकर कोई तैयारी नहीं की जा रही है। कृष्ण भक्त भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में जाने से बच रहे हैं। मंदिरों में सन्नाटा पसरा हुआ है। सैनी धर्मशाला कमेटी के प्रधान धर्मवीर सैनी ने बताया कि

सोहना में दुकानों पर सजी भगवान कृष्ण की पोशाक।

जन्माष्टमी को लेकर कोई भी कलाकार तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि मंदिर में देर रात्रि प्रसाद वितरण किया जाएगा। जो भी भक्त प्रसाद ग्रहण करना चाहेगा उसे सामाजिक दूरी से दिया छाएगा।

ड्रेस की नहीं है मांग

दुकानदार नरेश अग्रवाल ने बताया कि दो दिन में कृष्ण के बाल्यकाल अवस्था की मात्र दो ही ड्रेस बाकी हैं। इस बार ड्रेस की मांग नहीं होने से उसे हजारों रुपये का घाटा होने की आशंका है। दुकानदार राजू का कहना है पिछले वर्ष उसने करीब 150 भगवान कृष्ण की ड्रेस बेची थी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने देशवासियों का सपना पूरा कियाः भगवतदास

गुरुग्राम। अयोध्या में राम मंदिर की आधार शिला रखने के बाद पूरे भारतवर्ष में उल्लास व उमंग की लहर है। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित प्राचीन जीरखोद मंदिर में भी इस दिवस को त्योहार की तरह मनाया गया। मंदिर में दीपक जलाए गए और भक्तों को प्रसाद वितरण किया। मंदिर के महंत महामंडलेश्वर बाबा भगवत दास ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर को लेकर करोड़ों देशवासियों का सपना पूरा कर दिया। इस दिन को पूरा देश याद रखेगा। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में उनके मंदिर के निर्माण के बाद दुनियाभर के लोगों को रामायण और सनातन धर्म को करीब से जानने-सीखने का मौका मिलेगा। कोरोना जैसी आपदा से देश जिस प्रकार जूझ रहा है राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद लोगों में इस महामारी से लड़ने की नई ऊर्जा जागृत हो गई है। महामंडलेश्वर ने कहा कि इस दिन को खास बनाने के लिए हमने पूरे क्षेत्रवासियों को प्रसाद वितरित करते हुए बधाई दी। जिसमें भक्तों ने प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाकर उन्हें प्रणाम किया। बता दें कि गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित 500 वर्ष प्राचीन मंदिर में गुरुग्राम, दिल्ली, फरीदाबाद समेत आसपास के दिग्गज नेता परिवार समेत आते हैं।

बेटी के जन्म पर कुंआ पूजकर रोपा पौधा

फर्रूखनगर। बेटियां घर का नहीं समाज का चिराग होती हैं। उसकी प्रतिभा की रोशनी से पूरा जगत जगमग हो जाता है। जिस आंगन में बेटियों की किलकारी ना गुंजे वह घर अधूरा ही समझा जाता है। बेटियों से ही जग रोशन है। यह बात जिला परिषद गुरुग्राम के उप प्रमुख संजीव राव उर्फ पप्पू यादव ने खंड के गांव डाबोदा में नवजात बेटी जसमिन यादव के जन्म पर आयोजित कुआं पूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम के मौके पर ग्रामीणों से कही। उन्होंने कहा कि यह किस्मत की बात है कि गांव की सबसे ज्यादा वृद्ध महिला 92 वर्षीय विद्या देवी ने अपनी पड़पौत्री जसमीन यादव के जन्म पर खुशी का इजहार करते हुए थाली बजाई। गांव डाबोदा के कोमल यादव व उनकी पत्नी सोनिका के घर पहली संतान के रूप में 6 जुलाई 2020 को बेटी जसमिन का जन्म हुआ। जन्म पर घर में पूरे उत्साह के साथ सभी रस्म तो निभाई गई। बल्कि कुआं पूजन के साथ आम का पौधा भी लगाया गया। छोछक में भी विभिन्न प्रजातियों 101 पौधे उपहार के रूप में आये। इस मौके पर सरपंच नीता यादव, बल्लू यादव प्रधान, जयप्रकाश, संजीव सोलंकी, धर्मबीर, पूर्व पंच सुरेंद्र सिंह, गंगाराम, राजबीर, दीपक, ज्योति, बुधराम, सुखराम, ब्रह्मप्रकाश, सुनील पहलवान, ओम प्रकाश, चंदगीराम मुशेपुर, राम निवास, रणधीर सिंह, संजय आदि मौजूद रहे।

लवली सलूजा बने श्रीदुर्गा रामलीला कमेटी के प्रधान

गुरुग्राम। श्रीदुर्गा रामलीला कमेटी के द्विवर्षीय चुनाव में लवली सलूजा को प्रधान चुना गया। इससे पूर्व बनवारी लाल सैनी प्रधान थे। नवनियुक्त प्रधान अब कार्यकारिणी का जल्द ही गठन करेंगे। अध्यक्षता प्रो. संजय भसीन ने की। जैकबपुरा में रामलीला कमेटी की बैठक में प्रो. संजय भसीन की अध्यक्षता में सभी सदस्यों ने कमेटी के चेयरमैन रहे दिवंगत भीमसेन सलूजा के बेटे लवली सलूजा का नाम अनुमोदित किया गया। लवली सलूजा को प्रधान चुन लिया गया। कमेटी को संबोधित करते हुए नवनियुक्त प्रधान लवली सलूजा ने कहा कि उन्हें जो यह जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पालन करेंगे। जल्द ही वे बाकी पदाधिकारियों का भी चुनाव करेंगे। पूर्व प्रधान बनवारी लाल सैनी ने पिछले दो साल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिस पर सभी पदाधिकारियों, सदस्यों ने संतुष्टि जाहिर की। इस मौके पर पूर्व सचिव मनोज तंवर, रामा ठाकुर, रमेश कालरा, देवेंद्र जैन, एसके शर्मा, राजेश जैन, केसी नारंग और नरेश सैनी समेत सभी पूर्व पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स योजना में 14 रेहड़ी वालों को ऋण मंजूर

सोहना। नगरपरिषद ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स योजना के तहत 14 रेहड़ी मालिकों को दस-दस हजार रुपये का ऋण मंजूर किया है। रेहड़ी मालिकों को इस ऋण की बिना ब्याज के रकम जमा करानी होगी। नगरपरिषद के कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह खंगवाल की अध्यक्षता में सोमवार को पीएम स्ट्रीट वेंडर्स कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में मार्केट कमेटी सचिव नरेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, व्यापार मंडल संघ प्रधान मनोज राघव, समाज सेवी बलबीर रावत, फायर स्टेशन प्रभारी जयवीर भड़ाना आदि मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत करते हुए कार्यकारी अधिकारी अतर सिंह खंगवाल ने बताया कि कमेटी ने शहर में रेहड़ी लगाने वाले 367 लोगों की पहचान की थी। जिसमें एक सौ के लगभग स्थानीय निवासी हैं। बाकी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के निवासी है। कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि पीएम स्ट्रीट वेंडर्स योजना के तहत 14 रेहड़ी मालिकों ने बिना ब्याज ऋण लेने के लिए अपना-अपना आवदेन जमा कराएं थे। पीएम स्ट्रीट वेंडर्स कमेटी ने सभी आवेदकों के 10-10 हजार रुपये के ऋण को मंजूरी प्रदान कर दी है। जो जल्द ही रेहड़ी मालिकों को दे दिए जाएंगे। परिषद के कार्यकारी अधिकरी अतर सिंह खंगवाल ने बताया कि जिन रेहड़ी मालिकों को ऋण दिए गए है।

कोरोना से बचने के लिए मास्क जरुरीः डीसी

नूंह। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान प्रतिदिन एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर नौकरी या व्यापार करने वाले लोगों के लिए कोविड-19 के संक्रमण से सुरक्षित रहने के लिए मास्क जरुरी है। उपायुक्त पंकज ने स्वास्थ्य सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में सभी को जागरूक होकर कोरोना से बचना है। निर्धारित नियमों का पूर्णतया पालन करें और फेस मास्क पहनें और समय-समय पर हाथ धोते हुए सुरक्षित रहें अथवा हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे से कम से कम एक मीटर की व्यक्तिगत दूरी बनाए रखें और कार्यालय या खरीददारी आदि से घर लौटने पर स्नान करें। बाहर जाने के लिए एक जैकेट या एक स्वेट-शर्ट रखें, जिसे आप कार्यालय या घर पहुंचने के बाद हटा सकें। नियमित रूप से हाथ धोएं, भीड़ में जाने से बचें और एक मीटर की अनिवार्य शारीरिक दूरी का पालन करें।

युवक का शव खेत में संदिग्ध हालत में मिला

सोहना। गांव किरनकी में 40 वर्षीय युवक का शव में बाजरे के खेत में संदिग्ध हालत में मिला। मृतक की पहचान लाखूवास निवासी के रुप में हो गई। जो शनिवार की शाम से लापता था। सोमवार की दोपहर निमौठ चौकी क्षेत्र के गांव किरनकी में सड़क किनारे बाजरे के खेत में युवक का शव पड़ा मिला। खेत में शव पड़ा होने की जानकारी ग्रामीणों को वहा से बदबू आने से मिली। शव से करीब 60 कदम दूरी पर मृतक की कार खड़ी हुई थी। जिसकी पहचान पुलिस ने पंजीकरण नंबर से की। मृतक की पहचान लाखूवास निवासी श्यामवीर के रुप में हो जाने पर पुलिस उसके परिजनों को मौके पर बुलाया। सदर सोहना थाना प्रभारी इंस्पेक्टर भारतेंदु कुमार ने बताया कि मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा युवक की पहचान करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया।

रहस्य : धक्का देने या दोबारा हार्ट अटैक से हुई मौत?

परिजन झगड़े से तो ग्रामीण हार्ट अटैक बता रहे मौत का कारण

अब मृत्यु के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही हो पाएगा।

कविता। फरीदाबाद

गांव नरियाला में पूर्व सब इंस्पेक्टर बृजलाल के बेटे का पड़ोसी के बेटे से झगड़ा हो गया। जिस पर वे समझाने पहुंचे तो वहां उनकी गिरने पर मौत हो गई। परिजनों ने आरोपी पक्ष पर धक्का देकर गिराने का आरोप लगाया है, लेकिन कुछ ग्रामीणों का कहना है कि मृतक पूर्व सब इंस्पेक्टर को झगड़े के कारण सदमा लगने से हार्ट अटैक हुआ है। ऐसे में अब मृतक की मृत्यु के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही हो पाएगा। परिजन और घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों के अलग अलग बयान आने से मामले में रहस्य बना हुआ है।

यह है पूरा मामला

नरियाला गांव निवासी कौशल किशोर ने बताया कि उसके पिता बृजलाल एक महीने पहले ही गुरुग्राम से सब इंस्पेक्टर की पोस्ट से रिटायर हुए थे। जिसके कारण वह घर पर ही रहते थे। सोमवार को वह घर के अंदर मौजूद थे। तभी पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसके साथ गाली गलौज की। झगड़े को सुलझाने के लिए उसके पिता बृजलाल मौके पर पहुंचे तो आरोपी पक्ष की तरफ से उन्हें धक्का दिया गया। जिससे उनकी गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपी दबंग किस्म के लोग है।

ग्रामीणों का कथन

ग्रामीणों का कहना है कि दो युवकों के बीच हुआ झगड़ा बढ़ गया था। जिसे सुलझाने के लिए, बृजलाल मौके पर गए थे लेकिन पहले से ही बृजलाल हार्ट के मरीज थे। उन्हें सदमा बर्दाश्त नहीं होता था। करीब 20 दिन पहले ही उन्हें किसी बात को लेकर हार्ट अटैक हुआ था। ऐसे में झगड़े के दौरान उनकी मौत धक्का लगने से हुई है या फिर सदमें से आए हार्ट अटैक से यह कुछ नहीं कहा जा सकता। लोगों का कहना है कि धक्का मारते हुए किसी ने नहीं देखा, हां गिरने से मौत जरूर हुई है।

पोस्टमार्टम से होगा खुलासा

मृतक पूर्व सब इंस्पेक्टर के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा दिया। अब पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने पर ही मामले का खुलासा होगा कि मौत का मुख्य कारण क्या है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत पर धक्का देने से मौत के आरोप में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

कोरोना का कहर : 1 मौत, 153 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 10280

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

यह है आंकड़ा

जांच को भेजे सैम्पल	93258
रिपोर्ट आई नेगेटिव	82406
शेष रिपोर्ट आनी है बाँकी	572
पॉजिटिव पाए गए सैम्पल	10280
अब तक कोरोना को मात दी	9259
अब तक जिले में मौते	141
क्रिटिकल हालत में भर्ती	35
आईसीयू में भर्ती	12

जिले में जहां एक तरफ सैकड़ों की संख्या में मरीज कोरोना को मात दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ तेजी से कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़ रहा है। सोमवार को जिले में कोरोना पॉजिटिव एक मरीज की मौत हो गई तो 153 नए मामले सामने आए। जिससे कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या का आंकड़ा 10280 पर पहुंच गया। वहीं सोमवार को 104 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे ठीक होने वालों की संख्या का आंकड़ा 9259 पर पहुंच गया। वहीं जिले में कोरोना का रिकवरी रेट जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 90.6 प्रतिशत बताया जा रहा है।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में सोमवार को बल्लभगढ़ निवासी एक 75 वर्षीय पॉजिटिव मरीज ने दम तोड़ दिया। मरीज कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त बताया जा रहा है। जिले में अब तक 141 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत हो चुकी है।

वहीं 153 पॉजिटिव में ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कालोनी, एसी नगर, खेड़ी कला, एसजीएम नगर, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, आदर्श नगर, सेक्टर-16, सेक्टर-23, सेक्टर-19, सेक्टर-तीन, सेक्टर-15 और पन्हेड़ा खुर्द के मरीज शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

तीन थीमों पर होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

फरीदाबाद। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बैलीना ने खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायतों तथा स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस समारोह तीन थीमों पर होगा। इस बार का विद्यालय स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह मे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्कूल शिक्षा का सलाम एवं राष्ट्र व कोरोना वारियर/सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखकर कार्यक्रम आयोजित होगा। आयोजकों और आगंतुकों को मिलाकर 50 से ज्यादा संख्या ना हो। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण दायित्व निजी तौर पर ग्राम पंचायत तथा स्कूल मुखिया का होगा।

ब्रिगेड ने अंगदान के महत्व से कराया अवगत

फरीदाबाद। एनआईटी-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, गाइडस तथा जूनियर रेडक्रॉस ने युवा सप्ताह के अंतर्गत प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा के निर्देशानुसार अंगदान के महत्व से अवगत करवाया। प्राचार्य तथा जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि भारतीय कानून के अनुसार अंगों का दान कानूनी है। भारत सरकार द्वारा अधिनियमित मानव अंगों के अधिनियम 1994 के अनुसार प्रत्यारोपण, अंग दान की अनुमति देता है और मस्तिष्क की मृत्यु को अवधारणा को वैध करार देता है। अंग दान समाज के लिए एक चमत्कार साबित हुआ है। प्रत्यारोपण के उद्देश्य के लिए गुर्दे, यकृत, हृदय, आंख, लिवर, छोटी आंत, हड्डियों के टिश्यू, त्वचा के टिश्यू और नसों जैसे अंग दान किए जाते हैं। अंग दान करने वाला व्यक्ति इस महान कार्य के माध्यम से अंग प्राप्तकर्ता को एक नया जीवन देता है। अंग दान की प्रक्रिया को दुनिया भर में प्रोत्साहित किया जाता है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा, प्राध्यापिका जसनीत कौर, कविता, प्रेमदेव यादव, संजय मिश्रा तथा अमृत कौर ने छात्राओं कोमल, रोशनी और काजल द्वारा बनाए गए अंगदान पोस्टर की प्रशंसा की और सभी को जागरूक होने के लिए प्रेरित किया।

50 परिवारों को सूखा राशन किया वितरित

फरीदाबाद। वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौर में गरीब एवं जरूरतमंदों की मदद करते हुए जिला रेडक्रास सोसायटी ने लायंस क्लब सूर्या फरीदाबाद के सहयोग से सोमवार को सेक्टर 12 के खेल परिसर में 50 परिवारों को सूखा राशन वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने कहा कि जैसा कि सभी को विदित है अभी तक कोविड-19 महामारी का कोई दवा उपलब्ध नहीं हो पायी है तो ऐसे में जरूरी सावधानी व इम्युनिटी पावर को बढ़ाकर ही इस रोग से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिला रेडक्रास सोसायटी के वॉलियंटर्स जिलेभर में कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ रहे कोरोना योद्धाओं के साथ ही अन्य सभी जरूरतमंदों व गरीब लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए जी-जान से जुटे हुए हैं। इस मौके पर लायंस क्लब सूर्या फरीदाबाद के प्रधान लायन एलडी पांडे, सचिव आरपी हंस व कोषाध्यक्ष सुभाष नायक ने सभी लोगों से अपील की कि जागरूक रहकर ही कोरोना महामारी पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिना जरूरी कार्य के घरों से बाहर न निकलें और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचें, फेस मास्क का प्रयोग करें तथा दो गज की दूरी का पालन करें। खाद्य सामग्री वितरण के इस कार्य में जिला रेडक्रास सोसायटी के सहायक पुरुषोत्तम सैनी, टीबी कोर्डिनेटर मधु भाटिया, लायंस क्लब सूर्या फरीदाबाद के पैटन पीसी सेठ, सतीश आहूजा, आईसी गोयल व गुरुचरन खुराना ने पूरा सहयोग दिया।

पड़ोसियों पर लगाया बच्चे की हत्या करने का आरोप

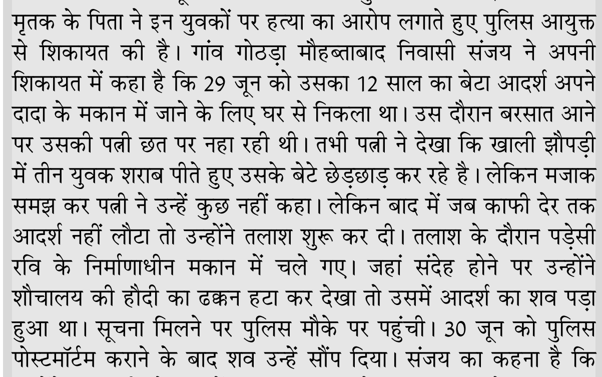

फरीदाबाद। गांव गोठड़ा मौहब्बताबाद निवासी एक 12 वर्षीय बच्चे की करीब डेढ़ महीने पहले रहस्यमय हालत में मौत हो गई थी। परिजनों को बच्चे का शव निर्माणधीन मकान में शौचालय के लिए खोदे गए गड्ढे में मिला था। घटना से पूर्व बच्चा गांव के तीन युवकों के साथ देखा गया था। मृतक के पिता ने इन युवकों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। गांव गोठड़ा मौहब्बताबाद निवासी संजय ने अपनी शिकायत में कहा है कि 29 जून को उसका 12 साल का बेटा आदर्श अपने दादा के मकान में जाने के लिए घर से निकला था। उस दौरान बरसात आने पर उसकी पत्नी छत पर खड़ी थी। तभी पत्नी ने देखा कि खाली झोपड़ी में तीन युवक शराब पीते हुए उसके बेटे छेड़छाड़ कर रहे है। लेकिन मजाक समझ कर पत्नी ने उन्हें कुछ नहीं कहा। लेकिन बाद में जब काफी देर तक आदर्श नहीं लौटा तो उन्होंने तलाश शुरू कर दी। तलाश के दौरान पड़ेसी रवि के निर्माणधीन मकान में चले गए। जहां संदेह होने पर उन्होंने शौचालय की हौदी का ढक्कन हटा कर देखा तो उसमें आदर्श का शव पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। 30 जून को पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव उन्हें सौंप दिया। संजय का कहना है कि उन्होंने शराब पी रहे युवकों पर हत्या का आरोप लगाया था। लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से मामला दर्ज करवाने की मांग की है।

डॉक्टर दंपति से नकदी छीनने वाला पकड़ा

फरीदाबाद। राजपुर कलां गांव में डॉक्टर दंपति व उसके परिवार के साथ मारपीट कर नकदी और सोने की चेन छीनने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी को एक संदिग्ध घूमते हुए पकड़ा था। पुछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने डॉक्टर दम्पति पर हमला कर वहां से लूटपाट की घटना को कबूल किया है। जानकारी के मुताबिक करीब 6-7 महीने पहले संदीप निवासी राजपुर कलां का किसी से झगड़ा हो गया था। झगड़े में लगी चोटों का इलाज कराने लिए वह डॉक्टर राजबीर सिंह के क्लीनिक पर गया था। राजबीर ने इलाज करने के बाद पैसे मांगे तो इस बात को लेकर मारपीट हो गई थी। उस समय गांव के मौजूद व्यक्तियों ने इनका राजीनामा करा दिया था। आरोप है कि संदीप तभी से उससे रंजिश रखता था। आरोप है कि 28-29 जुलाई की रात्रि को संदीप व जतिन 3-4 अन्य व्यक्तियों के साथ उसके मकान के दरवाजे को धक्का देकर कुंदी को तोड़कर अंदर आ गए।

डीएवी में हुई राष्ट्रीय वेबिनार में हुआ गहन मंथन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आधुनिक समय में पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण को लेकर सरकार निरंतर नए-नए प्रयास करने में संलग्न है। सरकार द्वारा किए गए इन्हीं प्रयासों में से एक है इआए (एनवायरमेंटल इंपैक्ट एसेसमेंट) 1984 में बने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के साथ-साथ 1994 में नोटिफिकेशन जारी किया गया, जोकि एक ऐसा दस्तावेज है, जिसके माध्यम से किसी भी निर्माण अथवा विकास कार्य से पूर्व पर्यावरनिये सुरक्षा से जुड़े मानदंडों पर खरा उतरने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। कोविड 19 के दौर में पर्यावरण की धारणीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण मंत्रालय द्वारा इआए 2020 के रूप में एक संशोधित दस्तावेज जारी किया गया है। जिसमें वर्तमान काल में पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का निदान करने के लिए कई नीतियों एवं योजनाएं बनाई गई है। इस विषय को लेकर डीएवी शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद में राष्ट्रीय स्तर की परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में परिचर्चा करने के लिए बतौर पैनलिस्ट 'यमुना जिए' अभियान के संयोजक सेवानिवृत आईएफएस मनोज मिश्रा, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के फैकेल्टी डॉ. सुमित डूकिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय पटना, बिहार के पर्यावरण विज्ञान विभाग के फैकल्टी डॉ. प्रशांत झा, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यूके) की एलुमिनी और वन्य जीव संरक्षिका प्रेरणा सिंह बिंद्रा, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यूके की एलुमिनी और लेखिका वैशाली रावत और इमू रीजनल सेंटर दिल्ली की डायरेक्टर डॉ रीटा चौहान उपस्थित रहे।

रुके विकास कार्यों को जल्द शुरू कराएं निगम : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने फरीदाबाद स्थित अपने कार्यालय पर नगर निगम के बल्लभगढ़ जॉन के नगर निगम अधिकारियों की मीटिंग बुलाई। जिसमें शहर के सबसे मुख्य पीने के पानी के मुद्दे से लेकर, साफ सफाई व्यवस्था तक की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए हैं। मीटिंग में कैबिनेट मंत्री ने शहर में रुके हुए विकास कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के आदेश दिए हैं। मंत्री शर्मा ने नगर निगम एक्सईएन और एसडीओ के अलावा सभी जेई स्तर के अधिकारियों को शहर में पीने के पानी की व्यवस्था को दुरुस्त करने संबंधी विषय को लेकर बात की। वहीं शहर में सीवर वह साफ सफाई व्यवस्था को भी ठीक करने संबंधी दिशा निर्देश जेई व सफाई निरीक्षक को दिए गए हैं। कैबिनेट मंत्री ने एक्शन रवि शर्मा को जल्द से जल्द मिर्जापुर में लगाए जा रहे पानी टयूबवेलों का कनेक्शन जोड़ कर शहर में सप्लाई शुरू करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि यदि मिर्जापुर में लागये गए पानी के ट्यूबेलों की सप्लाई बूस्टर तक जाएगी, तो बल्लभगढ़ विधानसभा ही नहीं बल्कि एनआईटी विधानसभा तक के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। यही नहीं नगर निगम के सभी निगम के जेई को भी उन्होंने दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि शहर में सीवरेज की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। ताकि बारिश में शहर में पानी जमा न हो। उन्होंने बताया कि जगह-जगह सीवर के ढक्कन टूट जाते हैं। जिसकी वजह से हादसा होने का डर हो सकता है, इन सभी बातों का ध्यान रखना अति आवश्यक है। शहर में गंदे पानी की शिकायत आती है तो उसे तुरंत हल करें।

सीपी ने किया एंटी बुलिंग कैम्पेन लॉन्च

अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर भी सक्रिय रहेगी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने बुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक को लॉन्च किया है। पुलिस कमिश्नर ने एंटी बुलिंग कैम्पेन की ब्रांड एंबेसडर फरीदाबाद निवासी श्रुति और जीवन को बनाया है। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद पुलिस के इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पेज का अनावरण कर पुलिस के दबंगई-रोधी अभियान 'एंटी-बुलिंग कैम्पेन' की शुरुआत की थी। इसका मकसद हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाली समाज विरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य घर, पड़ोस, स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थल पर दबंगई की समस्या को चिह्नित करना और इस खतरे का मुकाबला करने के लिए लक्षित कार्यक्रमों को लागू करना है।

क्या है बुलिंग

बुलिंग वास्तव में एक ऐसी क्रिया है, जिसमें सामने वाले को प्रताड़ित किया जाता है। उसे धमकी दी जाती है या फिर डराया जाता है। जो बच्चे बुलिंग का शिकार होते हैं, उनका स्कूल का काम और सेहत बुरी तरह से प्रभावित होने लगती है। कक्षा में ध्यान नहीं दे पाना, आत्मविश्वास की कमी, तनाव, अवसाद जैसी समस्याएं उनमें पैदा हो जाती हैं। फिजिकल बुलिंग- इसमें लात-घूंसे मारना, हाथा-पाई करना, धक्का देना या किसी भी तरह से चोट पहुंचाना शामिल है। वर्बल बुलिंग वह है जिसमें दूसरों के सामने नाम बिगाड़ना, चिढ़ाना, आत्म विश्वास और आत्म सम्मान को चोट पहुंचाने वाली बातें कहना। सोशल बुलिंग वह है जिसमें दूसरों को यह कहना कि इससे दोस्ती मत करों, यह अच्छा नहीं। इससे बुलिंग का शिकार बच्चा अकेलापन महसूस करता है। साइबर बुलिंग वह है जिसमें मोबाइल, ई-मेल्स, चैट रूम्स या सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिए परेशान करने वाले मैसेज भेजना।

करेगा बचाव

यह अभियान विशेष रूप से किशोरों को लक्षित रहेगा, जोकि इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है। डराने-धमकाने की प्रवृत्ति (बुलिंग) पीड़ित व्यक्ति के आत्मविश्वास को नष्ट कर देती है। उनके व्यक्तित्व विकास को बाधित करती है, उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता को प्रभावित करती है और उन्हें अवसाद और अन्य बीमारियों की तरफ धकेलती है।

अवैध कालोनियों में की तोड़फोड़

फरीदाबाद। टाउन एवं कंट्री प्लानिंग विभाग की तरफ से अवैध कालोनियों में लगातार तोड़फोड़ की जारी है। सोमवार को जिला नगर योजनाकार, ईन्फोर्समेन्ट, फरीदाबाद की टीम द्वारा गांव नेकपुर की राजस्व सम्पदा में 2 अवैध कालोनियां जोकि लगभग 12 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही थीं। इसमें जिला प्रशासन की मदद से तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान अवैध कालोनियों में बनाये गये रोड़ नेटवर्क के अलावा 10 रिहायशी निर्माण, 1 डीलर ऑफिस व 50 डीपीसी/बाउंड्रीवाल में तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। नरेश कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा आजकल भू-माफियाओं के खिलाफ एक अभियान चलाया हुआ है। जिससे सामान्य जनता में एक संदेश जा रहा है कि अवैध कालोनियों में प्लॉट खरीदना कितना नुकसानदायक साबित हो सकता है। विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाकर शहर में पनप रहीं अवैध कालोनियों व निर्माणों को शुरूआती दौर में ध्वस्त किया जा रहा है।

कहीं आज तो कहीं कल मनाई जाएगी जन्माष्टमी

श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे जन्माष्टमी पर मंदिरों के द्वार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देशभर में इस बार जन्माष्टमी का पर्व दो दिन पड़ने से श्रद्धालुओं में चिंता छाई हुई है। लेकिन शहर के मंदिरों में इस बार भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व 12 अगस्त को मनाया जाएगा। लेकिन इस बार कोरोना के कारण न तो मंदिरों से झाकियां बनेगी और न ही मंदिरों के द्वार खुलेंगे।

इस बारे में जानकारी देते हुए शहर के मंदिरों के पुजारियों ने बताया कि इस बार कोरोना महामारी के चलते जहां मार्च माह से मंदिरों के द्वार बंद है। वहीं जन्माष्टमी के अवसर पर भी मंदिर बंद रहेंगे। हालांकि बंद मंदिरों पर आकर्षक विद्युत व पुष्प सज्जा तो होगी। लेकिन उत्सव नहीं मनाया जाएगा। केवल मंदिर कमेटी के सदस्य और पुजारी द्वारा की पूजा-अर्चना की जाएगी। मध्य रात्रि में जन्मोत्सव आरती कर भगवान को माखन, मिश्री, मेवा मक्खन, पंजीरी आदि का भोग लगाया जाएगा। इस दौरान कुछ मंदिरों में पूजा को फेसबुक पर लाइव दिखाया जाएगा। तिकोना पार्क स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर, सिद्धपीठ श्री महाकाली मंदिर, सेक्टर-37 एस्कॉन मंदिर, एनएच-5 श्री बांके बिहारी मंदिर, एनएच-1 स्थित गीता मंदिर में तैयारियां शुरू कर दी गई है।

अब साईकिल पर गश्त करेंगे बीट कांस्टेबल: सीपी

पुलिस आयुक्त ने फरीदाबाद जिले में रिवाइज किया बीट सिस्टम

हर बीट में दो पुलिस कर्मचारी तैनात होंगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने अपराधों पर अंकुश लगाने को लिए एक बैठक ली। जिसमें उन्होंने राजेश दुग्गल डीसीपी मुख्यालय, डॉ. अर्पित जैन डीसीपी एनआईटी, मकसूद अहमद डीसीपी बल्लभगढ़, मुकेश मल्होत्रा डीसीपी सेंट्रल, एसीपी हेड क्वार्टर आदर्शदीप सिंह, एसीपी क्राइम अगेंस्ट वूमन धारणा यादव को अंकुश लगाने के लिए कई दिशा निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जिले में लागू बीट सिस्टम को दोबारा से रिवाइज कर दुरुस्त किया जाएगा। प्रत्येक बीट एरिया में दो पुलिस कर्मचारी तैनात किए जाएगें। जिनका सुपरविजन थाना प्रभारी करेंगे।

बीट डीएसपी और एसीपी : संबंधित एरिया के डीएसपी और एसीपी भी बीट एरिया में जाकर बीट में रहने वाले लोगों से बातचीत करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। इसके साथ ही समय-समय पर पुलिस कमिश्नर स्वयं जाकर बीट में रहने वाले लोगों से रूबरू होंगे। बीट में तैनात पुलिस कर्मचारियों को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। जिनके पास उसके एरिया में आने वाले प्रत्येक घर का ब्योरा होगा। पुलिसकर्मी के पास उसकी बीट में रहने वाले प्रत्येक परिवार के मुखिया का मोबाइल नम्बर होगा। बीट में तैनात पुलिस कर्मचारी व्हटसेप ग्रुप के द्वारा सभी परिवारों से जुडें रहेंगें और उसको पता होगा की उनके बीट एरिया में अपराधिक किस्म के कौन लोग हैं। उनके एरिया में आपराधिक गतिविधियां जैसे गांजा, अवैध शराब, गैंबलिंग आदि कहां कहां होती है इसकी जानकारी रहेगी। जिससे उन पर शिकंजा कसने में आसानी रहेगी। पुलिसकर्मी व्हटसेप के जरिये लोगों से संपर्क में रहेंगें।

ऑनलाइन के प्रति जागरूक

बीट पुलिसकर्मी अपने एरिया में रह रहे लोगो को पुलिस की ऑनलाइन सर्विस के बारे में बताएगा। जैसे कि पुलिस वैरिफिकेशन, ऑनलाइन शिकायत, मिसिंग प्रोप्रटी की शिकायत इत्यादि। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि बीट सिस्टम से पुलिस को उनके एरिया में रह रहे अच्छे-बुरे लोगो का पता चलेगा। अपराधी किस्म के व्यक्ति की पहचान हो पाएगी। उन्होने कहा कि बीट सिस्टम से अपराध पर अंकुश लग सकेगा।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ इंटक की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलविन्द्र मेहता के नेतृत्व में इंटक, एनसीडब्ल्यूसी सहित मजदूर संगठनों की बैठक युवा नेता गौरव चौधरी के सेक्टर-9 स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई।

बैठक में कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारियों समेत अनेक युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता स्व. विकास चौधरी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा एवं पुलिस प्रशासन से विकास हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इस अवसर पर कुलविन्द्र मेहता ने नेशनल कांग्रेस वर्किंग कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा भी की जिसमें अशोक कौर को जिला अध्यक्ष, जयपाल चंदीला प्रदेश महासचिव, अनिल कुमार, नवीन कुमार, अतर सिंह एवं जगदीश कुमार को जिला महासचिव, रामबीर एवं जितेन्द्र कुमार को जिला सचिव, देवराज ब्लॉक अध्यक्ष शहरी फरीदाबाद, अजय ब्लॉक महासचिव ओल्ड फरीदाबाद नियुक्त किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए युवा नेता गौरव चौधरी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर गरीबों एवं मजदूरों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लॉकडाउन की आड़ में प्रदेश सरकार विभागों को समेटने का काम कर रही है। प्रदेश सरकार कई विभागों को निजी हाथों में सौंपकर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाना चाहती है, जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोझीकोड विमान दुर्घटना

समुचित सबक सीखना जरूरी

दुबई से कोझीकोड वंदे भारत मिशन के अंतर्गत आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान 1344 के मलबे की जांच करने वाले जांचकर्ताओं को कुछ साल पहले शायद ऐसे ही दृश्य का सामना करना पड़ा होगा। कोजीकोड के उत्तर में स्थित मंगलौर हवाईअड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस बोइंग 737-800 विमान रनवे के आगे निकल गया था। हालांकि, उस दुर्घटना में बहुत कम लोग बचे थे, लेकिन वर्तमान दुर्घटना में हताहतों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। संभवत: इसका कारण पायलट द्वारा आग लगने से बचाने के लिए इंजन बंद करना है। जांचकर्ताओं के पास मौसम रिकार्ड, राडार के रिकार्ड तथा विमान का अपना काकपिट वायस रिकार्डर और फ्लाइट रिकार्डर होगा। कोजीकोड व मंगलौर हवाईअड्डे पश्चिमी घाट पहाड़ियों में बनाए गए हैं और इन 'टेबल टाप' हवाईअड्डों के अपने खतरे हैं। भारत में मानसून के समय रनवे गीले होते हैं और तब रनवे से 'फिसल जाने' के खतरे बढ़ जाते हैं। हालांकि, कोजीकोड हवाईअड्डे का रनवे 9,000 फीट लंबा है जो बोइंग 737 के लिए काफी है, पर रनवे गीला होने व तेज हवा के कारण खतरा बढ़ गया था। पहाड़ी मैदान पर रनवे के अंत में कोई मैदान नहीं था जहां विमान रुक सकता। नागरिक उड्डयन विशेषज्ञों ने हवाईअड्डे पर खतरों के बारे में लगभग 9 साल पहले ही बता दिया था। 17 जून, 2011 को तत्कालीन नागरिक उड्डयन महानिदेशक कैप्टेन मोहन रंगनाथन द्वारा भेजे पत्र में लिखा गया था, 'रनवे 10 पर उतरने वाले विमान को तेज हवा की स्थिति में ज्यादा रबर जमा होने की स्थिति में ब्रेक लगाने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में उड़ानों से यात्रियों का जीवन संकट में पड़ सकता है।' लेकिन कोई दुर्घटना न होने के कारण रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। सरकार अब भी कह रही है कि निकट अतीत में यहां सैकड़ों उड़ाने सुरक्षित उतरी हैं। शायद यहां भूमि को समुचित रूप से पुन: व्यवस्थित करने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

भारत में 6 टेबल टाप रनवे हैं जहां विमानों की लैंडिंग बहुत कठिन व जोखिम भरी होती है क्योंकि रनवे पर कोई अतिरिक्त स्पेस नहीं होता है। चूंकि विमानों, यात्रियों व चालकों की सुरक्षा के अनेक मुद्दे होते हैं, अनेक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें तथा एयरबस 330 व बोइंग 777 इन हवाईअड्डों पर नहीं उतरती हैं। 2018 में चौड़े विमानों को उतारने के लिए कोजीकोड के रनवे और सुरक्षा क्षेत्र का विस्तार किया गया था। हालांकि, यह संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन आवश्यकतायें पूरी करता है, पर एजेंसी कोजीकोड हवाईअड्डे की तुलना में 150 मीटर अधिक अतिरिक्त क्षेत्र की संस्तुति करती है। कुछ खबरों में रूटीन जांच में भी लापरवाही की ओर संकेत किया गया है। शायद हवाईअड्डे पर कोई घर्षण परीक्षण नहीं किया गया था, जबकि यह रनवे व टैक्सीवे के लिए जरूरी है। यह बात खासकर बरसात से प्रभावित होने वाले स्थानों के बारे में ज्यादा सही है। भारत में पिछले दशक में विमान उड़ाना इस तथ्य के बावजूद अविश्वसनीय रूप से सुरक्षित रहा है कि सैकड़ों नए विमान तथा पहली बार उड़ान भरने वाले लाखों लोग इस दौरान सामने आए। लेकिन अत्यधिक सुरक्षित होने के बावजूद हवाई यात्रा कुछ गड़बड़ होने पर हमें तगड़ा धक्का देती है। उम्मीद है कि इस दुर्घटना की गंभीरता से जांच कर पाई गई गलतियों में सुधार किया जाएगा, भले ही इसका अर्थ भारत के कुछ हवाईअड्डों को बंद करना या वहां से बड़े विमानों की उड़ान पर रोक लगाना हो। रंगनाथन ने पटना व जम्मू हवाईअड्डों पर दुर्घटनाओं की अधिक संभावनायें जताते हुए इनके फौरन उच्चीकरण का सुझाव दिया था। उड्डयन भारत जैसे विशाल देश में आवागमन का अत्यधिक महत्वपूर्ण साधन है जहां लाखों लोग विदेशों में रहते हैं। इस उद्योग की सुरक्षा और संरक्षा न केवल अत्यधिक महत्वपूर्ण, बल्कि देश के लिए रणनीतिक आवश्यकता भी है।

नई शिक्षा नीति के मूल में है भारतीयता

नई शिक्षा नीति में छठी कक्षा से ही कम्प्यूटर शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान होने के साथ-साथ समीप में ही इंटरर्नशिप की भी योजना है, जो बेरोजगारी दूर करने में प्रभावी सिद्ध होगी।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह
(लेखक राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति हैं)

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारत एवं भारतीयता को केन्द्र में रखकर तैयार की गयी, नई शिक्षा नीति इक्कीसवीं शताब्दी के भारत की आवश्कता एवं अपेक्षा के अनुरूप एक विशिष्ट अभिलेख है, जिसे व्यावहारिक आयाम देकर भारत दुनिया में ज्ञान शक्ति का नेतृत्व करने वाला अग्रणी देश होगा। सभी विश्वविद्यालयों के अध्ययन बोर्ड, विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् से यह अपेक्षित है कि नई शिक्षा नीति के विविध पक्षों पर विचार करते हुए अपने पाठ्यक्रम में समाहित करें एवं शोध तथा अध्ययन की विधा में इसे क्रियान्वित करें। केन्द्र की सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा के बाद शैक्षिक परिसरों एवं शिक्षाविद्ों की जिम्मेदारी एवं जबावदेही बढ़ गयी है। नई शिक्षा नीति राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की दिशा में आदर्श व्यक्तियों का संच खड़ा करने में सक्षम एवं दक्षसिद्ध होगी, जो आज के वैश्विक परिवेश में समय की अपरिहार्य आवश्यकता है।

प्रश्न यह उठता है कि नई शिक्षा नीति में नया क्या है? इसका उत्तर पाने के लिए हमें पूर्व की शिक्षा नीतियों क्रमश: 1968 की कोठारी कमीशन एवं राजीव गांधी के नेतृत्व में 1986 की शिक्षा नीति का अवलोकन करना होगा। कोठारी कमीशन मुख्यत: ग्रेट-ब्रिटेन, यूएसएसआर तथा यूनेस्को के विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार की गई, जिसमें 'सर्व शिक्षा' पर जोर दिया गया। परन्तु उसकी संस्तुतियां भारतीय गर्भनाल से कटी हुई थी एवं शिक्षा के प्रति उसमें एक समग्र दृष्टि का अभाव था। 1986 की शिक्षा नीति छद्म धर्मनिरपेक्षता एवं समाजवाद पर आधारित रही जिसमें भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों को समाप्त कर दिया। इसका असर यह हुआ कि शिक्षा में राष्ट्रीय सोच का क्षरण होना प्रारम्भ हो गया। समाजहित और राष्ट्रहित में सोचने वाले आम नागरिक से लेकर छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा राष्ट्रवाद की दृष्टि को लेकर एक शैक्षिक पुनर्रचना की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही। 2014 के राष्ट्रीय चुनाव में नई शिक्षा नीति एक वैचारिक मुद्दा बनी तथा 2015 में सतत विकास के लक्ष्यों को अपनाये जाने के बाद लक्ष्य-4 के 'तहत समग्र एवं समान शिक्षा तथा आजीवन सीखने के अवसर' उपलब्ध कराने हेतु भारत की प्रचलित शिक्षा पद्धति को नये कलेवर में ढालने की आवश्यकता महसूस हुई। वस्तुत: नई शिक्षा नीति शिक्षा की समकालीन 5 चुनौतियों क्रमश: सर्व क्षेत्र अभिगम्यता, समानता, गुणवत्ता, आर्थिक वहनीयता एवं उत्तरदायित्व से निपटने का एक सार्थक एवं सशक्त प्रयास है।

1968 एवं 1986 की शिक्षा नीतियों में शिक्षा को राष्ट्रीय विकास का उपागम मानते हुये नये परिवेश एवं परिस्थिति में एक समग्र एवं दूरगामी शैक्षिक दृष्टि का अभाव झलकता है, जिसकी पूर्ति नई शिक्षा पद्धति से हो जाती है। नई शिक्षा नीति में एक ऐसे शैक्षिक तंत्रा के निर्माण की परिकल्पना है जिसकी जड़े भारत एवं भारतीयता के नैतिक मूल्यों में हो तथा वैज्ञानिकता पूर्ण सोच के समावेश के चलते भारत को वैश्विक धरातल पर एक 'सुपर नालेज पॉवर' के रूप में समर्थ बना सके। नई शिक्षा नीति के कार्यक्रम चौथी औद्योगिक क्रान्ति के सम्भावित परिणामों के अनुरूप युवाओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशा बोध कराने एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को कार्यरूप देने में सक्षम सिद्ध होगी। उक्त सक्षमता को सिद्ध करने के लिये नई शिक्षा नीति में उल्लेखित किंचित तथ्यों एवं विशिष्टताओं को यहां उल्लेखित करना आवश्यक है। नई शिक्षा नीति की प्रथम विशिष्टता मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्थान पर 'शिक्षा मंत्रालय' की स्थापना में झलकती है।

मानव संसाधन शब्द की चर्चा में अन्य प्राकृतिक संसाधनों यथा, खनिज, मिट्टी आदि की तरह एक वस्तु का बोध होता है जो शिक्षा की मौलिकता पर एक प्रहार है। शिक्षा केवल मानव संसाधन विकास का माध्यम नहीं अपितु व्यक्ति की अर्न्तनिहित क्षमता एवं दक्षता के प्रस्फुटन, विकास एवं विस्तार का पर्याय है। जो भाव शिक्षा मंत्रालय कहने में है, वह भाव मानव संसाधन मंत्रालय कहने से तिरोहित हो जाता है। नई शिक्षा नीति की दूसरी उत्कृष्टता मातृभाषा या आंचलिक भाषा के माध्यम से बच्चों को शिक्षित करने की सोच में झलकती है। ज्ञातव्य है कि शिशु इस संसार में आने के बाद अपनी मां से स्वभाविक रूप में जिस भाषा में संवाद करता है, वह भाषा अधिगम्य के लिए सबसे सशक्त माध्यम है। गुणवत्ता एवं आधुनिकता तथा व्यावसायिकता के नाम पर किसी अन्य भाषा के माध्यम से अधिगम की अनिवार्यता स्वभाविक अधिगम को कुंठित करती है एवं इससे अधिगम पर एक तरफ भाषा तो दूसरी ओर विषय की जटिलता का दोहरा दबाव पड़ता है। ऐसी परिस्थिति में बच्चे की सीखने की क्षमता प्रभावित होती है और वह परीक्षा एवं परिणाम के दबाव में तथ्यों के तोता रटन्त उपागम पर ध्यान केन्द्रित करता है। अधिगम में इस तरह की कृत्रिमता बच्चों के स्वभाविक एवं सहज विकास में अवरोध है।

इस नई शिक्षा पद्धति में मातृभाषा एवं आंचलिक भाषा को स्वभाविक अधिगम का माध्यम बनाकर अनुभव एवं प्रयोगों के साथ शिक्षा देने पर जोर है। देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के मद्देनजर जनांककीय लाभांश प्राप्त करने की दृष्टि से सभी को रोजगार लायक बनाना नई शिक्षा नीति की तीसरी विशिष्टता है। उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति में छठीं कक्षा से ही कम्प्यूटर शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान होने के साथ-साथ समीप में ही इंटरर्नशिप की भी योजना है, जो बेरोजगारी दूर करने में प्रभावी सिद्ध होगी। आठवीं पास करते-करते छात्र अपनी रुचि एवं प्रकृति के अनुसार कौशल विकास करते हुये स्व-रोजगार की दिशा में अपने को स्थापित करने में सक्षम होगा।

नई शिक्षा नीति की चौथी विशिष्टता उसका अंतरविषयक उपागम है। अभी तक माध्यमिक स्तर पर कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं कृषि जैसी विभिन्न शाखाओं में छात्रा अपनी अभिरुचि के अनुसार अपनी दिशा निर्धारित करता था। इन शाखाओं के चयन में अन्तरविषयक उपागम का सर्वथा अभाव ही नहीं अपितु प्रतिबन्धित था। परिणामत: विज्ञान का छात्रा विज्ञान शाखा का विद्यार्थी रहते हुये संगीत में रूचि होने के बावजूद भी संगीत विषय का चयन नहीं कर सकता था। अब नई शिक्षा नीति ने विभिन्न विषयों के बीच प्रतिबंधित दीवार को समाप्त कर दिया है। अब कोई भी छात्रा किसी भी शाखा में अध्ययन करते हुये अपनी रूचि एवं प्रकृति के अनुसार पसंदीदा विषय का चयन कर सकता है। इस प्रकार नई शिक्षा नीति में हर बच्चे के अन्दर अन्तर्रनिहित प्रतिभा को प्रस्फुटित करने का अवसर दिया है। नई शिक्षा नीति की पांचवी विशिष्टता स्थानीय एवं आचंलिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन है।

उल्लेखनीय है कि प्रकृति ने जैसे हर व्यक्ति को अलग-अलग गुण दिया है, वैसे ही हर क्षेत्र को पृथक-पृथक संसाधन दिया है। अत: स्थानिक एवं आंचलिक संसाधनता एवं आवश्यकता को देखते हुए पाठ्यक्रम की रचना स्थानिक विविधता एवं आंचलिक जनाकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं को पूर्ण करने में कारगर सिद्ध होगी। क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था नई शिक्षा नीति की छठीं अनूठी विशिष्टता है, जिसके तहत 5334 में, यदि अंतिम चार वर्षों में किन्हीं कारणों से कोई छात्रा चार वर्ष की पढ़ाई पूरा नहीं कर पाता तो भी वह खाली हाथ नहीं रहेगा व उसका परिश्रम बेकार नहीं जायेगा। एक साल पूरा करने पर सर्टिफिकेट, दो साल पूरा करने पर डिप्लोमा एवं तीन साल पढ़ाई पूरा करने पर उसे स्नातक डिग्री मिलेगी। इसी तरह चार साल पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उसे शोध करने के भी अवसर मिलेंगे। स्नातकोत्तर कक्षायें पूर्ववत चलती रहेंगी। उच्च शिक्षा को संचालित करने वाली विभिन्न नियामक संस्थाओं यथा- यूजीसी, एनसीटीई, एआईसीटीई, एनएएसी प्राय: तालमेल के अभाव में सार्थक परिणाम नहीं ला पा रही थी, अत: नई शिक्षा नीति में उक्त सभी संस्थाओं को नेशनल हायर एजूकेशन रेग्यूलेट्री कौंसिल में एकीकृत करना नई शिक्षा नीति सातवीं विशिष्टता है। इस नेशनल हायर एजूकेशन रेग्यूलेट्री काउन्सिल के कार्यरूप लेने के बाद निर्णय लेने एवं कार्यक्रमों की क्रियान्वयन में त्वरित गति आयेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि चौथी औद्योगिक क्रान्ति के मद्देनज़र कम्प्यूटर शिक्षा के अनिवार्य प्रावधान के चलते नई शिक्षा नीति इक्कीसवीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। नि:संदेह नई शिक्षा नीति उक्त विशिष्टताओं के चलते स्वागत योग्य है।

महामारी के दौर में कुत्तों की देखभाल

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के परामर्शकारी संपादक हैं)

कोविड-19 वैश्विक महामारी ने पूरी दुनिया में मानव व्यवहार को प्रभावित किया है। इससे पुरानी समस्यायें गंभीर होने के साथ ही नई समस्यायें भी पैदा हुई हैं और कभी-कभी हिंसा का कारण बनी हैं। इसका कारण बीमारी का भय तथा ज्यादा समय तक घर पर रहने के कारण पैदा ऊब है जो लंबे लाकडाउन या अपनी पसंद से है। इससे चिड़चिड़ापन व गुस्सा पैदा होता है, पुरानी दुश्मनियां बढ़ती हैं तथा नई पैदा होती हैं। इसका एक उदाहरण सड़क पर रहने वाले कुत्तों के प्रति बढ़ती घृणा है जो रामायण व महाभारत काल से ही भारत की शहरी और ग्रामीण बस्तियों का अभिन्न अंग हैं।

प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पानी या आसमान में रहने वाले जीव जन्तुओं को उपनिषदों के दर्शन, वेदों, ब्रह्मसूत्र व पुराणों के वर्णनों तथा रामायण व महाभारत जैसे ग्रंथों में महत्वपूर्ण स्थान मिला है। इनके अनेक उदाहरण हैं। महाभारत के महाप्रस्थान पर्व में एक छोटे भूरे कुत्ते का उल्लेख आता है जो इस दुनिया से दूसरी दुनिया की यात्रा के समय पांचों पांडवों और द्रोपदी के साथ चलता है। मेरु पर्वत पर चढ़ते समय चार पांडव व द्रोपदी एक एक कर अपना शरीर त्याग देते हैं। पांडवों में सबसे बड़े युधिष्ठिर और कुत्ता आगे चलते रहते हैं। अचानक इंद्र अपना विमान लेकर आते हैं और युधिष्ठिर को सशरीर स्वर्ग चलने का आमंत्रण देते हैं। वे कहते हैं कि द्रोपदी और चारों पांडव वहां पहले ही पहुंच चुके हैं, लेकिन युधिष्ठिर पूछते हैं कि क्या यह कुत्ता भी उनके साथ आ सकता है। उसी समय कुत्ता धर्म का रूप धारण कर कहता है कि यह युधिष्ठिर की अंतिम परीक्षा थी। वे कहते हैं कि यदि युधिष्ठिर ने कुत्ते को त्याग दिया होता तो वे सशरीर स्वर्ग नहीं जा सकते थे।

इस कथा का बार-बार उल्लेख हुआ है। एक अन्य घटना का वर्णन कृतिबास ओझा रचित बांग्ला सप्तकांड रामायण में मिलता है। घटना उस समय की है जब रावण को पराजित करने तथा सीताजी को वाल्मीकि के आश्रम में भेजने के बाद भगवान राम अयोध्या में दरबार कर रहे हैं और लक्ष्मण जी प्रवेशस्थान पर सुरक्षा कर रहे हैं। उसी समय लाल आंखों वाला एक सफेद कुत्ता आता है जो एक पैर से लंगड़ा रहा है तथा उसके सिर पर खून जमा है। लगता है कि किसी ने उसे चोट पहुंचाई है। कुत्ता लक्ष्मण के पैरों पर गिर पड़ता है। पूछने पर वह कहता है कि अनुमति मिलने पर वह अपनी पीड़ा केवल भगवान राम को ही बता सकता है। लक्ष्मण से पता चलने पर भगवान राम कुत्ते को आने की अनुमति देते हैं। राम के सामने आते ही कुत्ता हाथ जोड़ कर उनकी प्रशंसा में गाने लगता है। आने का कारण पूछने पर वह कहता है, 'एक संन्यासी ने मुझे मारा है, जबकि मेरी कोई गलती नहीं थी। उस चोट की पीड़ा झेलते

हुए तीन दिन भूखे रहने के बाद मैं आपके दरबार में आया हूं। आपको उस संन्यासी से पूछना चाहिए कि मेरी क्या गलती थी और उसने मुझे डंडे से क्यों मारा?' भगवान राम ने फौरन संन्यासी को लाने का आदेश किदया ताकि न्याय किया जा सके। उन्होंने पूछा कि एक संन्यासी जानवरों के प्रति क्रूर कैसे हो सकता है? भगवान राम के दूत के साथ जा कर कुत्ता संन्यासी को पहचानता है। भगवान राम उससे पूछते हैं, 'तुमने अपना धर्म छोड़ कर जानवरों से क्रूर व्यवहार क्यों किया? अधर्म करने वाले को नर्क में जाना पड़ता है। जब तुम्हारे शरीर में इतना गुस्सा भरा है तो तुम्हें मुक्ति कैसे मिलेगी? दूसरों की निन्दा व उनके प्रति घृणा घोर पाप हैं। एक क्रूर व द्वेषी संन्यासी को भयानक नर्क का दंड मिलेगा। लालच, भ्रम व इच्छा छोड़ देने वाले संत को इस दुनिया में सम्मान मिलता है। संन्यासी होने के बावजूद तुम को इतना गुस्सा कैसे आया? इस कुत्ते का क्या अपराध था जिसे तुमने डंडे से मारा?' इस पर संन्यासी ने जवाब दिया, 'मैं कस्बे में भिक्षा मांगने जाता हूं तथा बाकी सारे दिन गंगा के किनारे प्रार्थना करता हूं। भिक्षा मांगने के समय मेरा पूरा शरीर भूख से पीड़ित था। मैंने कुत्ते को पूरी सड़क पर लेटे देखा। मैंने उससे जोर से रास्ता छोड़ने को कहा, पर उसने जैसे मेरी आवाज नहीं सूनी। वह सो रहा था। उसकी एक आंख बंद थी और उसने एक आंख से मुझे देखा। इस पर मुझे गुस्सा आ गया और मैंने उसे डंडा मारा। मैंने आपको सारी बातें बताई हैं। आप निर्धारित करें कि मुझे क्या दंड मिलेगा।' भगवान राम ने दंड के बारे में दरबारियों से पूछा तो उन्होंने कहा कि संन्यासी को गंगा स्नान से प्रतिबंधित कर दिया जाए। इस पर कुत्ते ने कहा कि उसे दंड न दिया जाए तथा कालिंजर का राजा बना दिया जाए। इस पर दरबारी हंसने लगे लेकिन भगवान राम ने संन्यासी को कालिंजर का राजा बना दिया। हाथी पर सवार संन्यासी कालिंजर की ओर चला, पर जनता उस पर हंस रही थी क्योंकि वह एक लंगोटी पहने व शाही छत्र लगाए हाथी पर सवार था। दरबारियों के यह पूछने पर कि संन्यासी को दंड देने के बजाय उसे राजा बनाने का क्या उद्देश्य है, भगवान राम ने कुत्ते से इसका जवाब मांगा। उसने कहा, 'भगवान शंकर के शाप से मृत्यु राजा का भाग्य नहीं बदलेगी और उसका पुन: जन्म कुत्ते का होगा। मैं भी पूर्व जन्म में राजा था और अब कुत्ता बन कर मुझे घोर कष्टों का सामना करना पड़ा है। लेकिन आपके दर्शन से अब मेरा दु:ख दूर हो गया है।' जहां सभी लोगों ने कहा कि संन्यासी को दुनिया में बहुत सी चीजें मिली हैं, वहीं कुत्ते ने कहा, 'निसंदेह कालिंजर का राजा अगले जन्म में कुत्ता बनेगा।' इसके बाद कुत्ते ने भगवान राम को प्रणाम किया और धीरे-धीरे वाराणसी पहुंचा। वहां उसने मृत्यु तक उपवास किया तथा भगवान राम के दर्शन पाने के कारण स्वर्ग प्राप्त किया।

श्रीमद्भागवत के पांचवें स्कंद में भी भगवान राम का संदर्भ आता है कि 'क्रूर व ईर्ष्यालु संन्यासी का दंड भयानक नर्क है।' इसके अनुसार, 'भगवान ने जीवों को विभिन्न रूप दिए हैं। उनमें से कुछ मनुष्यों के हितों के विपरीत हो सकते हैं। लेकिन मनुष्यों को दो कारणों से इन प्राणियों के खिलाफ व्यवहार नहीं करना चाहिए। उनमें यह समझने की शक्ति नहीं है कि उनके कार्यों से मनुष्यों को नुकसान होता है और मनुष्य जानता है कि बदले की कार्रवाई से उनको नुकसान होगा। निम्न जीवधारियों को स्वार्थ के कारण नुकसान पहुंचाने पर मनुष्य को अंधकूप में डालने का दंड मिलता है जहां वह उन प्राणियों के हमले से शारीरिक कष्ट पाता है जिनको उसने कष्ट पहुंचाए थे। अंधकार में, बिना निद्रा के ओर बेचैनी का शिकार होकर उसका जीवन नर्क बन जाता है।' श्रीमद्भागवत के इस संदर्भ से स्पष्ट है कि अनेक मनुष्य अपने द्वारा सड़कों पर रहने वाले कुत्तों के लिए पैदा विभीषिका को समझ नहीं पाते हैं। वे कुत्तों की भावना नहीं समझ पाते हैं कि वे भोंक कर लोगों को चोरों, डकैतों, आतंकियों व विद्रोहियों से सतर्क करते हैं। इसी कारण जम्मू कश्मीर में आतंकियों तथा मध्य भारत के कुछ हिस्सों में माओवादियों ने गांव वालों से अपने क्षेत्रों में सभी कुत्ते मारने को कहा है।

वर्तमान स्थिति में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण सड़क पर रहने वाले कुत्तों का जीवन पूरी तरह बदल गया है। होटलों, ढाबों और रेस्तराओं के बंद होने से उनको भोजन मिलना बंद हो गया है। कुत्तों को अब न केवल कचरे में फेंका गया भोजन नहीं मिल पाता है, बल्कि वे इन संस्थानों के मालिकों व कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले भोजन से भी वंचित हो गए हैं। अब कुत्तों को भोजन के लिए भटकना पड़ता है जिसकी आदत छूट गई थी। क्या कुत्तों से घृणा करने वाले जानते हैं कि सड़कों पर रहने वाले अधिकांश कुत्ते बिना किसी शर्त के लोगों के प्रति प्रेम व स्वामिभक्ति का प्रदर्शन करते हैं।

आप की बात

मुंबई पर दोहरी मार

मुंबई किसको नहीं भांति, एक्टर हो या क्रिकेटर सभी के लिए मुंबई लाइफ लाइन है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी होने के नाते अत्यंत महत्व रखती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लोगों के दिलों में बस्ती तो मुंबई जहेन में। बाढ़ की मार झेलता मुंबई, न जाने खुद को कब से कोसता होगा। साल बदल गए, सरकार बदल गई लेकिन तस्वीर नहीं बदली। कोशिश हो तस्वीर बदलनी चाहिए। आज भी खुद पर मुंबई तरस खाती होगी ,ढंग का सीवेज सिस्टम नहीं है। बारिश हो जाए,तो लोग बेघर, जलजमाव की परेशानी दूर करें, या रोजी रोटी के लिए दिन रात एक करें।एक तो कोरोना की मार,ऊपर से बेरोजगार, भगवान को लोग तो कोसते होंगे, लेकिन करें क्या। बाढ़ ने लोगों की मुश्किल को दुगनी कर दिया है। सबसे ज्यादा अगर लॉक डाउन के दौरान कहीं सुसाइड हुआ तो मुंबई है। लोगों के सपने पूरा करने वाला महाराष्ट्र, जीवन को खत्म कर दे रहा। कहते हैं समय बड़ा बलवान है। उम्मीद है समय के साथ सब कुछ जल्द ही सामान्य होगा।बेहतर होगा कि अगर प्रशासन और सरकार गंभीरता से ठोस कदम उठाए। जिससे आम नागरिक के लिए बनी सरकार उनका कुछ भला कर सकें, अन्यथा उम्मीद ही कहां है।

– **अमन जायसवाल,** नई दिल्ली

सामाजिक असुरक्षा का निदान

कोविड-19 के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव समाज के मध्यम वर्ग को ही पड़ा है।जिसमें से बहुत सारे लोग मजदूरी करने को मजबूर हो गए और उनकी आय में भी कोई सुधार नहीं हुआ है। हमने देखा था कि जब कोविड-19 के रोकथाम हेतु लॉकडाउन हुआ था तो कई टीवी चैनलों पर घूमते मजदूर और पलायन करते मजदूरों से संबंधित खबरों की संख्या में बहुत उछाल था परंतु अब इनकी चिंता कहीं नहीं है। रिवर्स माइग्रेशन दशक में सबसे ज्यादा इस साल देखने को मिला है जहां पर लोग नौकरी करने अपने गांव से शहर की तरफ बढ़े परंतु द्वारा शहर से गांव की तरफ आ रहे हैं। भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता एक कल्याणकारी समाज को बनाना है। संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निर्देशक तत्व मैं यह विदित है कि हमारा लक्ष्य केवल कल्याणकारी समाज को स्थापित करना है बल्कि सस्टेनेबल विकास हेतु एक एजेंडा भी तैयार है। परंतु इसी बीच मजदूरों के पलायन से कहीं ना कहीं सामाजिक असुरक्षा का विषय भी आता है। देश की अर्थव्यवस्था में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाले असंगठित क्षेत्र में कार्य बल लगभग 90 प्रतिशत तक का है।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नैनीताल

मजदूरों की जान सस्ती है!

देश में सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान जहरीली गैस के कारण मौतें होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। झारखंड राज्य के देवघर जिले के देवीपुर गांव में 4 मजदूरों सहित मकान मालिक और उसके बेटे की सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। यह युग तकनीकी व विज्ञान का युग है। नित्य नई नई तकनीकें सामने आ रही है। जो इंसानों को हर सुख सुविधा दे रही है , लेकिन विडंबना की बात है कि सेप्टिक टैंक में मौतों का सिलसिला रोकने के लिए ऐसी कोई तकनीकी विकसित नहीं की गई जो बेशकीमती जान बचाने के लिए बेहद जरूरी है! चाहे मजदूर मरे या मकान मालिक मरता तो इंसान है। इन इंसानों की कमियां उन परिवारों के लिए कितनी खलने वाली होती है! सोचने व समझने वाली बात है। सेप्टिक टैंक से होने वाली मौतें विज्ञान / वैज्ञानिकों को चुनौती दे रहे हैं कि इन मौतों को रोकने के लिए ऐसी तकनीकी का विकास किया जाए जो चमत्कार हो, ताकि अपने अपने परिवार में महत्वपूर्ण बेशकीमती जानों को बचाया जा सके।

– **हेमा हरि उपाध्याय,** उज्जैन, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

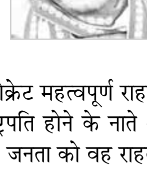

पिछले कई वर्षों से महत्वपूर्ण शैक्षिक सुधार न होने के कारण हमारा समाज कल्पना व जिज्ञासा के बजाए भीड़ मानसिकता को बढ़ावा देने लगा है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

यदि डेमोक्रेट महत्वपूर्ण राहत को बंधक बनाए रखेंगे तो मैं राष्ट्रपति होने के नाते अधिकारों का प्रयोग कर अमेरिकी जनता को वह राहत दिलाऊंगा जिसकी उसे जरूरत है।

–**डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

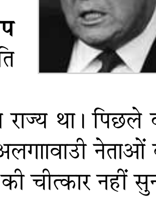

जम्मू-कश्मीर एक टूटा हुआ राज्य था। पिछले वर्ष अगस्त में राजनीतिक तथा अलगाावाडी नेताओं की गिरफ्तारी पर एक भी आत्मा की चीत्कार नहीं सुनाई दी।

– **बीवीआर सुब्रमण्यम**
मुख्य सचिव जम्मू-कश्मीर

नेपाल ने नहीं होने दिया बाढ़ परियोजनाओं का कामः योगी

पीएम की वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने सामने रखी बाढ़ की तस्वीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज पीएम नरेन्द्र मोदी के सामने राज्य में बाढ़ की ताजा तस्वीर और बचाव तथा राहत कार्यों को रखा। उन्होंने कहा कि हर साल नेपाल की सीमा पर गण्डक नदी पर बाढ़ परियोजनायें केन्द्र के वित्त पोषण से निर्मित की जाती हैं किन्तु इस वर्ष कोविड.19 के कारण नेपाल द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत बाढ़ परियोजनाओं के क्रियान्वयन की अनुमति प्रदान नहीं की गई, जिसका असर बाढ़ के रूप में देखने को मिला है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्य के 40 जिले बाढ़ से संवेदनशील हैं, जिनमें हर साल 16 लाख हेक्टेयर भूमि तथा 70 लाख आबादी प्रभावित होती है। बाढ़ के मद्देनजर 8 मुख्य नदियां घाघरा, राप्ती, गण्डक, गंगा, यमुना, गोमती, सोन तथा रामगंगा हैं तथा 4 सहायक नदियां बेतवा, केन, रोहिन, बूढ़ी गण्डक अहम हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1 जून से 8 अगस्त

तक 400.5 मिलीमीटर वर्षा हुई है जो सामान्य से 10.4 प्रतिशत कम है। सामान्य से कम वर्षा के बावजूद पूर्वांचल के 15 जनपदों मे बाढ़ का प्रभाव है। जिसका कारण नेपाल एवं उत्तराखण्ड में सामान्य से लगभग 20 प्रतिशत अधिक बारिश का होना है जिससे 4 नदियां घाघरा, राप्ती, शारदा एवं गण्डक खतरे के निशान के ऊपर चल रही हैं। सीएम ने कहा कि अम्बेडकर नगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, गोण्डा, गोखरपुर, खीरी, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, पीलीभीत, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, सिद्धार्थनगर तथा सीतापुर बाढ़ से प्रभावित हैं। नदियों में अत्यधिक जलप्रवाह के कारण आजमगढ़, मऊ तथा गोण्डा में तीन तटबन्ध क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनकी मरम्मत कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी तटबन्धों को कोविड के बावजूद वर्षाकाल के पूर्व ही मरम्मत कराकर तैयार कर लिया गया है तथा बाढ़ चैकियों, वायरलेस केन्द्रों एवं सभी संवेदनशील जनपदों में बाढ़ नियन्त्रण कक्ष की स्थापना की जा चुकी है। प्रत्येक वर्ष नेपाल राष्ट्र की सीमा पर गण्डक नदी पर बाढ़ परियोजनायें केन्द्र के वित्त पोषण से निर्मित की जाती हैं किन्तु इस वर्ष कोविड.19 के कारण नेपाल राष्ट्र के द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत बाढ़ परियोजनाओं के क्रियान्वयन की अनुमति प्रदान नहीं की गई, जिससे नेपाल राष्ट्र की भौगोलिक सीमा में स्वीकृत 11 नई परियोजनायें जिनकी कुल लागत 53.64 करोड़ रुपए है, बाढ़ पूर्व क्रियान्वित नहीं की जा सकीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रबन्धन व राहत कार्यों की समीक्षा हेतु राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा लगातार जनपदों के दौरे कर स्थलीय निरीक्षण व समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। बाढ़ मद में वर्ष 2020-21 के लिए 740 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था है। बाढ़ प्रबंधन व राहत कार्यों हेतु 51 जनपदों को 22.75 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गयी है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से यूपी सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की।

बांधों से छोड़े जाने वाले पानी पर नजर रखें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बाढ़ शरणालयों में रह रहे लोगों के बीच कोविड.19 के मद्देनजर भौतिक दूरी सुनिश्चित करने और उनकी चिकित्सकीय जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम योगी ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में विभिन्न बांधों और जलाशयों से पानी छोड़े जाने की सूचना की लगातार जानकारी रखी जाए ताकि बाढ़ की आशंका वाले जिलों में पहले से ही तैयारी सुनिश्चित की जा सके। राहत आयुक्त संजय गोयल ने सोमवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के बाढ़ शरणालयों में सारी व्यवस्था ठीक की जाए। खासकर कोविड.19 के मद्देनजर भौतिक दूरी पालन किया जाए और वहां रह रहे लोगों की चिकित्सकीय जांच कराई जाए। श्री गोयल ने बताया कि इस समय प्रदेश के 19 जिले के 582 गांव प्रभावित हैं जिनमें से 303 का संपर्क बाकी स्थानों से कट चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 300 बाढ़ शरणालयों की स्थापना की गई है। मौजूदा वक्त में तीन जिलों के 14 शरणालयों में लगभग 800 व्यक्ति रह रहे हैं। पिछले 24 घंटों में लगभग 4,300 खाद्यान्न किट प्रभावित परिवारों को बांटी गई हैं और अब तक 44,700 किट वितरित की जा चुकी हैं। राहत आयुक्त ने बताया कि प्रदेश में इस वक्त 922 नौकाओं को बाढ़ राहत कार्य में लगाया गया है। इसके अलावा 715 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। हालात पर नजर रखी जा रही है और विभिन्न विभागों से तालमेल कर काम किया जा रहा है।

24 घंटे बिजली के लिए 15 प्रतिशत से नीचे लाना होगा लाइन लॉसः श्रीकान्त शर्मा

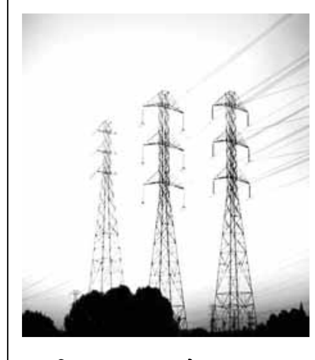

● कई जिलों में गलती, बिलिंग व सौभाग्य योजना की जांच के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने सोमवार को लखनऊ, कानपुर, झांसी व चित्रकूट मंडल के जनपदों की विद्युत आपूर्ति की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। गलत रीडिंग पर बिलिंग की शिकायतों पर उन्होंने ऐसे सभी मामलों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने लखीमपुर खीरी, हरदोई, रायबरेली, कन्नौज, इटावा, कानपुर देहात, औरैया, फर्रुखाबाद, चित्रकूट व बांदा में सौभाग्य के कार्यों की शिकायत पर जांच कराने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि सौभाग्य फेज 2 व फेज 3 में जो भी काम चल रहे हैं उनकी गुणवत्ता की समय-समय पर जांच की जाए। एमडी इसकी खुद निगरानी करें।

यह भी कहा कि ऐसे सभी जनपदों जहां शटडाउन के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई हो वहां अतिरिक्त समय में बिजली देकर रोस्टर का अनुपालन करायें। शासन की मंशा के अनुरूप ही बिजली की आपूर्ति की जाए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार सभी गांवों को 24 घंटे आपूर्ति की सुविधा का महाभियान चला रही है। इसके लिए सांसदों व विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। उन्हें भी ऊर्जा विभाग को सहयोग करना होगा तभी सस्ती और सुलभ बिजली का संकल्प पूरा होगा। कहा कि इसके लिए लाइन लॉस को 15 प्रतिशत से नीचे लाना होगा। हर जनपद में ऊर्जा विभाग ने 60-60 फीडर निगरानी के लिए चुने हैं। सांसद व विधायक भी 10-10 फीडरों की निगरानी का जिम्मा लेकर इस अभियान का हिस्सा बनें। जिससे 24 घंटे आपूर्ति के संकल्प को पूरा किया जा सके। उन्होंने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, कानपुर देहात, कानपुर, कन्नौज, औरैया, झांसी, चित्रकूट, ललितपुर व बांदा में कुछ स्थानों पर गलत बिलिंग व टेबल बिलिंग की शिकायतों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलत बिलिंग से उपभोक्ताओं में रोष उत्पन्न होता है और इसका असर विभाग की छवि पर होता है। उन्होंने शिकायतों के आधार पर संबंधित बिलिंग एजेंसियों के खिलाफ एफआईआर व अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजधानी समेत आसपास के जनपदों में ट्रिपिंग की शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने 48 घंटे में दुरुस्त की जा सकने वाली समस्याओं के तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने एमडी मध्यांचल से इस संबंध में तीन दिन में रिपोर्ट तलब की है। लगातार ट्रांसफार्मर फुंकने की शिकायत पर उन्होंने झांसी वर्कशॉप की जांच कराने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि लखनऊ, कानपुर, झांसी समेत अन्य जनपदों में जहां भी ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव लंबित हैं सभी को अनुमोदित करवा लें जिससे आपूर्ति व लो वोल्टेज की शिकायतें न आएं।

सरकार बताए कितने एमओयू धरातल पर उतरेः प्रियंका गांधी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार योगी सरकार पर हमलावर है । प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर यूपी सरकार से सवाल पूछा है । प्रियंका ने कहा कि यूपी में हर साल एमओयू साइन होते हैं लेकिन धरातल पर कुछ नहीं उतरता है । करोड़ों लगाकर इन समिट में ये काम कागजी शेर बनने के लिए किया जाता है । उप्र में भयंकर बेरोजगारी है और आर्थिक तंगी की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं । सरकार को ये बताना चाहिए कितने एमओयू धरातल पर उतरे, कितने युवाओं को रोजगार मिला।

रासुका हटाकर डॉ. कफील को तुरंत रिहा किया जाएः नसीमुद्दीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि योगी सरकार ने डॉ. कफील को जमानत पर रिहा न करके सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश की अवमानना की है जिसमें उसने कोरोना महामारी को देखते हुए सात साल से कम की सजा वाले मुकदमों में जमानत देने का आदेश दिया था। उन्होंने मांग की है कि डॉ. कफील पर लगाये गये रासुका को हटाते हुए उन्हें अविलम्ब रिहा किया जाए।

सिद्दीकी सोमवार को लखनऊ स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में डॉ. कफील की रिहाई को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देश पर जेल में बंद बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के निलंबित डॉ. कफील की रिहाई की

मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने 22 जुलाई से 12 अगस्त तक महाभियान छेड़ रखा है। इसी क्रम में आज प्रदेश के हर जिले में डॉ. कफील की रिहाई के लिए कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कान्फ्रेंस की। लखनऊ में नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि हाईकोर्ट में 13 बार सुनवाई की तारीख का टलना साबित करता है कि मुख्यमंत्री एक योग्य डॉक्टर को कोरोना जैसी महामारी के दौर में भी जेल में रख कर आम मरीजों के साथ अन्याय करने पर अड़े हैं जबकि आज प्रदेश डॉक्टरों की भयानक कमी से जूझ रहा है ।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने डॉ. कफील से व्यक्तिगत रंजिश के तहत उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाया है क्योंकि उन्होंने गोरखपुर सरकारी अस्पताल में चल रहे भ्रष्टाचार को उजागर किया था। इसी तरह उनपर अलीगढ़ में भी कथित भड़काऊ बयान देने का फर्जी मुकदमा लादा गया और एनएसए लगा दिया गया।

दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही किसान की हालत

● भाजपा खेती को कारपोरेट क्षेत्र में विलय करने में लग गई हैः सपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि किसान की हालत दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। भाजपा सरकार की प्राथमिकता में बड़े उद्योग घरानों का हित साधन है। किसान को किसान नहीं रहने देने के पूरे इंतजाम करने पर भाजपा सरकार उतारू है। भाजपा की कुदृष्टि खेतों पर है। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदा, गन्ने का बढ़ता बकायाए बिचौलियों द्वारा फसलों की लूट और कर्ज से बेहाल हजारों किसान अब तक आत्महत्या कर चुके हैं। महोबा में बैंक कर्ज और आर्थिक परेशानियों के चलते कल ही किसान रमाशंकर रैकवार ने फांसी लगाकर जान दे दी। भाजपा सरकार ने इस सम्बंध में अमानवीय रवैया अपना रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड लांच करने की घोषणा करते हैं पर किसान को यूरिया और बीज तक तो समय से मिल नहीं पा रहा है। यह फण्ड भी किसान समूहों को मिलेगा। मंशा साफ है भाजपा खेती को कारपोरेट क्षेत्र में विलय करने में लग गई है। सच तो यह है कि भाजपा सरकार बहुराष्ट्रीय और कारपोरेट घरानों के हितों की पैरोकारी में खेती, गांव, किसान को उनका बंधक बनाने की योजना लागू करना चाहती है। उनके इरादे विरोधाभासी हैं जिसमें सिर्फ धोखा ही धोखा है।

कमल रानी के निधन से घाटमपुर विधानसभा रिक्त घोषित

लखनऊ। घाटमपुर विधानसभा सीट से विधायक और कैबिनेट मंत्री कमल रानी वरुण का 2 अगस्त को निधन हो गया था जिस वजह से उक्त सीट रिक्त घोषित हो गई है। प्रमुख सचिव विधान सभा प्रदीप कुमार दूबे ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि कमल रानी कानपुर नगर की 218-घाटमपुर उत्तर प्रदेश विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधान सभा की सदस्य चुनी गयी थीं उनकी मृत्यु के बाद निर्वाचन क्षेत्र घाटमपुर रिक्त हो गया है।

पूर्व सांसद के निधन पर सीएम दुखी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक भाई लाल कोल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में 18 को प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के अवाहन पर बिजली कर्मचारियों व अभियंताओं ने प्रदेश भर में सभाएं कर चेतावनी दी कि बिजली के निजीकरण के विरोध में 18 अगस्त को प्रान्तव्यापी विरोध प्रदर्शन व सभायें की जाएंगी।

संघर्ष समिति की सभाएं सोमवार को प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं में की गई। सभाओं में प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया और चेतावनी दी गयी कि यदि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का प्रस्ताव वापस न लिया गया तो प्रदेश के तमाम बिजली कर्मचारी, अभियन्ता प्रान्तव्यापी आन्दोलन प्रारम्भ करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रबन्धन व सरकार की होगी। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों शैलेन्द्र दुबे, वीपी सिंह, सुहेल आबिद ने बताया कि बिजली कर्मचारियों व अभियन्ताओं की राष्ट्रीय समन्वय समिति नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इम्पलॉईस एन्ड इंजीनियर्स ने निर्णय लिया है कि केन्द्र व राज्य सरकारों की ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण की नीति के विरोध में 18 अगस्त को देश के तमाम बिजली कर्मचारी देश भर में विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त करेंगे। इसी निर्णय के अनुसार देश के 15 लाख बिजली कर्मियों के साथ उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी भी 18 अगस्त को प्रांत भर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि बिजली अभियंताओं की मुख्य मांग इलेक्ट्रीसिटी अमेण्डमेंट बिल 2020 वापस लेना, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेना तथा केन्द्र शासित प्रदेशों एवं उड़ीसा के बिजली निजीकरण की प्रक्रिया निरस्त करना है।

वेबिनार में हुई एमएसएमई को ऋण दिए जाने पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीएचडी यूपी चैंबर ने बैंक आफ बड़ोदा द्वारा एमएसएमई को ऋण दिए जाने को लेकर एक वेबिनार के जरिए चर्चा आयोजित की गई जिसमें चैंबर के यूपी अध्यक्ष मनोज गौड़ ने बताया की कैसे एमएसएमई को कार्यशील पूंजी तथा सप्लायर्स के बीच में संतुलन बनाना जरूरी है। पूर्व अध्यक्ष मेंटोर एमएसएमई मेंटरिंग एंड गाइडेंस सेंटर अनिल खेतान ने बताया कि कैसे एमएसएमई को अपना कैश फ्लो व्यवस्थित करना जरूरी है और एमएसएमई को ऋण प्राप्त करने में क्या-क्या समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विस्तार से चर्चा की गयी और इसका समाधान भी बताया। सौरभ सान्याल, एचपी कुमार ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि पीएचडी चैंबर अपने पीएचडी मेंटरिंग एवं गाइडेंस सेंटर के माध्यम से एमएसएमई की कैसे मदद कर रहा है। साथ में एमएसएमई को क्या-क्या सुविधाएं भी दे रहा है। ब्रजेश कुमार सिंह जनरल मेनेजर बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बताया कि कैसे एमएसएमई इन सभी स्कीमों का लाभ ले सकते हैं और कैसे बैंक ऑफ बड़ौदा सभी क्षेत्रों के उद्योगों को मदद करने में तत्पर है। वेबिनार में पीएचडी चैंबर के 100 सदस्यों ने भाग लिया।

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में महिलाओं के प्रति बढ़ते हत्याए बलात्काराए लूट एवं जघन्य अपराधों तथा दिनों दिन ध्वस्त होती जा रही लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने का प्रयास कर रही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया जिन्हें देर शाम रिहा कर दियाा गया। इस मौके पर महिला कांग्रेस की मध्य जोन की अध्यक्ष ममता चौधरी, पूर्वी जोन की अध्यक्ष शहला अहरारी, दक्षिणी जोन की अध्यक्ष प्रतिभा अटल पाल, पश्चिमी जोन की अध्यक्ष प्रीति तिवारी, सुशीला शर्मा, शबनम आदिल एडवाकेट, किरन गुप्ता, दीपिका कपूर, लता द्विवेदी, रमा, संगीता सिंह, राम कुमारी आदि महिलाओं ने थालियां बजाकर महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों के खिलाफ नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगाए। इस मौके पर महिला कांग्रेस की सभी जोनों की अध्यक्षों ने एक स्वर में कहा कि रोजाना महिलाओं के प्रति जघन्य घटनाएं हो रही हैं। हत्या, लूट, बलात्कार और महिलाओं, बच्चियों की अस्मिता के साथ हो रहे खिलवाड़ की घटनाओं में बाढ़ आ गयी है। प्रदेश की योगी सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल है। प्रदेश में जंगलराज कायम हो गया है। उन्होंने कहा कि हापुड़, जौनपुर, जालौन आदि जनपदों में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटनाओं को लेकर महिलाएं आक्रोशित और चिन्तित हैं।

परशुराम जयंती का अवकाश बहाल करे सरकार:जितिन प्रसाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भगवान परशुराम की प्रतिमा लगाने को लेकर हो रही सियासत के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर परशुराम जयंती पर होने वाले अवकाश को बहाल करने का अनुरोध किया है।

यूपी में ब्राह्मण वोट बैंक की राजनीति तेज हो गई है। पहले सपा ने लखनऊ में 108 फुट की महर्षि परशुराम की प्रतिमा लगवाने की घोषणा की। इसके साथ ही सपा प्रबुद्ध सभा की ओर से हर जिले में परशुराम प्रतिमा लगाने का फैसला भी किया गया। जिसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने सत्ता में आने पर समाजवादी पार्टी से भी अधिक परशुराम की भव्य प्रतिमा लगाने की बात कहकर राजनीतिक पारे को और बढ़ा दिया। सपा-बसपा के बाद अब कांग्रेस नेता जितिन प्रसाद ने परशुराम जयंती के अवकाश के बहाने ब्राह्मण वोट बैंक को साधने का प्रयास किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि भगवान परशुराम विष्णु जी के छठे अवतार हैं । जिस कारण वह ब्राह्मण समाज की आस्था का प्रतीक हैं ।

परशुराम जी का जन्म बैसाख माह की तृतीया तिथि के दिन हुआ था। भगवान शिव के परम भक्त परशुराम जी को न्याय के देवता का अधिकार दिया था। जिस कारण ब्राह्मण समाज के साथ अन्य लोगों की भी आस्था भगवान परशुराम जी में है। अब तक ब्राह्मण समुदाय की आस्था के प्रतीक भगवान परशुराम जी की जयंती पर प्रतिवर्ष राजकीय अवकाश होता रहा है परन्तु वर्तमान में आपकी सरकार ने इसे निरस्त कर दिया गया है जिससे ब्राह्मण समाज में आक्रोश है। मैं आपसे ब्राह्मण समाज की भावनाओ को दृश्टिगत रखते हुए उपरोक्त अवकाश पुनः बहाल किये जाने का अनुरोध करता हूं।

प्रदेश में आई बाढ़ को तत्काल आपदा घोषित किया जाए:रालोद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने पूर्वांचल के अधिकाँश जनपदों में फैली हुई बाढ़ विभीषिका पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि बाराबंकी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर और गोरखपुर, देवरिया, आज़मगढ़, बलिया, कुशीनगर, मऊ सहित आदि सम्पूर्ण तराई क्षेत्र जलमग्न हो गया है । लाखों लोग बेघर हो गए और अपने बच्चों को लेकर किसी ऊँचे स्थान पर पालीथिन अथवा त्रिपाल के नीचे जीवन बिताने के लिए मजबूर हैं। रालोद प्रवक्ता ने सरकार से माँग करते हुए कहा कि प्रदेश की बाढ़ को तत्काल प्रभाव से आपदा घोषित किया जाए तथा प्रभावित लोगों को तुरन्त राहत पहुँचाते हुए उनके भोजन और रहने का समुचित प्रबन्ध किया जाय। सरकार मानवता का परिचय देते हुए अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करें।

पुलिस सेवा के दौरान नैतिकता, सत्यनिष्ठा व ईमानदारी को करें जीवन में शामिल

● 14 प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों ने डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी से की भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने पुलिस सेवा में नैतिकता, सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के बिन्दु पर विशेष बल देते हुए उसे जीवन में अंगीकार करने की अपरिहार्यता अधिकारियों को बतायी। डीजीपी से सोमवार को पुलिस मुख्यालय, गोमती नगर विस्तार स्थित सभागार में 72वें आरआर बैच के 14 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों द्वारा कोविड 19 के दृष्टिगत निर्गत गाईड लाइन्स का अनुपालन करते हुए शिष्टाचार भेंट की गयी।

ये सभी 14 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उत्तर प्रदेश कैडर से चयनित हुए हैं, जिसमें पांच अधिकारी वर्ष 2018 एवं नौ वर्ष 2019 बैच के हैं। ये प्रशिक्षु अधिकारी सरदार पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद एवं डा. भीमराव अम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी मुरादाबाद से आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं तथा जनपदीय प्रशिक्षण के लिए विभिन्न जनपदों में जाने से पूर्व सोमवार को डीजीपी मुख्यालय पहुंचे थे। अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक के जीएसओ द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों का संक्षिप्त परिचय दिया गया। डीजीपी एचसी अवस्थी ने प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों को संबोधित करते हुए कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उनका मार्गदर्शन किया। डीजीपी ने उन्हें भविष्य की चुनौतियों विशेषकर साइबर क्राइम, संगठित, वित्तीय अपराध, आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने की कुशल रणनीति बनाने व उसे लागू करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साम्प्रदायिक एवं भूमि विवादों पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। कोई भी आपराधिक घटना घटित होने की सूचना मिलते ही उसका सही पंजीकरण करने के साथ ही तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। इस हेतु पुलिस कार्य में व्यवसायिक दक्षता को उत्तरोत्तर परिमार्जित करना होगा। थाना व पुलिस कार्यालयों के निरीक्षण, पुलिस लाइन में नियमित परेड एवं अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के सम्मेलन नियमित अन्तराल पर करते रहने की भी प्रशिक्षु पुलिस अफसरों को सलाह दी। डीजीपी ने प्रशिक्षुओं के जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आपसी समन्वय बना कर कोरोना को हराएंः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोविड.19 महामारी के रोकथाम हेतु सर्किट हाउस कानपुर नगर में सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुये संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि जनपद में कोरोना के बढते प्रकोप को ध्यान में रखते हुये वेन्टीलेटर की अतिरिक्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार वेन्टीलेटर की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कोरोना मरीजों की जांच रिपोर्ट समय से आने व पॉजिटिव केसों में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जांच रिपोर्ट अधिक समय तक लंबित नहीं रहने पाये। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासनएजिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग आपसी समन्वय व सामजस्य बनाकर कार्यो के निस्तारण हेतु एक नोडल अधिकारी कोरोना से संबंधित मामलों के त्वरित निपटारे हेतु नामित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार कोरोना के

नियन्त्रण हेतु निरन्तर प्रयास कर रही है इसलिये जनपद में कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिये प्रभावी कदम उठायें जायें। जिससे कि संक्रमण का अधिक विस्तार न होने पाये। उन्होंने वर्तमान में कोरोना के मरीजो की अधिक मृत्यु होने पर चिन्ता व्यक्त करते हुये इसकी रोकथाम हेतु हर सम्भव कदम उठाने के कड़े निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कतिपय प्राइवेट अस्पताल में कोरोना मरीजों से इलाज के दौरान अधिक धनराशि ली जा रही है। इस पर उन्होंने अस्पतालों के लिये मानक निर्धारित करने व उसी के अनुरुप कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनपद के किन किन अस्पतालों एमें कोरोना से संबंधित मरीजो के लिये क्या क्या सुविधायें उपलब्ध हैए इसकी अद्यतन सूचना प्रस्तुत की जाय। जिले में कोरोना मरीजों के उपचार की व्यवस्था और अधिक बढानें हेतु तेजी से प्रयास किये जायें। बैठक में बताया गया कि कोरोना पॉजिटिव मरीज पूर्णतः ठीक होने पर वह दूसरों को कोरोना नही फैला सकता है। उन्होंने लोगों में जागरुकता लाने हेतु इसका व्यापक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिये।

श्री मौर्य ने कहा कि यह परीक्षा की घड़ी है जिला प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग अच्छा माहौल बनाकर टीम वर्क के साथ बेहतर परिणाम देना सुनिश्चित करें। कोरोना मरीजों के हित में जो भी आवश्यक कदम उठाने हों व निर्णय लेने हों, लिये जायें। उन्होंने अपील की कि कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु शरीरिक दूरी-बहुत जरुरी को अवश्य बनाये रखें तथा इससे बचाव के लिये मास्क लगानेए बार-बार हाथ धोने के साथ कोरोना के अन्तर्गत अन्य साधनों को अपनायें। उन्होंने कोरोना से बचाव हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में सफाई की समुचित व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिये। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कोविड मरीजो के साथ साथ नॉन कोविड के मरीजों का प्राइवेट, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा की समुचित व्यवस्था कराये जाने के संबंध में अवगत कराया कि जिस पर श्री मौर्य ने कोविड एवं नॉन कोविड मरीजों की भी समुचित इलाज की व्यवस्था कराये जाने के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये।

बाजवा की पुलिस सुरक्षा वापस लेना नियमित प्रक्रिया : अमरिंदर

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा को राज्य पुलिस द्वारा की दी गई सुरक्षा को वापस लेने का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि यह नियमित प्रक्रिया है और इसका राज्य सरकार से उनकी चल रही तनातनी से कोई संबध नहीं है। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने शनिवार को राज्य की ओर से बाजवा को दी गई सुरक्षा वापस लेने का फैसला करते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय सुरक्षा उपलब्ध है और वह किसी खतरे का भी सामना नहीं कर रहे हैं।

राज्य सरकार का यह फैसला तीन जिलों में जहरीली शराब से 121 लोगों की मौत की पृष्ठभूमि में बाजवा और कांग्रेस के अन्य राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह डुल्लो द्वारा राज्य में शराब कथित अवैध कारोबार की सीबीआई जांच कराने की मांग के कुछ दिन बाद आया। बाजवा ने शनिवार को मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि वह स्तर से नीचे जाकर कार्वाई कर रहे हैं और सरकार की कार्यप्रणाली की खामियों को उजागर करने पर उनके पूरे परिवार को खतरे में डाला जा रहा है। इस पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संदर्भ से बाहर जाकर बाजवा इस सुरक्षा समीक्षा को बिना किसी आधार के राज्य सरकार और उनके बीच तनातनी से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में बाजवा की शिकायत क्षुद्र और तुच्छ है, न कि तथ्यों पर आधारित। अमरिंदर सिंह ने कहा, वर्ष 2013 की राज्य सुरक्षा नीति के तहत उनपर मंडरा रहे खतरे की आवधिक समीक्षा के आधार पर यह नियमित प्रक्रिया थी, क्योंकि मार्च में केंद्र द्वारा उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने कभी भी वास्तविक जरूरत होने पर सुरक्षा मुहैया कराने से इनकार नहीं किया, लेकिन सरकार बिना वजह पुलिस कर्मियों की तैनाती वहन नहीं कर सकती, खासतौर पर तब जब कोरोना वायरस की वजह से सुरक्षा बल भारी दबाव में हैं। मुख्यमंत्री ने बादल को दी गई पुलिस सुरक्षा का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि अधिक खतरा होने की वजह से केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मुहैया कराई गई जेड प्लस सुरक्षा के अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की जरूरत थी।

बड़गाम में आतंकवादियों के हमले में घायल भाजपा कार्यकर्ता की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में आतंकवादियों की गोली लगने से घायल हुए भाजपा के एक कार्यकर्ता की सोमवार को यहां एक अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मध्य कश्मीर के बड़गाम के मोहिंदपुर क्षेत्र के रहने वाले अब्दुल हामीद नजर को रविवार को उनके पैतृक गांव में आतंकवादियों ने गोली मारकर बुरी तरह से जख्मी कर दिया था। सोमवार तड़के उनकी मौत हो गई। पिछले एक महीने में आतंकवादियों का निशाना बनने वाले नजर भाजपा के चौथे कार्यकर्ता या पदाधिकारी हैं। पिछले महीने बांदीपोरा के भाजपा जिला अध्यक्ष वसीम बारी, उनके पिता और उनके भाई की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं चार अगस्त को भाजपा के एक पंच की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके दो दिन बाद दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में पार्टी के ही एक सरपंच की हत्या की गई थी।

विजयवाड़ा में गणेश चतुर्थी पर्व के लिए भगवान गणेश की मूर्तियों को तैयार करता हुआ कलाकार।

चिदंबरम के खिलाफ 63 मून्स की शिकायत पर जांच जारी: सीबीआई

मुंबई। सीबीआई ने मुंबई उच्च न्यायालय को सोमवार को सूचित किया कि वह पूर्व वित्त मंत्री तथा दो अन्य नौकरशाहों के खिलाफ पद के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली 63 मून्स टेक्नोलॉजिस की शिकायत पर शुरूआती जांच कर रही है। सीबीआई के वकील हितेन वेणेगावकर ने न्यायमूर्ति एसएस जाधव और न्यायमूर्ति एनजे जामदार की पीठ को बताया कि यह मामला 2012-2013 का है, इसलिए एजेंसी को प्रांसगिक दस्तावेज बरामद करने में समय लगेगा।

अदालत कंपनी के प्रवर्तक जिग्नेश शाह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चिदंबरम तथा नौकरशाह केपी कृष्णन एवं रमेश अभिषेक के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा कार्वाई करने में देरी पर सवाल उठाया गया है। कंपनी का पहले नाम फाइनेंशल टेक्नोलॉजी लिमिटेड थे। जब चिदंबरम वित्त मंत्री थे तो अभिषेक बाजार आयोग के अध्यक्ष थे जबकि कृष्णन अतिरिक्त सचिव एवं संयुक्त सचिव थे। वेणेगावकर ने कहा, हम (सीबीआई) शुरूआती जांच कर रहे हैं। मामला 2012-2013 का होने की वजह से हमें अपना दिमाग लगाना है, आरोपों को सत्यापित करना है तथा सभी प्रासंगिक दस्तावेज बरामद करने हैं।

शिकायतकर्ता (63 मून्स टेक्नोलॉजिस) को सीबीआई ने बयान दर्ज कराने और आरोपों के समर्थन में और सबूत देने के लिए समन किया था। वकील ने कहा, बहरहाल, आज की तारीख तक, सीबीआई को याची कंपनी से और सबूत या दस्तावेज नहीं मिले हैं। कंपनी की ओर से पेश हुए वकील ए पोंडा ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि सभी प्रासंगिक दस्तावेज पहले ही सीबीआई को दिए जा चुके हैं। पीठ ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह जांच का विवरण देने के लिए एक हलफनामा दायर करें।

कोझिकोड विमान दुर्घटना में घायल 56 यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने सोमवार को कहा कि कोझिकोड में विमान दुर्घटना में घायल 56 लोगों को ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी मिल गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा था कि 149 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया जिनमें से 23 लोगों को छुट्टी मिल गई है और तीन गंभीर रूप से घायल हैं। चालक दल के छह सदस्यों सहित 190 लोगों के साथ दुबई से पहुंचा एअर इंडिया एक्सप्रेस का बी737 विमान शुक्रवार रात कोझिकोड हवाईअड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान भारी बारिश के बीच हवाई पट्टी से फिसलने के बाद 35 फुट गहरी खाई में जा गिरा था और उसके दो टुकड़े हो गए थे। इस हादसे में दोनों पायलटों सहित 18 लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को एअरलाइन ने एक बयान में कहा, एअर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और क्षेत्रीय प्रमुख (दक्षिण क्षेत्र) परिवार के सदस्यों को सहायता पहुंचाने के लिए अब भी कालीकट (कोझिकोड) में हैं।

विवादित टिप्पणी को लेकर असम में भाजपा विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज

गुवाहाटी। असम में भाजपा विधायक शिलादित्य देव की विवादित टिप्पणी के खिलाफ विभिन्न संगठनों ने कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। उन्होंने सम्मानित विद्वान सैयद अब्दुल मलिक को बुद्धिजीवी जेहादी कहा था। भाजपा नेता एवं असम अल्पसंख्यक विकास बोर्ड के प्रमुख मुमिनुल ओवाल ने बयान की निंदा की और अपनी पार्टी के सहयोगी से सार्वजनिक तौर पर माफी की मांग की है। कांग्रेस ने देव को पागल व्यक्ति कहा है जिसे लगातार विवादित एवं सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बयानों के लिए पागलखाने भेज दिया जाना चाहिए। पार्टी ने उन्हें भाजपा का राखी सावंत भी बताया। बालीवुड अभिनेत्री अपने विवादित बयानों के लिए जानी जाती हैं।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग ने देव के खिलाफ गुवाहाटी में हांटीगांव पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है और होजाई निर्वाचन क्षेत्र के इस विधायक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। सदाओ असम गोरिया-मोरिया-देशी जातीय परिषद ने बारपेटा, धुबरी और मोरीगांव जिलों में विभिन्न पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई है जबकि सदाओ असम गोरिया-युवा छात्र परिषद ने गुवाहाटी में जालुकबारी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। असम सोनग्रामी युवा मंच ने भी हाटीगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और देव के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की है।

भाजपा नेता ओवाल ने कहा, शिलादित्य ने जो कहा, मैं उसका विरोध और कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, अगर वह सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगते हैं तो मैं हमेशा उनके खिलाफ कड़ा रुख अपनाउंगा। असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने बेहद सम्मानित कवि,, उपन्यासकार और लघु कथा लेखक मलिक के खिलाफ देव की आपत्तिजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है।

कांग्रेस लोकसभा सदस्य अब्दुल खलीक ने भाजपा विधायक को एक पागल व्यक्ति करार दिया है जिसे पागलखाने भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस के एक अन्य नेता कमल कुमार मेधी ने कहा, शिलादित्य देव भाजपा की राखी सावंत हैं। असमिया समाज को उन्हें खास तवज्जो नहीं देनी चाहिए। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष कुलधर सैकिया ने मलिक के खिलाफ विवादित टिप्पणियों की निंदा की। मलिक शीर्ष साहित्यिक निकाय के अध्यक्ष भी हैं।

देव ने पिछले शुक्रवार को कहा था कि मलिक एक कवि हैं जो बौद्धिक जेहाद कर रहे हैं। उन्होंने यह बयान राम मंदिर के शिलान्यास के दिन सोनितपुर जिले में हुए हालिया सांप्रदायिक संघर्ष पर टिप्पणी करते हुए दिया था। राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठते हुए, इस टिप्पणी पर राज्य भर में हर किसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कई समूहों ने रविवार को देव का पुतला भी जलाया।

क्विक न्यूज

सुशांत के परिवार के बारे में राउत ओछी बातें कर रहें : निरूपम

मुंबई। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने सोमवार को शिवसेना सांसद संजय राउत पर परोक्ष हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के बारे में ओछी बातें कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने भगवा पार्टी से संवेदनशीलता दिखाने को भी कहा। निरूपम ने यह भी कहा कि हर परिवार की कुछ कहानी होती है, शिवसेना वालों की भी है। उल्लेखनीय है कि राउत ने रविवार को दावा किया था कि सुशांत के अपने पिता के साथ मधुर संबंध नहीं थे। सुशांत को अपने पिता की दूसरी शादी स्वीकार्य नहीं थी। राउत ने यह टिप्पणी शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में की थी। सुशांत (34) का शव 14 जून को बांद्र स्थित उनके आवास में फंदे से लटका हुआ मिला था। राउत का नाम लिए बगैर निरूपम ने सुशांत डेथ मिस्ट्री हैशटैग के साथ ट्वीट किया, शिवसेना के सांसद, सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के बारे में ओछी बातें कर रहे हैं। हर परिवार की अपनी कहानी होती है। शिवसेना वालों की भी बहुत है। लेकिन सुशांत की मृत्यु एक संवेदनशील विषय है। शिवसेना को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए, न कि टुच्चापन।

पर्यावरण प्रभाव आकलन का मसौदा वापस ले सरकार: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) के मसौदे को लेकर सोमवार को सरकार पर फिर से निशाना साधा और कहा कि इसे वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट कर आरोप लगाया कि ईआईए-2020 के मसौदे का मकसद देश की लूट है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, यह एक और ख़ौफ़नाक उदाहरण है कि भाजपा सरकार देश के संसाधन लूटने वाले चुनिंदा सूट-बूट वाले मित्रों के लिए क्या-क्या करती आ रही है। राहुल गांधी ने कहा, देश की लूट और पर्यावरण की तबाही को रोकने के लिए ईआईए-2020 का मसौदा वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने रविवार को भी लोगों से अपील की थी कि वे नए पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) 2020 मसौदे के खिलाफ प्रदर्शन करें क्योंकि यह खतरनाक है और अगर अधिसूचित होता है तो इसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी होंगे। गौरतलब है कि पर्यावरण मंत्रालय ने इस साल मार्च में ईआईए के मसौदे को लेकर अधिसूचना जारी की थी और इस पर जनता से सुझाव मांगे गए थे। इसके तहत अलग-अलग परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी देने के मामले आते हैं।

असम के पुलिस महानिदेशक कोविड-19 से संक्रमित

गुवाहाटी। असम के पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत सोमवार को कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शीर्ष पुलिस अधिकारी ने घर में पृथक-वास में रहना पसंद किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, स्वास्थ्य पेशेवर नियमों के अनुसार काम करेंगे और उनके संपर्क में आए लोगों का परीक्षण करेंगे। मार्च से असम पुलिस मुख्यालय के करीब 30 लोग संक्रमित पाए गए हैं जिनमें आईजीपी (कानून व्यवस्था) और डीआईजी (प्रशासन) भी शामिल हैं। असम के अवर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जी पी सिंह ने रविवार को ट्वीट किया था कि अबतक कुल 2259 पुलिसकर्मी इस वायरस से संक्रमित हुए हैं जिनमें से 1734 स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने लिखा था, दुर्भाग्य से अबतक हम अपने छह साथियों को गंवा चुके हैं। असम में अबतक कोरोना वायरस के 58,837 मामले आ चुके हैं जिनमें से 42,325 मरीज संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। राज्य में कोविड-19 से कुल 145 लोगों की जान चली गई है।

भूषण, तेजपाल के खिलाफ 2009 के अवमानना मामले में और सुनवाई की जरूरत है : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ता-अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ 2009 के आपराधिक अवमानना मामले में और सुनवाई की जरूरत है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अगुवाई वाली एक पीठ ने कहा कि वह मामले को सुनेगा और यह देखेगा कि न्यायाधीशों के बारे में भ्रष्टाचार पर टिप्पणी असल में अवमानना है या नहीं। पीठ जिसमें न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं, ने इस मामले में अगली सुनवाई 17 अगस्त को तय की है।

पटना में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाली परेड के लिए गांधी मैदान पर पूर्वाभ्यास करते हुए पुलिसकर्मी

रेलवे भर्ती के लिए फर्जी विज्ञापन जारी करने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करेगा

भाषा। नई दिल्ली

रेलवे में करीब पांच हजार पदों को भरने के लिए एक फर्जी विज्ञापन जारी करने के मामले में एक निजी एजेंसी के खिलाफ रेलवे ने कार्वाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि यह विज्ञापन प्रमुख अखबारों में प्रकाशित किया गया था जिसमें कहा गया कि रेलवे ने आठ श्रेणियों में 5,285 पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, रेल मंत्रालय के संज्ञान में आया कि एक संगठन जिसका नाम अवेस्ट्रान इंफोटेक है, ने आठ अगस्त 2020 को प्रमुख अखबारों में विज्ञापन दिया और ऑउटसोर्सिंग के आधार पर भारतीय रेलवे में 11 साल तक संविदा पर काम करने के लिए आठ श्रेणियों में 5,285 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किया। आवेदकों से 750 रुपए बतौर आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा कराने को कहा गया। विज्ञापन में आवेदन करने की अंतिम तारीख 10 सितंबर 2020 बताई गई है। मंत्रालय ने कहा, यह सूचित किया जाता है कि रेलवे में भर्ती के लिए हमेशा भारतीय रेलवे द्वारा ही विज्ञापन जारी किया जाता है। कोई निजी एजेंसी इसके लिए अधिकृत नहीं है। अत: उक्त विज्ञापन जारी करना गैर कानूनी है। रेलवे संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय रेलवे में समूह ग और घ श्रेणी की विभिन्न श्रेणियों में भर्ती मौजूदा समय में 21 रेलवे भर्ती बोर्ड और 16 रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ करते हैं, न कि कोई अन्य एजेंसी। रेलवे में भर्ती केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना के जरिए होती है जिसे व्यापक तौर पर प्रचारित किया जाता है। मंत्रालय ने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि रेलवे ने किसी निजी एजेंसी को भर्ती के लिए अधिकृत नहीं किया है जैसा कि उपरोक्त एजेंसी ने दावा किया है। बयान में कहा गया, रेलवे ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस मामले में शामिल उपरोक्त एजेंसी अथवा व्यक्ति के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनआईए की विशेष अदालत ने स्वप्ना सुरेश की जमानत याचिका खारिज की

कोच्चि। एनआईए की विशेष अदालत ने केरल सोना तस्करी मामले की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। अदालत ने एनआईए द्वारा पेश किए गए सबतों पर गौर करते हुए स्वप्ना सुरेश की जमानत याचिका खारिज कर दी। पिछले साल नवम्बर से राजनयिक चैनल के माध्यम से 100 करोड़ रुपए से अधिक की सोने की तस्करी में महिला की कथित भूमिका को लेकर जांच एजेंसी ने ये सबूत जुटाए थे। एनआईए ने जमानत याचिका को कड़ा विरोध करते हुए कहा कि मामले में गहन जांच की जरूरत है। आरोपी ने जानबूझकर ऐसा कृत्य किया जो सीधे तौर पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधि. की धारा 15 का उल्लंघन है। स्वप्ना सुरेश ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उसे बिना किसी आधार के सिर्फ कल्पना के सहारे इस अपराध में फंसाया गया है और और यह मामला राज्य तथा केन्द्र सरकारों के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का है।

कोरोना से निपटने में मोदी सरकार के प्रयासों से ग्रामीण संतुष्ट

एक सर्वेक्षण का दावा

भाषा। नई दिल्ली

ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी देश में कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों से संतुष्ट है। हालांकि लोगों ने बहुत कठिनाइयों का भी सामना किया और कुछ तो अपनी जमीन, फोन और घड़ियां बेचने तथा पड़ोसियों से कर्ज लेने को भी मजबूर हुए। एक राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में यह खुलासा किया गया है। मीडिया संस्था गांव कनेक्शन द्वारा ग्रामीण भारत में किए गए राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण के अनुसार लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का समर्थन करने वालों में से 37 प्रतिशत ने कहा कि वे सरकार के काम से बहुत संतुष्ट हैं, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे केंद्र सरकार के कामकाज से कुछ हद तक संतुष्ट हैं। कुल मिलाकर 74 प्रतिशत लोगों ने केंद्र सरकार के कामकाज से संतोष जताया।

सर्वे के अनुसार 78 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी-अपनी राज्य सरकारों के कामकाज से भी संतुष्ट हैं। गांव कनेक्शन ने सोमवार को सर्वे रिपोर्ट जारी की और बताया कि 30 मई से 16 जुलाई, 2020 के बीच हुए इस सर्वे में कुल 25,371 प्रतिभागियों का साक्षात्कार किया गया। उसके अनुसार सभी प्रतिभागी अपने अपने घरों के प्रमुख कमाने वाले थे, इस तरह यह सर्वे पुरुष प्रधान रहा और लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाता पुरूष ही रहे। हालांकि इसमें 20 फीसदी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीति-सीएसडीएस की टीम ने सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार की और इसका विश्लेषण किया।

सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा, सर्वे की विविधता, व्यापकता और इसके सैंपल साइज के आधार पर मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह अपनी तरह का पहला व्यापक सर्वे है, जो ग्रामीण भारत पर लॉकडाउन से पड़े प्रभाव पर फोकस करता है। सर्वे में शामिल 14 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि वे मोदी सरकार से कुछ हद तक असंतुष्ट हैं, जबकि सिर्फ 7ु ने कहा कि वे सरकार के उपायों से बहुत ही अधिक असंतुष्ट हैं। सर्वे के अनुसार दस में से सात लोगों (73 प्रतिशत) ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार का प्रवासी मजदूरों के प्रति रवैया अच्छा रहा। इनमें से 29 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि सरकार का रवैया बहुत अच्छा रहा, वहीं 44 प्रतिशत ने कहा रवैया अच्छा रहा।

सर्वे के अनुसार सिर्फ 23 फीसदी या हर चार में से एक प्रतिभागी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान सरकार की व्यवस्था खराब थी, जिसमें से 9 फीसदी ने बहुत खराब और 14 फीसदी ने इसे खराब कहा। इसमें 40 फीसद लोगों ने कहा कि लॉकडाउन बहुत कठोर था, जबकि 38 प्रतिशत ने कहा कि यह जरूरत के हिसाब से कठोर था। वहीं 11 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि लॉकडाउन को और कठोर होना चाहिए था। जबकि केवल 4 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने कहा कि लॉकडाउन बिल्कुल नहीं होना चाहिए था। सर्वे में राज्य सरकारों के बारे में भी लोगों की धारणा काफी सकारात्मक रही। 76 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकार का प्रवासियों के प्रति रवैया काफी अच्छा रहा, जबकि केवल 20 प्रतिशत ने इसे बुरा बताया। गांव कनेक्शन ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि भाजपा शासित राज्यों में लोग मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा किए गए कार्यों से कम प्रभावित दिखे। साथ ही, भाजपा शासित राज्यों में लोग, कांग्रेस शासित राज्यों की तुलना में प्रवासियों के प्रति मोदी और राज्य सरकार के रवैए से थोड़ा कम खुश दिखे। हालांकि यह अंतर भी बहुत कम था। गांव कनेक्शन के संस्थापक नीलेश मिश्रा ने इस सर्वे को जारी करते हुए कहा, कोरोना वायरस संकट की इस घड़ी में ग्रामीण भारत, मुख्यधारा के राष्ट्रीय मीडिया के एजेंडे का हिस्सा नहीं रहा। यह सर्वे एक सशक्त दस्तावेज है जो बताता है कि ग्रामीण भारत अब तक इस संकट से कैसे निपटा और आगे उसकी क्या योजनाएं है? जैसे- क्या वे शहरों की ओर फिर लौटेंगे? क्या वे अपने खर्च करने के तरीकों में बदलाव करेंगे।

ठाणे में स्वतंत्रता दिवस के लिए दुकान पर तिरंगे के मास्क की खरीदारी करते हुए बच्चे

बाढ़ को लेकर प्रधानमंत्री ने छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों से डिजिटल बैठक की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक स्थाई प्रणाली को लेकर केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर सोमवार को जोर दिया। उन्होंने (बाढ़) पूर्वानुमान एवं चेतावनी प्रणाली को बेहतर करने के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग करने पर भी बल दिया।

प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की स्थित की समीक्षा के लिए छह राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ एक डिजिटल बैठक में यह टिप्पणी की। बैठक में असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल शामिल हुए। यह बैठक दक्षिण-पश्चिम मानसून और देश में बाढ़ की मौजूदा स्थिति से निपटने में उनकी तैयारियों की समीक्षा के लिए बुलाई गई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि बैठक में मोदी ने स्थानीय स्तर पर पूर्व चेतावनी प्रणाली में निवेश बढ़ाए जाने पर जोर दिया, ताकि इलाके के लोग नदी के तटबंध में दरार पड़ने, इलाके के जलमग्न होने या बिजली गिरने जैसे खतरों के मामले में समय रहते आगाह हो सकें। यह बैठक करीब डेढ़ घंटे चली, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और जी किशन रेड्डी तथा केंद्रीय मंत्रालयों एवं संबद्ध संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर राज्यों द्वारा लोगों को राहत एवं बचाव कोशिशों के दौरान मास्क पहनने, हाथ स्वच्छ रखने और एक

● केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल

दूसरे से पर्याप्त दूरी रखने जैसे स्वास्थ्य संबंधी सभी एहतियातों का पालन अवश्य सुनिश्चित कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री में हाथ धोने एवं सेनेटाइज करने के लिए वस्तुएं तथा प्रभावित लोगों के लिए मास्क के लिए प्रावधान शामिल किए जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वृद्ध लोगों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी विकास एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाएं स्थानीय आपदाओं को

ध्यान में रखते हुए बनाई जाएं, जिससे आगे चल कर भविष्य में होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस बात का जिक्र किया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत मौसम विज्ञान विभाग और केंद्रीय जल आयोग जैसे पूर्वानुमान एजेंसियों ने बाढ़ पूर्वानुमान की कहीं अधिक बेहतर एवं उपयोगी समन्वित कोशिशें की हैं। उन्होंने कहा कि वे न सिर्फ बारिश और नदी के जल स्तर के पूर्वानुमान मुहैया कर रही हैं, बल्कि जलमग्न होने के संभावित स्थानों के बारे में भी सूचना दे रही हैं। स्थान विशेष आधारित पूर्वानुमानों को बेहतर करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाएं भी जारी हैं। इनके लिए राज्यों को इन एजेंसियों को आवश्यक सूचना मुहैया करनी चाहिए तथा समय पर स्थानीय समुदायों को चेतावनी जारी करनी चाहिए। पीएमओ के बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री ने बाढ पूर्वानुमान के लिए एक स्थाई प्रणाली को लेकर सभी केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय तथा बेहतर (बाढ़) पूर्वानुमान एवं चेतावनी प्रणाली के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। बयान के मुताबिक असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल के मुख्यमंत्रियों और कर्नाटक के गृह मंत्री ने अपने-अपने राज्य में बाढ़ की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों पर ताजा जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) सहित केंद्रीय एजेंसियों की सराहना की क्योंकि उनकी टीमों के समय पर तैनाती से लोगों को बचाने में मदद मिली है। राज्यों ने बाढ़ के प्रभाव को घटाने के लिए कुछ अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों के लिए सुझाव भी दिए। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को इन सुझावों पर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र विभिन्न आपदाओं से निपटने में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सहयोग मुहैया करना जारी रखेगा। बैठक में उपस्थित लोगों के मुताबिक मोदी ने कहा कि वह सभी राज्यों का दौरा करते, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण ऐसा नहीं कर सके हैं।

राज्यों में संकटकालीन स्थिति के लिए पीएम के नेतृत्व में समिति गठित हो: उद्धव ठाकरे

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्यों में संकट की स्थितियों से निपटने और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत एक समिति गठित करने की सोमवार को मांग की। राज्य सरकार के एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने तीन जून को आए चक्रवाती तूफान निसर्ग से हुए नुकसान और पांच अगस्त को हुई भारी बारिश के मद्देनजर महाराष्ट्र के लिए केंद्र से तत्काल सहायता मांगी। बयान के अनुसार ठाकरे प्रधानमंत्री के साथ हुई डिजिटल बैठक में बोल रहे थे। बैठक में प्रधानमंत्री ने छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल ने भाग लिया। बैठक में दक्षिण-पश्चिम मानसून और बाढ़ की मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा की गई। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अच्छा समन्वय है और आपदाओं के समय उनकी सरकार सभी राज्यों के साथ है। बैठक में ठाकरे ने संकट से निपटने और राज्यों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के अधीन एक समिति गठित करने की मांग की। ठाकरे ने कहा कि चक्रवात निसर्ग के कारण महाराष्ट्र को 1,065 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ और पांच अगस्त की बारिश ने मुंबई में 500 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया। उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य के लिए तत्काल सहायता की घोषणा करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में पांच अगस्त को 24 घंटों के दौरान 333 मिमी बारिश हुई और उस दिन हवा की गति 70 किमी-80 किमी से 106 किमी तक थी। ठाकरे ने मोदी से आग्रह किया कि मुंबई के माहुल में केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के स्वामित्व वाला भूखंड बृहन्मुंबई नगर निगम को सौंप दिया जाए जिससे वहां एक पंपिंग स्टेशन स्थापित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने भारी बारिश और बाढ़ से होने वाले नुकसान से बचने के लिए स्थाई समाधान का भी आह्वान किया। ठाकरे ने अमरावती जिले में बाघ अभयारण्य से गुजरने वाली अकोला-खंडवा रेलवे लाइन के प्रस्तावित गेज परिवर्तन के लिए वैकल्पिक मार्ग पर विचार करने की मांग दोहराई।

हिंदी को लेकर दक्षिण भारत में राजनीति तेज

हिंदी राजनीति के चलते दक्षिण के नेताओं को नहीं मिलते मौके : कुमारस्वामी

भाषा। बेंगलुरु

जनता दल सेकुलर (जदएस) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने दक्षिण के नेताओं को हिंदी राजनीति और भेदभाव के चलते मौका नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि इन बातों ने कई दक्षिण भारतीयों को प्रधानमंत्री बनने से रोका है। हिंदी नहीं जानने के कारण द्रमुक सांसद कनिमोई से सीआईएसएफ अधिकारियों द्वारा कथित रूप से क्या आप भारतीय हैं जैसा सवाल करने पर क्षोभ प्रकट करते हुए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ वर्ग पर दक्षिण का तिरस्कार करने और उसकी अनदेखी करने का आरोप लगाया। अपने ट्वीटों में उन्होंने कन्नड़ों को कई सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों की नौकरियों में मौकों से कथित रूप से वंचित रखने को लेकर भी चिंता प्रकट की और कहा कि व्यक्ति को या तो अंग्रेजी में या हिंदी परीक्षा देनी पड़ती है। कुमारस्वामी ने लिखा, द्रमुक सांसद कनिमोई से सवाल किया गया क्या आप भारतीय हैं? मैं बहन कनिमोई का किए गए अपमान पर अपनी आवाज उठाता हूं। उन्होंने लिखा, अब यह बहस करना बिल्कुल उपयुक्त है कि कैसे दक्षिण के नेताओं

से हिंदी-राजनीति और भेदभाव के चलते मौके छीन लिए गए। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद कनिमोई ने रविवार को आरोप लगाया था कि चेन्नई हवाईअड्डे पर जब वह हिंदी में नहीं बोल सकी, तब सीआईएसएफ की एक अधिकारी ने उनसे पूछा कि क्या वह भारतीय हैं। इस पर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने मामले की जांच का आदेश दिया। कुमारस्वामी ने कहा कि हिंदी की राजनीति ने कई दक्षिण भारतीयों को प्रधानमंत्री बनने से रोका है और एच डी देवेगौड़ा, करूणानिधि एवं कामराज उनमें प्रमुख है। उन्होंने कहा कि वैसे तो उनके पिता (देवेगौड़ा) इस बाधा को तोड़ने में सफल रहे लेकिन भाषा के कारण उनकी आलोचना किए जाने और उनकी उपहास उड़ाए जाने की कई घटनाएं सामने आईं। कुमारस्वामी ने कहा, हिंदी राजनीति तब प्रधानमंत्री देवेगौड़ा को लाल किले से अपना स्वतंत्रता दिवस भाषण हिंदी में दिलाने में सफल रही थी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री देवगौड़ा बिहार और उत्तर प्रदेश के किसानों के कारण ही अंततः राजी हुए। इस हद तक इस देश में हिंदी राजनीति काम करती है। उन्होंने कहा कि उनका भी ऐसा ही अनुभव रहा है क्योंकि वह दो बार लोकसभा के सदस्य रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सत्तारूढ़ वर्ग दक्षिण को तुच्छ मानकर उसकी अनदेखी करता है। मैंने बहुत नजदीक से देखा है कि कैसे हिंदी भाषी नेता पैंतरेबाजी करते हैं। उनमें से ज्यादातर गैर हिंदी नेताओं का सम्मान नहीं करते।

कनिमोई से सीआईएसएएफ कर्मी के सवाल पर स्टालिन ने पूछा- यह इंडिया है या हिंदिया है

चेन्नई। द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने अपनी बहन और पार्टी की सांसद कनिमोई से जुड़ी एक घटना को लेकर नाराजगी जताते हुए सोमवार को पूछा कि क्या भारतीय होने के लिए हिंदी जानना ही एक मापदंड है। हिंदी नहीं बोल पाने पर सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने कनिमोई से पूछा था कि क्या वह भारतीय हैं। द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने एक ट्वीट में कहा, भारतीय होने के लिए क्या हिंदी ही मापदंड है। यह इंडिया है या हिंदिया है। कनिमोई ने आरोप लगाया था कि हिंदी नहीं बोल पाने पर चेन्नई हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने उनसे पूछा कि क्या वह भारतीय हैं। द्रमुक दशकों से हिंदी थोपे जाने का विरोध करती रही है। स्टालिन ने ट्वीट में कहा कि बहुलवाद को खत्म करने की कोशिश करने वाले खत्म हो जाएंगे। कनिमोई ने रविवार को ट्वीट किया, मैं हिंदी नहीं जानती इसलिए तमिल या अंग्रेजी में बोलने के लिए कहने पर आज हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं भारतीय हूं। घटना के बाद अर्द्धसैन्य बल ने जांच का आदेश दिया। बल ने कहा सीआईएसएफ की नीति किसी खास भाषा पर जोर देने की नहीं है।

हिंदी, अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा बनाना चाहती है सरकार तो कर्मचारियों के दोनों भाषाओं के जानकार होने पर जोर दे: पी चिदंबरम

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों को देश की आधिकारिक भाषा बनाना चाहती है तो उसे अपने कर्मचारियों को इन दोनों भाषाओं की जानकारी रखने वाला बनाने पर जोर देना चाहिए। पूर्व गृह मंत्री ने चेन्नई हवाई अड्डे पर द्रमुक सांसद कनिमोई के हिंदी में बातचीत नहीं करने पर एक सीआईएसएफ अधिकारी द्वारा कथित तौर विवादित टिप्पणी किए जाने से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में यह बात कही है। चिदंबरम ने कहा कि कनिमोई को चेन्नई हवाई अड्डे पर जिस कड़वे अनुभव का सामना करना पड़ा है वो कोई असामान्य बात नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया, केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती होने वाले गैर हिंदीभाषी कर्मचारियों को जल्द ही कामकाज और बोलचाल के लायक की हिंदी सीखनी पड़ती है। हिंदी भाषी कर्मचारी कामकाज और बोलचाल के लायक अंग्रेजी क्यों नहीं सीख सकते? कांग्रेस नेता ने कहा, अगर केंद्र सरकार हिंदी और अंग्रेजी दोनों को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने को प्रतिबद्ध है तो फिर उसे इस बात पर जोर देना चाहिए कि केंद्र सरकार के सभी कर्मचारी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं के जानकार हों। गौरतलब है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोई ने रविवार को ट्वीट किया आज हवाई अड्डे पर जब मैंने सीआईएसएफ की एक अधिकारी से कहा कि वह तमिल या अंग्रेजी में बोलें क्योंकि मैं हिंदी नहीं जानती, तब उन्होंने मुझसे सवाल किया कि क्या मैं भारतीय हूं। सांसद ने हैशटैग हिंदी थोपना का इस्तेमाल करते हुए ट्विटर पर लिखा, मैं जानना चाहूंगी कि कब से भारतीय होना हिंदी जानने के समान हो गया है इस घटना पर सीआईएसएफ ने कहा कि उपयुक्त कार्वाई की जाएगी।

अमरोहा में 50 करोड़ की चंदन की लकड़ी जब्त

भाषा। नई दिल्ली

गैर कानूनी तरीके से चीन और जापान चंदन की लकड़ी को निर्यात करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उत्तर प्रदेश के अमरोहा से करीब 50 करोड़ रुपए कीमत की 144 क्विंटल चंदन की लकड़ी जब्त की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जब्त लाल और सफेद चंदन की लकड़ी के औषधि गुण होने की वजह से फार्मास्युटिकल उद्योग में भारी मांग है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर अमरोहा के गोदाम से यह लकड़ी जब्त की। अमरोहा पुलिस ने बयान जारी कर कहा, अमरोहा के गोदाम से 1.02 क्विंटल सफेद चंदन की लकड़ी, 132 क्विंटल लाल चंदन की लकड़ी और 11.375 क्विंटल चंदन की लकड़ी का चूरा बरामद किया गया है जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपए है। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों को मामले में गिरफ्तार किया गया है उनकी पहचान अरशद अली अंसारी, महमूद आलम अंसारी और मोहम्मद सलमान के रूप में की गई है और तीनों अमरोहा के ही रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर तीनों की गिरफ्तारी हुई।

पुलिस के मुताबिक दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था जिससे पूछताछ में चंदन की लकड़ी के अवैध कारोबार का खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बताया कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से गुजरात के अहमदाबाद और तेलंगाना के हैदराबाद सहित विभिन्न राज्यों से चंदन की लकड़ी खरीदी और अमरोहा के गोदाम में जमा किया। उन्होंने बताया, अमरोहा में चंदन की लकड़ी शाकिर नामक व्यक्ति के गोदाम में रखा जाता था। यहां पर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर गैर कानूनी तरीके से चीन, जापान और अन्य देशों को निर्यात किया जाता था।

लकड़ी को थर्माकोल और अन्य घरेलू इस्तेमाल में आने वाले सामान में छिपा कर भेजा जाता था। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसने सह आरोपी मोहम्मद शाकिर को पकड़ने के लिए छापेमारी की, जिसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-379 (चोरी), धारा-120बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज है। अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी शाकिर और उसका पिता कमर अहमद अंसारी फरार है और पुलिस उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है।

मप्र में ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल के पहले दिन 2,000 करोड़ का कारोबार थमा

इंदौर। ट्रांसपोर्टरों के एक प्रमुख संगठन ने सोमवार को दावा किया कि मध्य प्रदेश में उसकी हड़ताल के पहले दिन आज राज्य में 2,000 करोड़ रुपए का कारोबार थम गया और इससे सरकारी खजाने को लगभग 400 करोड़ रुपए के कर राजस्व की हानि हुई। हड़ताल में शामिल संगठनों के अगुवा ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के उपाध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) विजय कालरा ने कहा, "हमारे तीन दिवसीय लॉकडाउन के पहले दिन प्रदेश में करीब 6.5 लाख वाणिज्यिक वाहनों का चक्का थम गया। इनमें ट्रक और छोटी वाणिज्यिक गाड़ियां शामिल हैं।

उन्होंने कहा, इस लॉकडाउन के पहले दिन अलग-अलग उत्पादों का 2,000 करोड़ रुपए का कारोबार ठप रहा जिससे सरकार को लगभग 400 करोड़ रुपए के कर राजस्व की हानि हुई। इस बीच, राज्य की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल से जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई। हालांकि, कारोबारियों के संगठन अहिल्या चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा, चूंकि ट्रांसपोर्टरों ने अपनी हड़ताल की घोषणा कुछ दिन पहले ही कर दी थी। इसके मद्देनजर व्यापारियों ने पर्याप्त माल का स्टॉक पहले ही कर लिया था। वैसे हम ट्रांसपोर्टरों की मांगों का समर्थन करते हैं। हड़ताल में शामिल संगठन ट्रांसपोर्ट कारोबार पर कोविड-19 की मार का हवाला देते हुए सरकार से राहत की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि डीजल पर मूल्य संवर्धित कर (वैट) घटाया जाए और इस वित्त वर्ष की दो तिमाहियों (अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर) में पथ कर (रोड टैक्स) और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट दी जाए। संगठनों की यह मांग भी है कि राज्य सरकार द्वारा ट्रक चालकों का कोविड-19 का बीमा कराया जाए।

आज नहीं तो कुछ महीने बाद, राजस्थान में कांग्रेस सरकार गिरेगी: कटारिया

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस और राजस्थान में सचिन पायलट की अगुवाई वाले उसके असंतुष्ट खेमे के बीच सुलह होने के संकेतों के बीच भाजपा ने अपने विभिन्न विकल्पों पर विचार मंथन शुरू कर दिया है और 14 अगस्त को विधान सभा सत्र शुरू होने से पहले एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिश में जुटी है।

भाजपा विधायक दल के नेता गुलाब चंद कटारिया ने दावा किया कि कांग्रेस में एकता होगी भी तो अस्थाई रहेगी और सरकार देर-सबेर गिर ही जाएगी। कटारिया ने पीटीआई-भाषा से कहा कि भाजपा विधायकों की बैठक मंगलवार को बुलाई गई है। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जयपुर में होने वाली बैठक में शामिल हो सकती हैं। वह पिछले कुछ दिन से दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात कर रही हैं। राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ पायलट खेमे के 18 विधायकों की बगावत के बाद प्रदेश में भाजपा की रणनीति को लेकर विश्वास में नहीं रखे जाने से राजे के नाखुश होने की खबरों पर सूत्रों ने कहा कि मतभेद हो सकते हैं लेकिन अब सब एक साथ हैं। जहां ऐसा लगता है कि गहलोत के पास विधानसभा में बहुमत है, वहीं भाजपा नेताओं के अनुसार उनकी रणनीति छह बसपा विधायकों के भविष्य पर निर्भर करेगी जिनके कांग्रेस में विलय को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और शीर्ष अदालत इस विषय पर मंगलवार को सुनवाई करेगी। कटारिया ने कहा कि अगर गहलोत सरकार गिरती है तो यह कांग्रेस के आंतरिक कलह के कारण होगा और अगर यह चलती है तो यह नाराज गुटों के बीच किसी तरह की सुलह की वजह से होगा। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि अंततः गहलोत सरकार गिरेगी, आज नहीं गिरी तो कुछ महीने में यह गिर जाएगी।

पेज एक का शेष

राहुल, प्रियंका ने...

प्रमुख हैं। परिवार में यदि कोई परेशान होता है तो वे भी चैन से भोजन नहीं कर पाते हैं। उन्होंने एक महीने तक अपनी नाखुशी जाहिर की लेकिन अब उन्हें कोई नाराजगी नहीं है। लोगों से किए सभी वादे पार्टी पूरे करेगी। बताया जा रहा है कि शेष बागी भी सोमवार की रात को ही जयपुर लौट आएंगे।

मेल-मुलाकातों के बीच एआईसीसी के सचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस की तरफ से औपचारिक बयान जारी कर कहा कि पार्टी में सब ठीक है। पार्टी के शीर्ष नेताओं राहुल गांधी व प्रियंका वाड्रा के साथ बागी नेता सचिन पायलट की बातचीत बेहद सकारात्मक रही है। उनके बीच स्पष्ट, खुली और निर्णायक चर्चा हुई। बयान के मुताबिक, पायलट ने विस्तार के साथ अपनी शिकायतें बताईं। साथ ही उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस पार्टी कांग्रेस सरकार के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कांग्रेस के हवाले से बताया गया कि इस बैठक के बाद पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायकों की तरफ से उठाए गए मुद्दों का समाधान ढूंढने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला लिया। तीन सदस्यीय समिति पायलट खेमे से बातचीत कर उचित प्रस्ताव तैयार करेगी।

सूत्रों ने बताया कि पायलट पिछले कई दिनों से कांग्रेस नेतृत्व के संपर्क में थे। रविवार की रात उन्होंने एक वरिष्ठ नेता से कहा कि वे गांधी परिवार से मिलने को तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार, सचिन पायलट को घर लौटाने की सतत कोशिशें करतीं प्रियंका गांधी ने दो सप्ताह पहले उनसे दिल्ली में भेंट की थी। इसके बाद पायलट की कांग्रेस में कई स्तरों पर बातचीत जारी रही। पायलट को मनाने की प्रियंका की पिछली कोशिशें बेनतीजा रही थीं। पिछले महीने उन्होंने सचिन को राहुल व सोनिया से मुलाकात का प्रस्ताव भी दिया था जिसे उन्होंने यह कहकर ठुकरा दिया था कि गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाए बिना वे न तो किसी से मिलेंगे और न ही बात करेंगे। पायलट तब खुद को मुख्यमंत्री बनाए जाने के अलावा दूसरे किसी प्रस्ताव को मानने के लिए राजी नहीं थे। उनकी ना-नुकुर से निराश न होकर प्रियंका लगातार जुटी रहीं और घमासान तब ठंडा होता दिखा जब गहलोत सरकार के लिए निर्णायक साबित होने जा रहे राजस्थान विस सत्र शुरू होने में सिर्फ चार दिन रह गए हैं। पायलट ने खुली बगावत जरूर की लेकिन कांग्रेस नहीं छोड़ी। हालांकि, अपने समर्थक विधायकों के साथ वे भाजपा शासित हरियाणा में राज्य सरकार के मेजबान तो बने रहे परंतु भाजपा में शामिल नहीं हुए।

रिया चक्रवर्ती ...

के खातों से थोड़ी रकम शौविक के खाते में भेजी गई है। राजपूत के 74 वर्षीय पिता कृष्ण कुमार सिंह ने पटना में 25 जुलाई को रिया, उनके पिता इंद्रजीत, मां संध्या चक्रवर्ती, शौविक, राजपूत के प्रबंधक सैमुअल मिरांडा, मोदी और अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी तथा उनके बेटे को खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को एक नया मामला दर्ज किया और इन्हीं लोगों को आरोपी बनाया है। सिंह ने अपने बेटे के बैंक खातों में आर्थिक अनियमितता का भी आरोप लगाया है।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब...

अभिजीत मुखर्जी ने भी ट्वीट किया, मैं अपने पिता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं अपने देशवासियों से अपील करता हूं कि वे उनके शीघ्र ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें। विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, मुझे भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी मिली है... उनकी सेहत को लेकर चिंतित हूं। उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया, मैं प्रणब मुखर्जी के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। मुझे भरोसा है कि वह जल्द ही इस बीमारी से उबर जाएंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी मुखर्जी की अच्छी सेहत की कामना करते हुए कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि पूर्व राष्ट्रपति जल्द ही इस वायरस के संक्रमण से मुक्त होने में सफल होंगे। कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा, आश्चर्यजनक और चिंता का विषय है कि प्रेस की खबर के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।

देश में कोविड-19...

में 177, असम में 145, उत्तराखंड में 125, केरल में 108 मौतें हुई हैं। छत्तीसगढ़ में 96 मौतें हुईं हैं, इसके बाद पुडुचेरी में 87, गोवा में 75, त्रिपुरा में 42 और चंडीगढ़ में 25 मौतें हुईं हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 20 मौतें, हिमाचल प्रदेश में 15, मणिपुर में 11, लद्दाख में नौ और नागालैंड में आठ मौतें हुई हैं। मेघालय में छह और अरुणाचल प्रदेश में तीन लोगों की मौत हुई हैं, जबकि दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव में दो और सिक्किम में एक मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि मरने वालों में से 70 प्रतिशत को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने कहाकि हमारे आंकड़ों का मिलान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ किया जा रहा है, आंकड़े राज्यवार सत्यापन और प्रतिपुष्टि के अधीन हैं।

शाह फैसल ने ...

किया गया है। अब राजनीतिक समीकरणों के बदलने और राज्य में शीर्ष पद पर लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की तैनाती होने के बाद यह कहा जा रहा है कि शाह फैसल उनकी टीम का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि सरकार ने हाल ही में उन्हें यह महसूस कराया कि उनके सिविल सेवा में वापस शामिल होने से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। यदि वह वापस प्रशासनिक सेवा में शामिल होने का विकल्प चुनते हैं, तो वह जम्मू और कश्मीर में सबसे कम राजनीतिक करियर के लिए एक और रिकॉर्ड बनाएंगे। उन्होंने जेकेपीएम की स्थापना 2019 की शुरुआत में काफी धूमधाम से की थी। एक ईमानदार अधिकारी के रूप में लोकप्रिय फैसल के शुभचिंतकों ने उन्हें उसी समय उन्हें नौकरी छोड़कर राजनीति में शामिल होने के लिए आगाह किया था कि हो सकता है राजनीति उन्हें रास न आए।

नशे में धुत ...

किया है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि गन्नौर, सोनीपत के रहने वाले हवलदार वजीर सिंह दिल्ली पुलिस में पीसीआर में तैनात थे। उनकी तैनाती उत्तरी जिले में प्रखर वैन पर थी। वह मॉडल टाउन स्थित पीसीआर के बैरक में रह रहे थे। रविवार रात करीब 1.40 बजे वह प्रखर वैन पर चालक सिपाही अमित के साथ गश्त पर थे। इस बीच दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के नजदीक, खालसा कॉलेज के सामने चालक अमित, वैन को मोड़कर सड़क के दूसरी ओर ला रहा था। इसी दौरान सिविल लाइंस की ओर से तेज गति से आ रही होंडा सिटी कार चालक ने प्रखर वैन को जोरदार टक्कर मार दी। प्रखर वैन कलाबाजियां खाती हुई दूर जाकर पटल गई। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मेडिकल जांच में आरोपी मॉडल टाउन निवासी तुषार ने नशे में होने की पुष्टि हुई। घायल सिपाही अमित का इलाज जारी है। पुलिस ने प्रखर वैन और होंडा सिटी को भी कब्जे में ले लिया है।

मोरिकावा ने पीजीए खिताब जीता

सेन फ्रांसिस्को। कोलिन मोरिकावा ने अंतिम दौर में छह अंडर 64 के शानदार प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। कैलीफोर्निया के 23 साल के मोरिकावा ने पॉल कैसी (66) और डस्टिन जॉनसन (68) को दो शॉट से पछाड़ा। उनका कुल स्कोर 13 अंडर 267 रहा। यह पहला मेजर टूर्नामेंट था जिसका आयोजन दर्शकों की गैरमौजूदगी में किया गया।

सुभाशीष बोस ने मुंबई सिटी एफसी से नाता तोड़ा

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट की फ्रेंचाइजी मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को पुष्टि की कि डिफेंडर सुभाशीष बोस क्लब छोड़कर चले गए हैं। क्लब ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर घोषणा की, टीम के साथ दो यादगार सत्र के बाद सुभाशीष बोस मुंबई सिटी एफसी को छोड़कर चले गए हैं। क्लब में आपके योगदान के लिए धन्यवाद। हम आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते है। लेफ्ट बैक के रूप में खेलने वाले बोस ने मुंबई सिटी एफसी की ओर से 34 मैच खेले और इस दौरान एकमात्र गोल बेंगलुरू एफसी के खिलाफ जीत के दौरान किया।

हॉजेस ने जीता कोर्न फेरी टूर गोल्फ टूर्नामेंट

नार्थ प्लेन्स (अमेरिका)। अमेरिकी गोल्फर ली हॉजेस ने चौथे दौर में पार 71 का कार्ड खेलकर रविवार को दो शॉट की बढ़त के साथ कोर्न फेरी टूर पोर्टलैंड ओपन का खिताब अपने नाम किया। इस 25 साल के गोल्फर ने कुल 11 अंडर का स्कोर बनाया जो दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज चार गोल्फर से दो शॉट कम था। डेविड लिपस्की, कार्ल युआन, चाड रमी और पॉल बार्जन नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

तैयारी के समय की कमी के कारण महिला विश्व कप स्थगित किया गया

आक्लैंड। न्यूजीलैंड में होने वाले महिला एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप की सीईओ आंद्रिया नेल्सन ने कहा है कि खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व को लेकर काफी कम समय से जुड़ी चिंताओ के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महिला एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप को स्थगित किया गया और इस फैसले का न्यूजीलैंड में कोरोना वायरस को लेकर सुरक्षा मुद्दों से कुछ लेना देना नही है।
मेजबान न्यूजीलैंड हालांकि कोरोना वायरस से निपटने में सफल रहा है। देश में अब तक इस संक्रमण के सिर्फ 1569 पुष्ट मामले सामने आए है जिसमें से अधिकांश उबर चुके है। न्यूजीलैंड इस तरह इस वायरस से सबसे कम प्रभावित देशों में शामिल है। आंद्रिया ने स्थानीय मीडिया समूह एनजेडएमई से कहा, टूर्नामेंट के लिए टीमों के क्वालीफाई करने के समय को देखते हुए ऐसा किया गया। क्वालीफायर टूर्नामेंट जुलाई में खेला जाना था लेकिन महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

यूएई में आईपीएल को सरकार से मंजूरी : पटेल

● **वीवो के विकल्प पर फैसला 18 अगस्त तक**

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड को इस साल इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में कराने के लिए केंद्र सरकार से औपचारिक मंजूरी मिल गई है। लीग के चेयरमैन बृजेश पटेल ने सोमवार को यह जानकारी दी।
उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के नए टाइटल प्रायोजक की घोषणा 18 अगस्त तक हो जाएगी। इच्छुक कंपनियों को बोली जमा करने के लिए सात दिन का समय दिया जाएगा। आईपीएल संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच शारजाह, दुबई और अबुधाबी में खेला जाएगा। सरकार ने पिछले सप्ताह बीसीसीआई को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। भारत में कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते मामलों के कारण यूएई में टूर्नामेंट कराया जा रहा है। पटेल ने कहा, हमें लिखित मंजूरी मिल गई है। उनसे पूछा गया था कि क्या गृह और विदेश मंत्रालय दोनों ने लिखित में मंजूरी दे दी है। भारत का कोई भी खेल संगठन जब घरेलू टूर्नामेंट विदेश में कराता है तो गृह, विदेश और खेल मंत्रालय से मंजूरी लेनी होती है। बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, सरकार से मंजूरी मिलने के बाद हमने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड का बता दिया था। अब हमें लिखित मंजूरी भी मिल गई है तो टीमों को सूचित किया जाएगा। अधिकांश टीमें 20 अगस्त के बाद रवाना होंगी। उन्हें रवानगी से पहले 24 घंटे के भीतर दो आरटी पीसीआर टेस्ट कराने होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स टीम 22 अगस्त को रवाना होगी जिसका चेपॉक स्टेडियम पर एक छोटा शिविर लगाया जाएगा। चीनी मोबाइल कंपनी वीवो से करार टूटने के बाद बीसीसीआई को प्रायोजन तलाशने में भी दिक्कत हो रही है। यह 440 करोड़ रूपए का करार था जो भारत और चीन के सैनिकों के बीच सीमा पर हुई हिंसक झड़प के कारण चीनी उत्पादों और कंपनियों के बहिष्कार की मांग के बीच इस साल के लिए रद्द कर दिया गया है। बाबा रामदेव की पतंजलि ने नया टाइटल प्रायोजक बनने में रूचि दिखाई है। पटेल ने कहा कि वीवो का अलग होना कोई झटका नहीं है। कई कंपनियां पहले ही रूचि जता चुकी है। चाहे भारतीय कंपनी हो या विदेशी, जो सबसे ज्यादा बोली लगाएगी उसे ही अधिकार मिलेंगे। पूरी प्रक्रिया 18 अगस्त तक पूरी हो जाएगी।

भारतीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह कोरोना वायरस पॉजिटिव

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड मनदीप सिंह कोविड–19 के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं। वह इस घातक बीमारी से संक्रमित होने वाले छठे राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जालंधर के 25 साल के मनदीप में इस बीमारी के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं और बेंगलुरू में पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।
बेंगलुरू के साइ केंद्र में 20 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर शुरू होना है। साइ ने बयान में कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मनदीप सिंह का बेंगलुरू में साइ के नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय शिविर से पहले 20 अन्य खिलाड़ियों के साथ कोविड परीक्षण (आरटी पीसीआर) किया गया और यह पॉजिटिव आया है। लेकिन उसमें लक्षण नहीं दिख रहे हैं।

एंडरसन वापसी को बेताब, संन्यास का इरादा नहीं

मैनचेस्टर। पिछले एक दशक का संभवत: अपना सबसे लचर प्रदर्शन करने के बावजूद इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का संन्यास लेने का इरादा नहीं है। देश के सबसे सफल गेंदबाज का करियर क्या खत्म हो गया है इस संदर्भ में एंडरसन ने सोमवार को कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। हाल में 38 बरस के हुए एंडरसन ने कहा, जितना संभव हो मैं उतने अधिक समय तक खेलना चाहता हूं। एंडरसन की उम्र को देखते हुए उन्हें नियमित तौर पर संन्यास की अटकलों का सामना करना होगा और पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के लचर प्रदर्शन के बाद इस तरह की अटकलें तेज हुई हैं। इसने मुझे उस समय की याद दिला दी जब मैंने पहली बार खेलना शुरू किया था। जब आप हताश हो जाते हो और थोड़े नाराज होते हो तो आप तेज गति से गेंद फेंकने का प्रयास करते हो और बेशक इससे मदद नहीं मिलती। एंडरसन 590 टेस्ट विकेट के साथ सबसे सफल टेस्ट गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं।

कोविड–19 के बाद एथलेटिक्स और प्रगति कर सकता है : को

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने सोमवार को दावा किया कि कोरोना वायरस महामारी के कारण जारी लॉकडाउन के बीच फिट रहने के लिए अधिक लोगों ने दौड़ना शुरू किया जिसका दुनिया भर में स्थिति सामान्य होने पर यह खेल फायदा उठा सकता है। को ने कहा कि अधिक लोगों ने चलने और दौड़ने को आदत बनाने का एथलेटिक्स को फायदा मिल सकता है और उनका खेल इस बढ़े हुए आधार को मजबूत करने का प्रयास करेगा।
एशियाई एथलेटिक्स महासंघ (एएएफ) द्वारा आयोजित आनलाइन मीडिया सेमिनार के दौरान को ने कहा, हम स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए काफी अच्छी स्थिति में हैं। अनुसंधान में पता चला है कि लॉकडाउन के दौरान पहले की तुलना में अधिक लोगों ने एक्सरसाइज को अपनाया है।

भारतीय स्टेट बैंक
आंचलिक व्यवसाय कार्यालय–III, ए.ओ.–I,
11 संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोन : 011–23407868

सार्वजनिक सूचना

हम दिनांक 24–08–2020 की प्रभावी तिथि से अपनी निम्नवर्णित शाखाओं का अधिक सुविधाजनक स्थान पर विलय की सहर्ष घोषणा करते हैं :–

1. भारतीय स्टेट बैंक, आचार्य निकेतन शाखा, डी–39 ए आचार्य निकेतन, मयूर विहार फेज–1, दिल्ली, पिन : 110091 का भारतीय स्टेट बैंक, मयूर विहार फेज–1, 101/ए प्रताप नगर, दिल्ली, पिन : 110091 में विलय
फोन नंबर : 011–227503310
मोबाइल : 8826798331
2. भारतीय स्टेट बैंक, सचदेवा प्लाजा शाखा, प्रथम तल सचदेवा प्लाजा–II, मयूर विहार फेज–2, दिल्ली, पिन : 110091 का भारतीय स्टेट बैंक, मयूर विहार फेज–2, प्लॉट नंबर 9, ब्लॉक बी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, दिल्ली, पिन : 110091 में विलय
फोन नंबर : 011–22785682/83
मोबाइल : 9958147046
3. भारतीय स्टेट बैंक, सतनाम मार्ग शाखा, ए–223, चाची बिल्डिंग मेन रोड, कृष्णा नगर, दिल्ली : 110051 का भारतीय स्टेट बैंक, झील चौक, गांधी नगर शाखा, 409 झील खुरिंजा, गांधी नगर, दिल्ली, पिन : 110031 में विलय
फोन नंबर : 011–22053402
मोबाइल : 9990977082
4. भारतीय स्टेट बैंक, विवेक विहार फेज–II, ए–22, भू तल, फेज–II, विवेक विहार, दिल्ली, पिन– 110095 का भारतीय स्टेट बैंक, विवेक विहार शाखा, डी–212, विवेक विहार, दिल्ली–110092 में विलय
फोन नंबर : 011–011–43045441
मोबाइल : 8447999880

प्राधिकृत पदाधिकारी

PUBLIC NOTICE
The Public at large take notice that my client Sh. Sachin Rithalia S/o Late Sh. Dharamvir Rithalia R/o A-161, Todarmal Colony, Najafgarh, New Delhi-43 Hereby Declare that name of the father of My Client had been written Sh. Dharamvir instead of Dharamvir Rithalia in the death certificate therefore Dharamvir Rithalia and Dharamvir were the same person.
Yatender Sharma, Advocate
Chamber No. 628, 6th floor
Lawyer's Chamber Block Dwarka District Court, Sec-10 Dwarka, New Delhi-75
Tel: 9267948473,

स्टार्क ने चोट के कारण आईपीएल-18 में नहीं खेलने पाने के मामले में बीमा कंपनी से समझौता किया

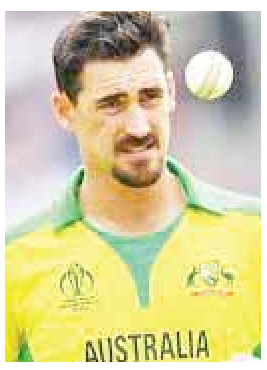

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने 2018 में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से नहीं खेल पाने के कारण 15 लाख 30 हजार डॉलर के बीमा भुगतान के मामले में समझौता कर लिया है।
सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के अनुसार, विक्टोरिया काउंटी अदालत में सुनवाई से सिर्फ दो दिन पहले सोमवार को यह समझौता हुआ। समझौते की शर्तों को जारी नहीं किया गया है जिसके वित्तीय समझौता भी शामिल है लेकिन कुछ दिनों में इसकी जानकारी अदालत को दी जाएगी। स्टार्क को 2018 आईपीएल से पहले केकेआर ने 18 लाख डॉलर (नौ करोड़ 40 लाख रुपए) में अनुबंधित किया था लेकिन वह दाएं पैर में चोट के कारण एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 10 मार्च 2018 को दावा किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टूटती हुई पिच पर पैरों के निशान के कारण उबड़ खाबड़ सतह पर गेंदबाजी करने के कारण उनकी दाईं पिंडली में दर्द है। अगले कुछ गेंदबाजी सत्र में हालत और खराब हो गई और तीसरे टेस्ट के दौरान उनके दाएं पैर में फ्रेक्चर हो गया।

बीसीसीआई ने चार महीने के लिए आईपीएल प्रायोजन की निविदाएं बुलाई

भाषा। नई दिल्ली

चीनी मोबाइल कंपनी वीवो की जगह आईपीएल के नए टाइटल प्रायोजक के साथ करार साढे चार महीने के लिए होगा और यह जरूरी नहीं कि सबसे उंची बोली लगाने वाले को ही अधिकार दिए जाए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। भारत और चीन की सेना के बीच सीमा पर हुई हिंसक झड़प के बाद भारतीय बोर्ड और वीवो के बीच अनुबंध इस साल के लिए रद्द कर दिया गया। बोर्ड ने सोमवार को नए प्रायोजन के लिए निविदाएं आमंत्रित की। सचिव जय शाह ने बोलियां जमा करने के लिए 13 बिंदुओं की घोषणा की। अधिकार पाने वाले के नाम का ऐलान 18 अगस्त को किया जाएगा। बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 14 अगस्त है। बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा, ए अधिकार 18 अगस्त 2020 से 31 दिसंबर 2020 की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। इसमें कहा गया, इसके बारे में विस्तार से जानकारी उन्हीं पक्षों को दी जाएगी जो ईओआई (एक्सप्रेस आफ इंटरेस्ट) जमा करेंगे और योग्य पाए जाएंगे। इसमें आगे कहा गया, यह स्पष्ट किया जाता है कि सबसे उंची बोली लगाने वाले तीसरे पक्ष को अधिकार देने के लिए बीसीसीआई बाध्य नहीं होगा। बीसीसीआई का फैसला कई अन्य बातों पर भी निर्भर करेगा। बीसीसीआई के अनुसार ईओआई तभी स्वीकार किया जाएगा जब तीसरे पक्ष का टर्नओवर पिछले आडिट किए गए खातों के अनुसार तीन सौ करोड़ रूपए से अधिक हो। बोली के साथ जांचे गए खातों की प्रति भी जमा करनी होगी।

पतंजलि आईपीएल टूर्नामेंट के नाम के प्रायोजक के लिए बोली लगाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। बाबा रामदेव की पंतजलि आयुर्वेद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट के नाम के प्रायोजक को लेकर बोली लगाने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चीन की मोबाइल हैंडसेट बनाने वाली वीवो के प्रायोजक से हटने के बाद नए सिरे से टूर्नामेंट के नाम के प्रायोजन के लिए बोली मंगाई जा रही है। इस कदम से हरिद्वार की इस कंपनी को वैश्विक बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।

फियोना ने एनेट को हराकर पालेर्मो ओपन का खिताब जीता

भाषा। पालेर्मो

फ्रांस की फियोना फेरो ने पालेर्मो लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में एस्टोनिया की चौथी वरीय एनेट कोंटावीट को हराकर उलटफेर करते हुए खिताब जीता। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी फियोना ने रविवार को 6–2, 7–5 से जीत दर्ज की। फ्रांस की इस खिलाड़ी ने फाइनल तक के अपने सफर के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया। तेईस साल की फियोना का यह दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब है। एनेट ने अब तक छह में से पांच फाइनल गंवाए हैं। मार्च में कोरोना वायरस के कारण टेनिस स्पर्धाएं निलंबित होने के बाद यह पुरुष या महिलाओं का पहला आधिकारिक टेनिस टूर्नामेंट है।
टूर्नामेंट के दौरान कड़े स्वास्थ्य नियमों का पालन किया गया। कोर्ट पर कम बॉल किड्स मौजूद थे जबकि सीमित संख्या में दर्शकों को स्टेडियम में आने की इजाजत थी। खिलाड़ियों को मैच के बाद हाथ मिलाने की स्वीकृति नहीं थी। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और अधिकारियों का प्रत्एक चार दिन में कोराना वायरस परीक्षण किया गया और पॉजिटिव पाई गई एक खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट गई।

आईसीसी चेयरमैन चुनाव : बोर्ड बैठक में कोई फैसला नहीं हो सका

भाषा। नई दिल्ली

● **सर्वसम्मति बनाने की क्वायद नाकाम**

आईसीसी निदेशकों के बोर्ड की बैठक सोमवार को बेनतीजा खत्म हो गई जिसमें शशांक मनोहर के बाद अगले चेयरमैन को लेकर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। सोमवार की बैठक का एक ही एजेंडा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना था लेकिन सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुनने को लेकर कोई कामयाबी नहीं मिल सकी। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया, कई मसलों पर सहमति नहीं बन सकी। पहले तो इसी पर मतभेद हैं कि सामान्य बहुमत से या दो तिहाई बहुमत से चुनाव होगा क्योंकि सदन में 17 सदस्य हैं। इसके अलावा ऐसा उम्मीदवार नहीं मिल पा रहा है जिसके नाम पर सर्वसम्मति हो। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी दौड़ में हैं या नहीं। आईसीसी के एक पूर्व निदेशक ने बताया, इंग्लैंड के कोलिन ग्रावेस दमदार उम्मीदवार है लेकिन सभी की रजामंदी उन पर नहीं है। कई देश उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे। इसी तरह वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डेव कैमरन भी दौड़ में शामिल हो सकते हैं लेकिन उनके नाम पर भी सबकी सहमति बनना मुश्किल है।

गुमशुदा की तलाश

राहुल

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़का जिसका **नाम:** राहुल, **पुत्र:** श्री मनोज, **पता:** गली नं. 7बी, स्वतंत्र नगर, नरेला, दिल्ली, **उम्र:** 15 साल, **कद:** 5'4'', **रंग:** गोरा, **चेहरा:** लम्बा, **बाल:** काले, **पहनावा:** पीले रंग की शर्ट, नीले रंग की जींस तथा पैरों में नीली हवाई चप्पल पहने है, जो दिनांक 09.06.2020 से पुलिस स्टेशन: नरेला, दिल्ली क्षेत्र से लापता है। इस बाबत **FIR No. 226/20, U/s 363 IPC, दिनांक 10.06.2020, थाना: नरेला, दिल्ली** में दर्ज है।
स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता लड़के के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लापता लड़के के बारे में जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/387/ON/2020

थाना प्रमुख
पुलिस स्टेशन, नरेला, दिल्ली
फोन: 011-27280435, 27282350 & 7065036323

छोटे कारोबारियों की मदद के लिए भूमि बैंक, सामुदायिक सूक्ष्म वित्त संस्थान बनाने का विचार : गडकरी

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार भूमि बैंक और सामुदायिक सूक्ष्म वित्त संस्थान बनाने जैसे विचारों पर काम कर रही है। ताकि लोगों के छोटी दुकानों और कारोबारों को चलाने में मदद की जा सके। उद्योग मंडल फिक्की की कर्नाटक इकाई द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन एमएसएमई सम्मेलन को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि हमें भारत का निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने को लेकर विचार करने की भी जरूरत है। चीन के निर्यात के बारे में गडकरी ने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था का कुल 30 प्रतिशत विनिर्माण चीन में होता है। करीब 10 ऐसी बड़ी निर्यात श्रेणियां हैं जो कुल निर्यात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपकर इत्यादि शामिल हैं।

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Axis Bank Ltd. having its address at Noida is inclined to grant Loan facility against Apartment No. 108, Block-A, on First Floor, having super area measuring 1413.91 Sq. Ft. i.e. 131.35 Sq. Mts., in Sunbreeze Apartments, built on Plot No. 3, situated in the Vaishali Group Housing Scheme, Vaishali, Ghaziabad (U.P.) (hereinafter referred to as "Said Property") belonging to Sh. Virendra Kumar Gupta and after the death of Late Virendra Kumar Gupta the Said Property devolved in favour of Sh. Aditya Jain S/o. Smt. Vibha Jain R/o. D-6/13B, Vasant Vihar, New Delhi-110057 by virtue of the Will dated 16-06-2008. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 10 days from the date of this notice on the number mentioned herein below, failing which my client i.e. Axis Bank Ltd. shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Himanshu Ahuja (Advocate)
Contact No- 9810310373/011-41830049
Email Address:-alolegals@gmail.com

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Aasma Urf Nazma Khatoon, D/o Kudarat W/o. Wasiuddin, R/o. R-120, Gali No.7, Jogabai Extension, Jamia Nagar New Delhi-110025 have changed my name as Nazma Khatoon for all future purposes.
PD(8711)A

आईएचसीएल ने की आई–ज़ेस्ट की शुरूआत

मुंबई। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी –आईएचसीएल ने आज आईज़ेस्ट आईएचसीएल का जीरो–टच सर्विस ट्रांसफॉर्मेशन की शुरूआत और कार्यान्वयन की घोषणा की। आई–ज़ेस्ट में डिजिटल उपाय हैं जो आईएचसीएल के ब्रांड्स, ताज विवांता और सेलेक्शंस में लागू किए गए हैं। कही पर भी स्पर्श किए बिना चेक–इन और चेक–आउट। डिजिटल इन्वॉइसिंग, ऑनलाइन पेमेंट के विकल्प और क्यूआर कोड्स से लेकर रेस्टोरेंट्स में डिजिटल मेन्यू तक आई–जेस्ट के सभी डिजिटल उपाय मेहमानों और असोसिएट्स इन दोनों को सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन करने की सुविधा देते हैं साथ ही उन्हें सुरक्षित और अखंडित सेवाएं प्रदान करने में भी मदद करते हैं। कंपनी ने हाल ही में एक विशेष मोबाईल ऐप के जरिए अपने नामचीन रेस्टोरेंट्स से खाने की डिलीवरी सेवा भी शुरू की हैए और अब उसके तुरंत बाद कंपनी ने यह डिजिटल पहल शुरू की है।

निकोबार द्वीप में ट्रांस शिपमेंट बंदरगाह के निर्माण की योजना : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

● **समुद्री आप्टिकल फाइबर परियोजना का वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए ग्रेट निकोबार द्वीप में 10,000 करोड़ रुपए की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अंडमान निकोबार, बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केन्द्र के रूप में विकसित होने वाला है। मोदी ने चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह को तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने वाली पहली समुद्री आप्टिकल फाइबर परियोजना का वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में यह जानकारी दी। भारत की मुख्य भूमि से 2,312 किलोमीटर दूर तक इस केबल को समुद्र के अंदर बिछाया गया है जिस पर।,224 करोड़ रुपए की लागत आई है। इससे इस द्वीप समूह को बेहतर और सस्ती ब्रॉडबैंड संपर्क सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा कि अंडमान निकोबार को बंदरगाह से जुड़ी तमाम विकास गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह क्षेत्र दुनिया के कई ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों के मुकाबले काफी प्रतिस्पर्धी दूरी पर स्थित है। मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया यह मान रही है कि जिस देश में बंदरगाह का नेटवर्क और कनेक्टिविटी बेहतर होगी, वही 21वीं सदी के व्यापार को गति देगा।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी

● **सेंसेक्स 142 अंक लाभ में, एलएण्डटी 4 प्रतिशत मजबूत**

भाषा। मुंबई

वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने और निवेशकों की लिवाली बढ़ने से सोमवार को बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 142 अंक चढ़ गया। यह लगातार तीसरा कारोबारी दिवस रहा जब शेयर बाजार में तेजी रही। इस दौरान वित्त, औषधि और इंजीनियरिंग कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 390.12 अंक तक चढ़ गया था लेकिन बाद में मुनाफा वसूली से यह बढ़त कम हो गई और अंत में सेंसेक्स 141.51 अंक यानी 0.37 प्रतिशत लाभ के साथ 38,182.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचंज (एनएसई) का निफ्टी 56.10 अंक यानी 0.50 प्रतिशत बढ़कर 11,270.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में लार्सन एण्ड टुब्रो 4.81 प्रतिशत बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, सन फार्मा, एनटीपीसी, स्टेट बैंक, टेक महिन्द्रा, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर भी लाभ में रहे। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, मारुति, बजाज फिनसर्व, अल्ट्रा टेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 1.26 प्रतिशत तक गिरावट रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक गत सप्ताहांत शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में 397.32 करोड़ रुपए की शुद्ध लिवाली की। बाजार सूत्रों का कहना है कि वैश्विक बाजारों से मजबूती के संकेत मिलने से बाजार में उत्साह बढ़ा।

हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड
Hero FinCorp.
सीआईएन : यू74899डीएल1991पीएलसी046774
पंजीकृत कार्यालय: 34, कम्युनिटी सेन्टर, बसन्त लोक, वसन्त विहार, नई दिल्ली–110057
फोन: 011–4948 7150 फैक्स : 011–4948 7197, 011–4948 7198
ई–मेल: litigation@herofincorp.com वेबसाइट: www.herofincorp.com

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित को सूचना दी जाती है :

1. मैसर्स श्री अम्बिका आयरन इंडस्ट्रीज (कर्जदार), जिसका कार्यालय 1ए, नंदा मलिक लेन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700006, अन्य पता : 8/1, डायमंड हार्बर रोड, अलीपोर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700027, अन्य पता : 206, कैलाश पाटीदार, संजय नगर, मिसरोड, भोपाल, मध्य प्रदेश–462026 में स्थित है।
2. श्री मनोज छौछरिया (गारंटर), जिसका कार्यालय 8/1, डायमंड हार्बर रोड, अलीपोर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700027 में स्थित है।
3. मैसर्स असम साई मोटर्स प्रा. लि. (गारंटर), जिसका कार्यालय 1ए, नंदा मलिक लेन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700006 में स्थित है।
4. मैसर्स मनोज एंटरप्राइजेज (गारंटर/बंधकदाता), जिसका कार्यालय 1ए, नंदा मलिक लेन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700006 में स्थित है।
5. मैसर्स वेदा फार्म इम्प्लीमेंट्स प्रा. लि. (गारंटर), जिसका कार्यालय 206, कैलाश पाटीदार, संजय नगर, मिसरोड, भोपाल, मध्य प्रदेश–462026 में स्थित है।
6. श्री गौरव छौछरिया (गारंटर), निवासी 8/1, डायमंड हार्बर रोड, अलीपोर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700027
7. श्रीमती अनु छौछरिया (गारंटर), निवासी 8/1, डायमंड हार्बर रोड, अलीपोर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700027
8. सुश्री हर्षिता छौछरिया (गारंटर), निवासी 8/1, डायमंड हार्बर रोड, अलीपोर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700027

उपरिवर्णित कर्जदारों ने मैसर्स हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड (इसमें आगे "एचएफसीएल" कही गई है) के साथ दो (02) मास्टर सुविधा अनुबंध, (02) अनुपूरक अनुबंध तथा (02) परिशिष्ट अनुबंध सभी दिनांकित 31–11–2018 निम्नलिखित प्रतिभूत आस्तियों को एचएफसीएल के पक्ष में बंधक रखने द्वारा एचएफसीएल से रू. 1,75,00,000/– (रू. एक करोड़ पचहत्तर लाख मात्र) तथा रू. 75,00,000/– (रू. पचहत्तर लाख मात्र) की क्रेडिट सुविधाएं प्राप्त करने हेतु निष्पादित किए थे :
"प्लॉट क्षेत्रफल परिमाप 5000वर्ग मीटर, सर्वे सं. – प्लॉट नंबर 70/एफबीडी, जो शहरी सम्पदा, फरीदाबाद में स्थित है"
उपरिवर्णित सम्पत्ति इसमें आगे "प्रत्याभूत आस्ति" कही जाएगी। प्रत्याभूत आस्ति ऋण तथा ब्याज और अन्य प्रभारों की सम्यक् वापसी सुरक्षित करने के लिए एचएफसीएल के पास प्रतिभूति के रूप में बंधक रखी गई हैं। तथापि, कर्जदार ने ऋण, ब्याज तथा अन्य प्रभारों के सम्यक् प्रतिभुगतान में चूक की है। इस संबंध में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसमें आगे "सरफासी ऐक्ट, 2002 कहा गया है) की धारा 13(2) के तहत मांग सूचना, एचएफसीएल के पास उपलब्ध उपरोक्त कर्जदार के अंतिम ज्ञात पते पर, भेजी गई थी।
इस प्रकाशन द्वारा, एचएफसीएल एतद्द्वारा एक बार पुनः मैसर्स श्री अम्बिका आयरन इंडस्ट्रीज (कर्जदार), श्री मनोज छौछरिया (गारंटर), मैसर्स असम साई मोटर्स प्रा. लि. (गारंटर), मैसर्स मनोज एंटरप्राइजेज (गारंटर/बंधकदाता), मैसर्स वेदा फार्म इम्प्लीमेंट्स प्रा. लि. (गारंटर), श्री गौरव छौछरिया (गारंटर), श्रीमती अनु छौछरिया (गारंटर), सुश्री हर्षिता छौछरिया (गारंटर) से दिनांक 18–06–2020 तक पूरी बकाया राशि रू. 2,27,29,873,34/– (रू. दो करोड़ सत्ताईस लाख उन्तीस हजार आठ सौ तिहत्तर तथा पैसे चौंतीस मात्र) का भुगतान इस सूचना से 60 दिन के भीतर करने की मांग की जाती है, जिसमें असफल रहने पर, एचएफसीएल प्रतिभूत आस्तियों के संबंध में सरफासी ऐक्ट, 2002 के किसी एक या सभी प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्यवाही करेगी, जिसमें कर्जदार की प्रतिभूत आस्ति का कब्जा प्राप्त करने तथा उनकी बिक्री करना शामिल है।
इसके अतिरिक्त, सरफासी ऐक्ट, 2002 की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसरण में, कर्जदार एतद्द्वारा उपरोक्त ऋण अनुबंधों तथा/अथवा सरफासी ऐक्ट, 2002 के प्रावधानों के उल्लंघन में उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों की किसी भी रूप में बिक्री करने/बिक्री/पट्टा द्वारा हस्तांतरित अथवा परित्याग करने अथवा संव्यवहार करने हेतु प्रतिबंधित किया जाता है। एतद्द्वारा सर्व साधारण को भी सूचित किया जाता है कि वे उपरिवर्णित प्रतिभूत आस्ति के संबंध में किसी भी रूप में कोई संव्यवहार नहीं करें क्योंकि एचएफसीएल का उन पर प्रथम और अनन्य प्रभार है।

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड

तिथि : 11–08–2020
स्थान : पश्चिम बंगाल

भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता का किया विरोध

● भारतीय-अमेरिकी नागरिक शांतिपूर्वक यूएस कैपिटल के सामने स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय मॉल पर एकत्रित हुए

भाषा। वाशिंगटन

राजधानी वाशिंगटन और उसके आस-पास के क्षेत्रों में भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह ने भारत के प्रति चीन की आक्रमकता और देश के अशांत मुस्लिम बहुल शिनजियांग क्षेत्र में उइगर अल्पसंख्यक समूह के मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ यहां प्रदर्शन किए। शारीरिक दूरी बरकरार रखते हुए और मास्क पहने हुए, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी रविवार को यूएस कैपिटल के सामने स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय मॉल पर एकत्रित हुए और उन्होंने चीन विरोधी पोस्टर, बैनर दिखाए तथा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) और उसके नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की।ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी यूएसके के अदापा प्रसाद ने कहा, इन गर्मियों में जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस से लड़ रही थी, चीन दूसरे की जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा था। यह न सिर्फ भारत में लद्दाख की बात है बल्कि उसके अन्य पड़ोसियों के संबंध में भी है। अब समय है कि विश्व इस चीनी आक्रमता के खिलाफ एकजुट हो। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पांच मई के बाद से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आस-पास के कई इलाकों में गतिरोध जारी है। यह स्थिति 15 जून को गलवान घाटी संघर्ष के बाद से बिगड़ गई थी जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और चीनी सैनिकों के मारे जाने की भी खबरें आईं लेकिन उनकी संख्या पता नहीं चली।भारतीय मूल के अमेरिकी रिपब्लिकन एवं प्राउड अमेरिकन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी के संस्थापक पुनीत अहलुवालिया ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने उइगर समुदाय के धार्मिक अधिकारों का हनन किया है और हांगकांग के लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है। वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर बनने की दौड़ में शामिल अहलुवालिया ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के खिलाफ सख्त कदम बिलकुल सही दिशा में है। उन्होंने कहा, चीन को अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानना ही होगा। अहलुवालिया ने कहा, हमने देखा है कि उन्होंने अफ्रीका में क्या किया। हमने देखा कि वे ईरान में क्या कर रहे हैं। सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात है कि उन्होंने हाल में भारत की पीठ में छुरा घोंपा। साथ ही आरोप लगाया कि चीन विभिन्न सोशल मीडिया ऐप के जरिए और डेटा एवं सूचना चोरी कर अमेरिकियों की जासूसी कर रहा है। ग्रेटर वाशिंगटन डीसी इलाके से प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी सुनील सिंह ने भारत में चीनी ऐप प्रतिबंधित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले की प्रशंसा की।भारत के लोगों ने चीनी सामान खरीदना बंद कर दिया है, यह ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को भी ऐसा ही कदम उठाने की जरूरत है। यह वाशिंगटन डीसी में भारतीय-अमेरिकियों द्वारा चीन के खिलाफ दूसरा बड़ा प्रदर्शन है।

थाईलैंडः उत्तरी बैंकाक स्थित विवि परिसर में मोबाइल की टार्च जलाकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते छात्र

मलेशिया के पूर्व वित्त मंत्री पर रिश्वत मामले में फिर से लगे आरोप

एपी। पेनांग (मलेशिया)

मलेशिया के पूर्व वित्त मंत्री ने समुद्र के भीतर सुरंग बनाने की परियोजना से जुड़े 1.5 अरब डॉलर की रिश्वत के दूसरे आरोप में सोमवार को खुद को निर्दोष बताया और इसे नई सरकार की ओर से बनाया एक फर्जी मामला करार दिया।लिम ग्वान इंग पर सबसे पहले शुक्रवार को आरोप लगाया गया। आरोप में उन पर 2011 में उत्तरी पेनांग राज्य से जुड़ी परियोजना में संभावित लाभ का 10 फीसदी मांगने का आरोप लगाया गया। सोमवार को उन पर आरोप लगा है कि उन्होंने पेनांग के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी शक्ति का इस्तेमाल एक स्थानीय कंपनी को ठेका दिलाने में मदद करके 7,86,182 डॉलर हासिल करने में किया।इस परियोजना को लिम के पेनांग के मुख्यमंत्री रहने के दौरान मंजूरी मिली। वह मलेशिया का वित्त मंत्री बनने से पहले 2008-2018 के बीच यहां मुख्यमंत्री थे। लिम मार्च में सत्ता से बाहर हुई सरकार का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि रिश्वत रोधी अधिकारियों ने उनसे कभी 7,86,182 डॉलर के मामले में पूछताछ नहीं की और न ही ऐसा कोई सबूत है कि उन्होंने रिश्वत ली। उन्होंने इस ओर भी इशारा किया कि इस आरोप में कोई स्पष्ट समय (2011-2017) भी नहीं दिया गया है।लिम ने सुनवाई के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह बिल्कुल ही निराधार आरोप है और राजनीति से प्रेरित है। मैं खुद को निर्दोष साबित करने की लड़ाई अदालत में लड़ूंगा। प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन ने मार्च में सत्ता संभाली है। उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन से अपनी पार्टी को अलग कर लिया था और तत्कालीन प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने इसके विरोध में इस्तीफा दे दिया था। मुहिद्दीन की नई मलय केंद्रित सरकार में कई ऐसी पार्टियां है जिन पर रिश्वत लेने के आरोप हैं और ए पार्टियां 2018 के आम चुनाव में हार गई थी।कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि लिम पर मुकदमा जल्दी चुनाव की संभावना का संकेत हो सकता है। मुहिद्दीन पर गठबंधन पार्टियों की ओर से जल्द चुनाव कराने का दबाव डाला जा रहा है क्योंकि उनकी अनिर्वाचित सरकार के पास संसद में सिर्फ दो सीटों का बहुमत है। तय समय-सारिणी के हिसाब से मलेशिया में अगला चुनाव में 2023 में है।

ट्रंप के वैश्विक महामारी से राहत के आदेशों के दायरे सीमित हैं

एपी। न्यूयॉर्क

आर्थिक मंदी से जूझ रहे अमेरिकियों की मदद के लिए लाए गए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए शासकीय आदेशों का दायरा ऐसे किसी भी वैश्विक महामारी राहत विधेयक की तुलना में कम है जो कांग्रेस पारित करेगी।ट्रंप ने दूसरे महामारी राहत विधेयक की बातचीत पर गतिरोध बनने के बाद शनिवार को यह आदेश पारित किया। डेमोक्रेट्स ने शुरुआती तौर पर 3.4 हजार अरब डॉलर का पैकेज मांगा था लेकिन बाद में कहा कि वह अपनी मांग को कम कर दो हजार अरब डॉलर कर रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी ने एक हजार अरब डॉलर की योजना का प्रस्ताव दिया था।ट्रंप के कदम कितने प्रभावी होंगे इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। पूरक बेरोजगारी बीमा भुगतान के संबंध में आदेश राज्य के योगदान पर निर्भर करता है जो अमल में नहीं भी आ सकता है।वेतन भुगतान कर अदायगी स्थगन कर्मचारियों के लिए खर्च करने योग्य अधिक राशि के रूप में बदल सके इसकी संभावना भी कम है क्योंकि यह इस बात पर निर्भर होगा कि नियोक्ता इसे लागू कैसे करते हैं।ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव से तीन महीने पहले यह सब करके चुनाव में बढत हासिल करना चाहते हैं। नवंबर के चुनावों में उनका सामना डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन से होगा। वह अब तक चार शासकीय आदेश लेकर आए हैं जिनमें पहला है बेरोजगारी बीमा जिसके तहत प्रकोप के दौरान नौकरी गंवाने वालेलाखों अमेरिकियों को पूरक संघीय बेरोजगारी लाभ दिया जाएगा। इस आदेश के तहत प्रत्एक हफ्ते 400 डॉलर का भुगतान किया जाएगा। दूसरा आदेश पेरोल कर अदायगी स्थगित करने से जुड़ा है जिसके तहत नियोक्ता पेरोल कर के कर्मचारी वाले हिस्से को लेने में देरी कर सकते हैं। इनमें वेतन पर 6.2 प्रतिशत समाजिक सुरक्षा कर भी शामिल है। इसका मकसद हाथ में आने वाला वेतन बढ़ाना है।तीसरा आदेश बेदखल किए जाने के संकट से जुड़ा हुआ है। ट्रंप ने राजकोष और आवासन एवं शहरी विकास विभागों को कोषों की पहचान कर उन लोगों को मदद देने का निर्देश दिया है जो मासिक किराया देने में समस्या का सामना कर रहे हैं।वहीं चौथा आदेश सरकार समर्थित विद्यार्थी कर्ज से जुड़ा हुआ है जिसके तहत विद्यार्थियों द्वारा लिए गए कर्ज पर रोक की अवधि बढ़ाई गई है। इस प्रतिबंध के तहत देर से भुगतान किए जाने पर लगने वाला ब्याज माफ किया गया है।

क्विक न्यूज

पाक में कोविड-19 मरीजों की कुल संख्या 2,84,660 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 539 नए मरीज सामने आने के साथ देश में कोरोना वायरस के संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2,84,660 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि गत रात 15 और लोगों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई है। इसके साथ ही पाकिस्तान में अबतक 6,097 लोगों की मौत कोरोना वायरस से हो चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि 2,60,764 कोविड-19 मरीज ठीक हो चुके है जबकि 776 मरीजों की हालत गंभीर है। मंत्रालय ने कहा कि 539 और लोगो के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के साथ देश में कुल संक्रमितों की संख्या 2,84,660 हो गई। मंत्रालय के मुताबिक सिंध प्रांत मे सबसे अधिका,23,849 मामले आए है जबकि पंजाब मे 94,477, खैबर पख्तूनख्वा में 34,692,इस्लामाबाद में 15,261, बलूचिस्तान मे 11,906, गिलगित बालतिस्तान मे 2,334, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,141 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मंत्रालय ने बताया कि अबतक पाकिस्तान मे 21,47,584 नमूनों की जांच की गई है जिनमे से 20,495 नमूनों की जांच गत 24 घंटे में की गई।

चीन में स्थानीय तौर पर वायरस के प्रसार के मामलों में कमी आई

बीजिंग। चीन मे बीते 24 घंटे मे कोरोना वायरस के स्थानीय स्तर पर प्रसार के सिर्फ 14 मामले सामने आए है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को बताया कि अन्य देशों से चीन लौटे 35 नागरिक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है। ए नागरिक सात अलग-अलग शहरों व प्रांतो में पहुंचे थे। स्थानीय तौर पर प्रसार के सभी मामले शिनजिआंग क्षेत्र के है। इसका मुख्य शहर उरूमकी महामारी के प्रकोप का नया केंद्र है।कड़े यात्रा प्रतिबंध, व्यापक जांच और कुछ इलाकों मे लॉकडाउन उरूमकी में नए मामलो को कम करने मे प्रभावी प्रतीत हो रहा है। चीन मे 802 लोगो का इलाज चल रहा है जिनमे से 41 की हालत गंभीर है।चीन में 84,688 मामले सामने आए है और 4,634 लोगों की मौत हुई है। हांगकांग में 72 और मामले सामने आए है तथा पांच लोगो की मौत हुई है।

अमेरिकी मंत्री अजर ने ताइवान की राष्ट्रपति साई से की मुलाकात

ताइपे। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री एलेक्स अज़र ने ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन से सोमवार को मुलाकात की। 1979 में ताइपे और वाशिंगटन के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंधों पर विराम लगने के बाद से अमेरिकी कैबिनेट के किसी अधिकारी का यह पहला उच्च स्तरीय दौरा है। राष्ट्रपति कार्यालय मे साई ने पत्रकारों से कहा कि वह कोरोनो वायरस महामारी से निपटने और अन्य मुद्दों पर और अधिक सहयोग की उम्मीद करती है ताकि हिंद प्रशांत क्षेत्र में सतत शांतिपूर्ण विकास के लिए संयुक्त रूप से योगदान दे सकें। अज़र ने कोविड-19 से निपटने के ताइवान के कदमों की सराहना की ओर कहा कि इसकी सफलता ताइवान के समाज और संस्कृति की खुली, पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक प्रवृत्ति को दर्शाती है। अज़र ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ताइवान के लिए मित्रता एवं मजबूत समर्थन का संदेश देने के लिए यहां आना मेरे लिए गर्व की बात है। बीजिंग ने अज़र के इस दौरे की आलोचना करते हुए कहा था कि यह चीन के दावे वाले क्षेत्र से आधिकारिक संबंध ना रखने की अमेरिका की प्रतिबद्धता का उल्लंघन है।

हांगकांग के शक्तिशाली मीडिया उद्यमी जिम्मी लाय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार

हांगकांग। हांगकांग के मीडिया के बेताज बादशाह जिम्मी लाय को विदेशी ताकतों के साथ साठगांठ के संदेह मे सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके सहयोगी ने यह जानकारी दी। पिछले साल हुए प्रदर्शनों के बाद शहर में बीजिंग की ओर से लागू किए गए नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत यह सबसे हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी है। मार्क सिमोन ने ट्विटर पर कहा, जिम्मी लाय को इस वक्त विदेशी शक्तियों के साथ मिलीभगत के सिलसिले मे गिरफ्तार किया गया है। हांगकांग पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने के संदेह में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है लेकिन बयान मे गिरफ्तार किए गए लोगो के नाम का ब्यौरा नही दिया गया है। लोकप्रिय टैब्लायड एप्पल डेली के मालिक लाय हांगकांग में लोकतंत्र के समर्थन मे आवाज उठाने वाली प्रमुख हस्ती है और लगातार चीन के निरंकुश शासन की आलोचना करते है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून 30 जून को प्रभावी हुआ था और इसे असहमति को दबाने के तरीके के तौर पर देखा जा रहा है। सिमोन ने कहा कि पुलिस ने लाय और उनके बेटे दोनो के घर के साथ-साथ मीडिया समूह नेक्स डिजिटल के अन्य सदस्यों के घरों की भी तलाशी ली। लाय की ही तरह, एप्पल डेली भी लोकतंत्र का पक्षधर रहा है और अक्सर अपने पाठकों से लोकतंत्र के समर्थन वाले प्रदर्शनों मे हिस्सा लेने की अपील करता है।

शिकागो में लूटपाट की घटनाओं के बाद 100 से अधिक लोग गिरफ्तार

एपी। शिकागो

अमेरिका के शिकागो में एक दिन पहले हुई लूटपाट और अराजकता की घटनाओं के बाद सोमवार को 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसके चलते कारोबारी इलाके मैग्निफिसेंट माइल समेत शहर के अन्य हिस्सों में संपत्ति को भारी क्षति पहुंची और 13 अधिकारी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक डेविड ब्राउन ने कहा, यह एक संगठित विरोध नहीं था बल्कि शुद्ध आपराधिक घटना थी। पिछले दिन शहर के पड़ोसी इलाके एंगलवुड में एक व्यक्ति को पुलिस की गोली लगने के बाद यह सब कुछ शुरू हुआ। सोमवार तड़के ऐसे भी हालात बने, जब पुलिस पर गोलियां चलाई गईं और अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की।

ब्राउन ने कहा कि अगली सूचना तक शहर के भीड़ भरे इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की संभावना है। शिकागो की मेयर लोरि लाइटफुट ने कहा, यह सीधे तौर पर आपराधिक कृत्य था। यह हमारे शहर पर हमला था। वहीं, पुलिस प्रवक्ता ने ट्वीट करके कहा कि गोलीबारी में कोई अधिकारी घायल नहीं हुआ। काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को मिनियापोलिस में हुई मौत के चलते शिकागो में हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद कई व्यापारिक संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई थी। ए हाल ही में दोबारा खुले थे जोकि फिर अराजकता की चपेट में आ गए। मैग्निफिसेंट माइल इलाके में रविवार मध्य रात्रि के कुछ ही देर बाद पुलिस विरोधी हालात बनने लगे और अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई। इससे कुछ ही घंटे पहले करीब 16 किलोमीटर दूर स्थित पड़ोसी इलाके एंगलवुड में रविवार को पुलिस की गोली लगने से एक व्यक्ति के घायल होने के बाद दर्जनों लोग पुलिस से भिड़ गए थे। शिकागो के सबसे भीड़ भरे पर्यटन स्थल मैग्निफिसेंट माइल इलाके में उग्र भीड़ ने कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और होटलों आदि में लूटपाट की और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

बर्लिन वाल मेमोरियल में अपने भ्रमण के दौरान जर्मनी के विदेश मंत्री हेको मॉस व दक्षिण कोरियाई समकक्ष क्वांग वॉ । साथ हैं मेमोरियल के डायरेक्टर एक्सिल (दाएं)

कोविड-19 : श्रीलंका में स्कूल पूरी तरह से खुले

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका में कोरोना वायरस की महामारी को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से करीब चार महीने से बंद स्कूल सोमवार से दोबारा पूरी तरह से खोल दिए गए।

श्रीलंका में मार्च मे मध्य में कोविड-19 का पहला मरीज सामने आने के साथ सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया था। जुलाई में कुछ चुनिंदा कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को खोला गया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही कोरोना वायरस के नए मामले सामने आने की वजह से इन्हें बंद कर दिया गया। शिक्षा सचिव एनएचएम चित्रनंदा ने बताया, सभी स्कूलों को आज दोबारा खोल दिया गया है और संबंधित कक्षाएं सामाजिक दूरी के आधार पर शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि 200 से कम विद्यार्थियों वाले स्कूल मार्च में महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन से पहले की तरह संचलित होंगे। वह पूर्व की तरह कक्षाएं संचालित करेंगे। उन्हें विद्यार्थियों के बीच एक मीटर की सामाजिक दूरी का अनुपालन करना होगा। उन्होंने कहा कि वे स्कूल जिनमें 200 से अधिक विद्यार्थी हैं उन्हें फैसला करना होगा कि स्वास्थ्य दिशानिर्देश के तहत सामाजिक दूरी का अनुपालन करने के लिए किस कक्षा के विद्यार्थी किस दिन स्कूल आएंगे। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों में मौजूद कैंटीन को स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा कोविड-19 के नियंत्रण में होने की पुष्टि होने तक खोलने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों को दोबारा खोलने का फैसला श्रीलंका द्वारा कोरोना वायरस के सामुदायिक स्तर पर संक्रमण को सफलापूर्वक नियंत्रित करने के बाद लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका में समुदाय स्तर पर संक्रमण का एक भी मामला 30 अप्रैल के बाद से नहीं आया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि महामारी का खतरा अभी टला नहीं है। गौरतलब है कि श्रीलंका में कोरोना वायरस से संक्रमण के 2,844 मामले सामने आए हैं जिनमें स 2,579 संक्रमित ठीक चुके हैं जबकि 11 लोगों की मौत हुई है।

कड़े स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों के साथ 20 अगस्त से शुरू होगा संसद का सत्र

भाषा। कोलंबो

कोविड-19 के मद्देनजर कड़े स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों के साथ श्रीलंका में 20 अगस्त से नई संसद का पहला सत्र शुरू होगा। इस दौरान किसी भी दर्शक को आने की इजाजत नहीं दी जाएगी। श्रीलंका एशिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहां कोरोना वायरस महामारी के बीच आम चुनाव आयोजित किए गए।

श्रीलंका में कोविड-19 के कुल 2844 मामले हैं, जिनमें से 2579 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके छोटे भाई व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के नेतृत्व वाली श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) ने पांच अगस्त को हुए आम चुनाव में 225 सदस्ईय संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया था। एसएलपीपी सरकार के संसद में 150 सदस्य निर्वाचित हुए जबकि विपक्ष 75 सदस्यों पर सिमट गया। महिंदा राजपक्षे ने रविवार को ही श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की थी।संसद के सार्जेंट-एट-आर्म्स नरेन्द्र फर्नांडो ने कहा, हम पूरे संसदीय सत्र में कड़े स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि संसद का नया सत्र 20 अगस्त से शुरू होगा। उन्होंने कहा, संसद कक्ष में सीटों के बीच एक मीटर की दूरी नहीं है। इसलिए सामाजिक दूरी के एक मीटर के नियम का पालन करना मुश्किल होगा।

सभी सांसदों से सदन को संबोधित करते हुए मास्क पहनने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि हाथ धोने जैसे अन्य स्वास्थ्य नियमों का भी पालन किया जाएगा।फर्नांडो ने कहा, सार्वजनिक गलियारे नहीं खुलेंगे और दर्शकों को वहां आने की अनुमति नहीं होगी।

सिंगापुर के अलावा श्रीलंका भी एशिया के उन चंद देशों में शामिल है जहां कोरोना वायरस महामारी के बीच आम चुनाव कराए।

नाइजर के जिराफ पार्क में बंदूकधारियों ने फ्रांस के छह नागरिकों, दो गाइडों की हत्या की

एपी। नियामी (नाइजर)

नाइजर की राजधानी में एक वाइल्डलाइफ पार्क में रविवार को कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने फ्रांस के छह सहायताकर्मियों और दो गाइडों की हत्या कर दी।दोनों देशों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने एक बयान में पीड़ितों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मैक्रों ने नाइजर के राष्ट्रपति मोहम्मदू इस्सोफोउ से फोन पर बात की और दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने घातक हमले की जांच के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों के इस्तेमाल पर जोर दिया। मैक्रों और इस्सोफोउ अफ्रीकी साहेल क्षेत्र में आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ने को प्रतिबद्ध हैं।नाइजर के गृह मंत्री के सलाहकार ओमरू मोस्सा ने एपी को बताया कि हमला कुरे में जिराफ रिजर्व में हुआ।यह पार्क तिलाबेरी क्षेत्र में आता है, जहां 2017 में इस्लामिक स्टेट से संबद्ध जिहादियों ने चार अमेरिकी सैनिकों और पांच नाइजरियनों की हत्या कर दी थी। फ्रांस सरकार ने अपने नागरिकों को नियामी से बाहर यात्रा करने को लेकर भी आगाह किया है, क्योंकि बोको हरम, इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी अब भी पश्चिमी अफ्रीकी देश में हमलों को अंजाम दे रहे हैं।साहेल क्षेत्र में भी आईएस और अल-कायदा से जुड़े समूह हिंसक कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं।

खाड़ी के अरब देश ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध बरकरार रखने के समर्थन में आए

दुबई । खाड़ी अरब क्षेत्र के छह देशों वाले एक समूह ने अपने आंतरिक कलहों को दरकिनार करते हुए रविवार को ईरान पर हथियारों को लेकर लगे संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध को आगे बढ़ाने की वकालत की है। ईरान पर लगा मौजूदा प्रतिबंध दो महीने में समाप्त होने वाला है।

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक पत्र भेजा है जिसमें ईरान पर प्रतिबंध बरकरार रखने का समर्थन किया गया है। इस प्रतिबंध की वजह से ईरान विदेश में निर्मित युद्धक विमान, टैंक और हथियार नहीं खरीद सकता है।खाड़ी सहयोग परिषद में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। परिषद का आरोप है कि ईरान ने पड़ोसी देशों में सीधे या संगठनों और गतिविधियों के माध्यम से हथियारों के जरिए दखल देना बंद नहीं किया है। इनका कहना है कि ऐसे संगठन ईरान के द्वारा प्रशिक्षित किए गए होते हैं।सऊदी नीत गठबंधन का यमन में हूती विद्रोहियों के साथ युद्ध जारी है। हूती विद्रोहियों के बारे में सयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और हथियार विशेषज्ञों का आरोप है कि इन्हें हथियारों की आपूर्ति ईरान द्वारा की जाती है। हालांकि ईरान हूतियों को हथियार और जरूरी चीजें मुहैया कराने से इनकार करता रहा है लेकिन लगातार ईरान के हथियार यमन में मिलते हैं।जीसीसी का कहना है कि जब तक ईरान इस क्षेत्र को अस्थिर करने वाली अपनी गतिविधियों और आतंकवादियों और विभाजनकारी संगठनों को हथियार की आपूर्ति कराने वाली गतिविधियों को नहीं छोड़ता है तब तक उस पर से प्रतिबंध हटाना अनुचित होगा।

ईरान के सरकारी टीवी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्बास मूसावी ने जीसीसी के इस पत्र की निंदा की है और उसे गैरजिम्मेदाराना बयान करार दिया है।

ट्रेंड बाजार

प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागती: राधिका आप्टे

अभिनेत्री राधिका आप्टे का कहना है कि वो सुविधाओं में फंसकर संतुष्ट नहीं हो जाना चाहती हैं। वो न ही प्रसिद्धि के पीछे भाग रही हैं। राधिका ने बताया, 'मैं यहां प्रसिद्धि के लिए नहीं हूं। मुझे कभी कभी आय तो अच्छी लगती है लेकिन मैं सफलता और असफलता को गंभीरता से नहीं लेती क्योंकि ये सब अस्थायी होता है और सापेक्ष भी।'

उन्होंने आगे कहा, 'आप दोनों को ही गंभीरता से नहीं ले सकते। लेकिन आप इनकी अनदेखी भी नहीं कर सकते क्योंकि वे आपकी यात्रा के महत्वपूर्ण पहलू होते हैं आपको प्रशंसा तो चाहिये होती ही है। आपको अपनी पीठ बार बार थपकनी पड़ती है। आपको प्रशंसा से प्यार और असफलता से सीखना होता है, बिना निराश हुए। आप कह सकते हैं कि मैं जीवन में संतुलित दृष्टिकोण रखती हूं।'

श्रुति हासन के जीवन का संगीत अभिन्न अंग

अभिनेत्री श्रुति हासन का कहना है कि 'संगीत ही मेरी चाहत है और ये मेरे जीवन का हिस्सा भी है इसे साझा करके मुझे काफी संतोष मिलता है। अपनी प्रस्तुति 'एज' में मैंने अपने जीवन के भीतरी कोलाहल का चित्रण किया है। कुछ बातें अपूर्ण जैसी भी जिनके कारण आप स्वयं को प्यार करते हैं।। जब आप दूसरों की पूर्णता को देखना बंद कर देते हैं तभी आपकी स्वयं को समझने और स्वीकार करने की यात्रा का तभी प्रारंभ होता है।

उर्वशी को वर्ष 2020 लगता है ऐतिहासिक

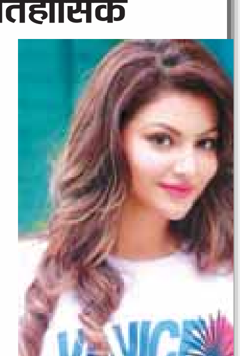

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का मानना है कि वर्ष 2020 के लिए इतिहास की पुस्तकों में पूरा एक अध्याय लिखना पड़ेगा। उनके अनुसार इसी साल जंगलों में आग लगी, कोविड19 महामारी आई और अब बेरुत में धमाका। इस साल एक के बाद एक घटनाएं घटी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं बेरुत के लोगों के लिए प्रार्थना करती हूं। वहां जनजीवन को पहुंची हानि पर मेरा मन बहुत दुखी है। प्रभावित लोगों के लिए मेरी संवेदनाएं और जो लोग मदद के हाथ आगे बढ़ा रहे हैं उन्हें मेरा शुभकामनाएं। जो लोग इस घटना का सामना कर रहे हैं उनकी स्थितियों के बारे में तो मैं कल्पना भी नहीं कर सकती।'

केटी पैरी का नया गाना 'शैंपेन प्रॉब्लम्स'

हॉलिवुड अभिनेत्री कैटी पैरी तथा अभिनेता ऑरलेंडो ब्लूम अब दंपति बन चुके हैं लेकिन उन्हें बहुत खराब परिस्थितियों से भी गुजरना पड़ा है। पेरी ने बताया, 'किसी की व्यक्तिगत यात्रा ही उसे अच्छा बनाती है। हमें ये यात्रा अलग अलग करने का निर्णय करना पड़ा क्योंकि हम दोनों ही पर्याप्त नहीं हैं बल्कि ये तो पूर्णता ही है जो ये सब कराती है।' अपने गाने 'शैंपेन प्रॉब्लम्स' में पेरी ने अपने सबसे कठिन समय पर विजय पाने के बारे में ही गाया है। उन्होंने बताया, 'इस गाने में बताया गया है कि ये परिस्थितियां कितनी गहन हो गई थीं। और किन किन परिस्थितियों से हमें गुजरना पड़ा है। जी हां, अब भी समस्याएं हैं और संबंधों में सभी के समक्ष चुनौतियां आती हैं।'

किसी एक भूमिका को बार बार नहीं करना चाहता: नीरज कबि

टॉक टाइम

नीरज कबि को हाल ही में उनकी सीरीज़, अवरोध: द सीज विदइन, में देखा गया था, ने पायनियर संवाददाता मुस्बा हाशमी के साथ एक विशेष बातचीत में इस सीरीज़ को स्वीकार करने, उनके पदार्पण तथा थियेटर किसी भी अभिनेता के लिए नींव का पत्थर है, उनकी ऐसी मान्यता का आधार तथा फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद संबंधी अनुभवों के बारे में, विस्तार से बताया। प्रस्तुत है साक्षात्कार के प्रमुख अंश...

■ सोनी लिव की सीरीज़ 'अवरोध-द सीज़ विदइन' में आपकी क्या भूमिका है?

मैं इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शैलेश मालवीय बना हूं। उनका काम घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी प्रकरणों पर सीधे प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करना है। ये वही व्यक्ति होता है जो सुरक्षा बलों पर सीधा नियंत्रण रखता है। नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर के उनके चरित्र में कई परतें हैं। अपने आरंभिक सालों के दौरान उन्हें कई पदों से गुजर कर यहां तक आने को मिला है। उन्हें हर विषय पर अच्छा ज्ञान है और वो परम देशभक्त हैं। वो सदैव देश और उसकी सुरक्षा के बारे में ही सोचते रहते हैं।

■ आपके किस बात से प्रभावित होकर इसे करना स्वीकार किया?

वो थी इसकी स्क्रिप्ट। इसके अलावा इसके निर्देशक राज आचार्य इससे पहले भी मेरी तीन फिल्मों में सहायक निर्देशक रह चुके थे। ऐसे में जब मुझे पता चला कि वो इसका निर्देशन कर रहे हैं तो मैंने तुरंत रोल स्वीकार कर लिया। वो बहुत पेशेवर व्यक्ति हैं और उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम ये रोल केवल मेरे कहने पर ही न करो, बल्कि इसकी स्क्रिप्ट पढ़ो और गहराई से रोल को समझो और तब निर्णय करो। मैंने यही किया और मुझे मेरा चरित्र अत्यंत रोचक लगा। मैंने इससे पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया था। यही कारण था कि मुझे इसने आकर्षित किया। जब भी मैं कोई रोल चुनता हूं तो सुनिश्चित कर लेता हूं कि मैं वैसा रोल पहले कर तो नहीं चुका। इसके अलावा ये रोल वास्तविक जीवन से लिया गया है और इसकी यही बात मुझे सबसे अधिक जम गई।

■ आपने अपना कॅरियर 1997 के 'द लास्ट विज़न' से किया था। इस प्रोजेक्ट में आपका कैसे आना हुआ?

ये लंबी कहानी है लेकिन संक्षिप्त में बताऊं तो मैं सुमित्रा भावे के लिए एक टीवी सीरियल कर रहा था जो मराठी निर्देशिका हैं। वो इतनी अच्छी निर्देशिका हैं कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। मैने इसमें एक छोटा सा चरित्र किया था और ये भी कि उसमें नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के 16 कलाकार काम कर रहे थे जिनमें वर्तमान, जूनियर, सीनियर, बहुत सीनियर आर्टिस्ट थे। हमें पुणे में एक गांव में शूटिंग हेतु जाना था और मैंने इसके बाद वहीं ठहरने का निश्चय किया। सौभाग्य से एनएसडी अभिनेता भी उस रात वहीं रुके हुए थे और वे उड़िया में बन रही एक फिल्म के बारे में बात कर रहे थे जिसमें उन्हें एक व्यक्ति की आवश्यकता थी जो वो भाषा जानता हो और छाउ नृत्य भी कर सकता हो। मैंने उन्हें बात करते सुना तो मुझे लगा कि ये रोल तो मैं कर सकता हूं। किसी प्रकार से मुझे टीम का नंबर मिल गया और मुझे मुंबई ऑडिशन आदि के लिए बुलाया गया। उसी दिन तड़के मैं उस रोल के लिए ऑडिशन दे रहा था। इसके बाद मैं चला आया लेकिन हर चौथे दिन मैं उन्हें फोन करके जानता रहता था कि मेरा चयन हुआ या नहीं? मुझे बताया गया कि उस रोल के लिए 14 एनएसडी अभिनेताओं को खारिज किया गया था। तब मुझे भी लगा कि मेरा चयन भी कठिन था। लेकिन मैंने पुन: उन्हें फोन किया तो मुझसे पूछा गया कि मैं रोल संबंधी अनुबंध साइन करने के लिए कब मुंबई आ सकता हूं। ये कुछ इसी प्रकार से हुआ था।

■ क्या अभिनय क्षेत्र में जाते समय आपको किसी प्रकार की आशंका थी?

जी हां कई आशंकाएं थीं। क्योंकि मैं एनएसडी से नहीं था, न ही मैं फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट से था। मुझे अभिनय को लेकर किसी भी प्रकार का औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला है। यही कारण था कि मुझे यहां तक आने में इतना समय लग गया। मैंने ये 1990 में करना स्वीकार किया था लेकिन 2011 में मुझे शिप ऑफ थेसस में ब्रेक मिला था। ये सही है कि द लास्ट विज़न मुझे 1997 में मिला था लेकिन उसके बाद मेरे पास कोई काम नहीं था। यही हमारे लिए संकट काल होता है। मैं इसकी अधिक व्याख्या नहीं करना चाहता क्योंकि इन्हीं कठिनाइयों ने ही मुझे रफएंड टफबनाया है। मैंने कठिन परिश्रम करना जारी रखा। मेरा दिन प्रात: 4 बजे प्रारंभ होता है और रात के 12 बजे समाप्त। आजीविका के लिए मैंने हर विचित्र से विचित्र कार्य किया है। मैंने स्वयं को कभी आराम नहीं दिया और लगातार पूछता रहा कि मुझे सफलता क्यों नहीं मिल रही है। यही कारण था जब मुझे शिप ऑफ थेसस मिला तो मैंने उसमें जी तोड़ परिश्रम किया क्योंकि मेरे लिए ये करो या मरो का प्रश्न था। ये मेरा सौभाग्य ही था कि ये सफल हो गया।

> **आजीविका के लिए मैंने हर विचित्र से विचित्र कार्य किया है। मैंने स्वयं को कभी आराम नहीं दिया और लगातार पूछता रहा कि मुझे सफलता क्यों नहीं मिल रही है। यही कारण था जब मुझे शिप ऑफ थेसस मिला तो मैंने उसमें जी तोड़ परिश्रम किया।**

■ आप थियेटर से आए अभिनेता हैं। आपके अनुसार थियेटर का अनुभव किसी भी अभिनेता के लिए कितना महत्वपूर्ण है?

ये बहुत जरूरी है और यही कारण है कि गुजरे सालों के दौरान मैंने कई वर्कशॉप्स की थीं। थियेटर किसी भी अभिनेता की नींव का पत्थर होता है और यही कारण है कि आपको अभिनेता और इंटरटेनर के बीच में अंतर साफपता चलता है। आप इरफान खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी तथा मनोज बाजपेई को देख लीजिये यही कारण है कि आपको स्टार्स और इनके अभिनय के बीच अंतर साफपता चलता होगा। मैं उन्हें इसके लिए दोष नहीं देता क्योंकि स्टार्स का तो काम ही मनोरंजन करना होता है कि आप बस उसे ही देखते रहें। लेकिन अभिनय में हम केवल इतना ही नहीं करते। ये स्टारों की दुनिया से कुछ अलग होता है। यही कारण है कि थियेटर अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि स्क्रिप्ट को समझने से लेकर उसके सुनने तक के बीच इसमें अभिनय के लिए बहुत कुछ होता है।

■ क्या आप कभी इंडस्ट्री में बाहरी समझे गए हैं?

जी हां, कई बार। लेकिन मैंने इन घटनाओं को कभी कहीं भी नहीं रखा। इसका कारण था कि मुझे नहीं लगता था कि इससे कुछ होगा। मुझे इस विषय पर बस इतना ही कहना है। यहां कई बाहरी लोग भाई भतीजावाद के शिकार हो जाते हैं लेकिन आप कैसे इसे लेते हैं और कैसे इससे निबटते हैं बहुत कुछ इसी पर निर्भर करता है। मैं आज भी यही कर रहा हूं लेकिन ये मैं अपनी शैली में करता हूं।

हंसल मेहता कुख्यात अपराधी विकास दुबे पर बनाएंगे वेब सीरीज

भाषा। मुंबई

फिल्म निर्माता हंसल मेहता कुख्यात अपराधी विकास दुबे की जिंदगी पर आधारित एक वेब सीरीज बनाने की तैयारी में जुटे हैं। वह इसका निर्देशन भी करें। दुबे उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ पिछले महीने मुठभेड़ में मारा गया था। कानपुर के चौबेपुर क्षेत्र के बिकरू गांव में तीन जुलाई की मध्यरात्रि को मुठभेड़ के दौरान दुबे और उसके साथियों ने डीएसपी देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिस कर्मियों की हत्या कर दी थी। पुलिस दुबे को गिरफ्तार करने बिकरू गांव गई थई। वारदात के बाद दुबे फरार हो गया था और उसपर पांच लाख का इनाम घोषित किया गया था। दुबे को नौ जुलाई को मध्य प्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया था कि 10 जुलाई को पुलिस उसे उज्जैन से कानपुर ले जा रही थी लेकिन रास्ते में वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसका फायदा उठाकर दुबे ने भौंती क्षेत्र से भगाने की कोशिश की, जिसके बाद मुठभेड़ में पुलिस ने उसे मार गिराया। निर्माता शैलेश आर सिंह की कर्मा मीडिया एंड एंटरनेटमेंट ने पॉररॉइड मीडिया के साथ मिलकर कुख्यात अपराधी पर बनने वाली सीरिज के लिए अधिकार खरीदे हैं। मेहता अलीगढ़, ओमर्टा और शाहिद जैसी फिल्मों का निर्देशन चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह इस विषय को जिम्मेदारी के साथ छुएंगे। निर्देशक ने कहा, यह हमारे समय और तंत्र को दिखाता है जिसमें राजनीति, अपराध और जनप्रतिनिधियों का एक बड़ा रोचक सा गठबंधन बनता है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगा कि इसे किस तरह से बनाया जाएगा, लेकिन इसे जिम्मेदारी के साथ और आकर्षक तरीके से बनाया जाएगा। वहीं तनु वेड्स मनु, शाहिद, और अलीगढ़ और जजमेंटल है क्या जैसी फिल्मों के निर्माण से जुड़े सिंह का कहना है कि वह दुबे की जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

लाल सिंह चड्ढा अब क्रिसमस पर 2021 में होगी रिलीज

भाषा। मुंबई

अभिनेता आमिर खान और अभिनेत्री करीना कपूर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा अब क्रिसमस के मौके पर 2021 में रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह हिंदी फिल्म हॉलीवुड की फॉरेस्ट गंप की आधिकारिक रीमेक है। 1994 में आई इस फिल्म में टॉम हैंक्स मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म इस साल 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। अभी तक इस फिल्म के निर्माण का कार्य पूरा नहीं हुआ है। वायकॉम स्टूडियोज के मुख्य संचालक अधिकारी अजीत अंधारे के अनुसार अभी पूरा ध्यान फिल्म निर्माण पर है। अंधारे ने ट्विटर पर लिखा, हम अब भी क्रिसमस की तारीख रखेंगे, 2020 में नहीं लेकिन 2021 में। फिल्म रिलीज की नई तारीख। सारा ध्यान अभी फिल्म के निर्माण को पूरा करने पर। सीक्रेट सुपरस्टार के अद्वैत चंदन इस फिल्म का निर्देशन कर रहे है और इसकी पटकथा अभिनेता-लेखक अतुल कुलकर्णी ने लिखी है। इस फिल्म का निर्माण वायकॉम 18 मोशन पिक्चर्स और आमिर खान प्रोडक्शन कर रही है।

अभिनेता संजय दत्त को अस्पताल से छुट्टी मिली

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें दो दिन पहले सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 61 वर्षीय अभिनेता को पूर्ण जांच के लिए शनिवार शाम को लीलावती अस्पताल लाया गया था। दत्त की कोविड-19 जांच की गई थी, जिसमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। लीलावती अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा कि संजय दत्त की सोमवार दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल से छुट्टी कर दी गई। इसके बाद अपने बांद्रा स्थित आवास पर पहुंचे दत्त ने पहले से ही इंतजार कर रहे फोटोग्राफरों और प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

इजराइल में बनाया जा रहा है 15 लाख डॉलर का सोने का मास्क

एपी। मोत्जा

इजराइल में गहने बनाने वाली एक कम्पनी ने दावा किया है कि वह कोरोना वायरस से बचने के लिए दुनिया का सबसे महंगा मास्क बना रही है जिसकी कीमत 15 लाख डॉलर होगी। सोने के इस मास्क में हीरे भी लगे होंगे। डिजाइनर इस्साक लेवी ने बताया कि 18 कैरट सोने से बने इस मास्क में 3,600 काले तथा सफेद हीरे और एन99 फिल्टर लगाया जाएगा। एक खरीददार की मांग पर इसे बनाया जा रहा है। यवेल कम्पनी के मालिक लेवी ने बताया कि खरीददार की दो और मांगें थीं कि यह साल के अंत तक बन जाए और यह विश्व में सबसे महंगा हो। लेवी ने क्रेता की पहचान उजागर करने से मना कर दिया लेकिन इतना जरूर बताया कि वह अमेरिका में रहने वाले एक चीनी उद्योगपति हैं। उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि इस मास्क के जरिए इस बेहद चुनौतीपूर्ण समय में मेरे कर्मचारियों को काम मिला।

हिंदी की सबसे महंगी व सफल फिल्मों में से एक मुगल-ए-आजम के 60 साल पूरे

भाषा। मुंबई

विद्रोही शहजादा सलीम और अनारकली के प्रेम पर आधारित काव्यात्मक क्लासिकल फिल्म 'मुग़ल ए आज़म' के प्रदर्शन के 60 साल पूरे हो गए। यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित, महंगी और सफल फिल्मों में से एक है जिसके प्रति लोगों का आकर्षण अब भी बरकरार है।

फिल्म इतिहासकार एसएमएम औसजा के अनुसार एक सवाल के जवाब पर फिल्मकार के आसिफ ने कहा था कि अगर वह सलीम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता दिलीप कुमार को साधारण जूते देंगे तो अभिनेता दिलीप कुमार की तरह चलेंगे। लेकिन अगर उन्हें महंगे जूते दिए गए जो वह सलीम की तरह चलेंगे। आसिफ से सवाल किया गया था कि वह फिल्म में जूतों पर भारी राशि क्यों खर्च कर रहे हैं। इस फिल्म के सेट, कपड़े सभी बेमिसाल हैं। आसिफ की उम्र उस समय तीस साल भी नहीं हुई थी और उन्होंने एक ऐसी फिल्म बनाई जिसे भव्य फिल्मों का पर्याय कहा जाता है। 'मुग़ल-ए-आज़म' फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने बादशाह अकबर की भूमिका निभाई थी जबकि दुर्गा खोटे ने जोधा बाई की, दिलीप कुमार ने सलीम की और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका की। यह फिल्म पांच अगस्त 1960 को पहली बार परदे पर आई। नौशाद के संगीत ने भी संगीतप्रेमियों को मोहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ँमोहे पनघट पे नंद लालै औरँप्यार किया तो डरना क्यौ जैसे गानों को आज भी खूब पसंद किया जाता है। दर्शकों को यह फिल्म इतनी भाई कि वे इसे देखने बार बार सिनेमाघरों में जाने लगे।

कुछ कहानियां व और उद्धरण लोककथाओं का हिस्सा बन गए। वास्तव में,ँमुग़ल ए आज़मै का निर्माण कैसे हुआ, इसपर भी एक फिल्म बन सकती है। सुर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने कहा कि इस फिल्म में कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने कहा, मैं के आसिफ साहब से शायद दो-तीन बार मिली थी। हमारी ज्यादातर बातचीत नौशाद साहब के साथ होती थी। वह पहले निर्देशक से बातचीत करते थे, चीजों को समझते थे और फिर बेहतरीन संगीत की जिम्मेदारी लेते थे। आसिफ साहब गीतों से हमेशा खुश होते थे। शकील बदायुनी साहब ने इतनी सुंदर पंक्तियां लिखी हैं। हर गीत इतना मधुर है।

'प्यार किया तो डरना क्या' की रिकॉर्डिंग को याद करते हुए उन्होंने कहा, ँनौशाद साहब उसमें कुछ और चीजों को जोड़ना चाहते थे और हमारे पास तकनीक नहीं थी। उन्होंने मुझसे कहा कि प्यार किया तो डरना क्या का नगमा गाएं और फिर गाने के दौरान धीरे-धीरे पीछे हटें ताकि मेरी आवाज़ थोड़ी दूर से आती लगे। अभिनेत्री तबस्सुम लगभग 14 वर्ष की थीं, जब उन्होंने फिल्म में अभिनय किया था। उन्होंने कहा, आसिफ साहब कहते थे, जब भी कोई फिल्म बनेगी और लाजवाब होगी, तो लोग पूछेंगे, क्या तुम मुगल-ए-आजम? बना रहे हो।

> अगर वह सलीम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता दिलीप कुमार को साधारण जूते देंगे तो अभिनेता दिलीप कुमार की तरह चलेंगे। लेकिन अगर उन्हें महंगे जूते दिए गए जो वह सलीम की तरह चलेंगे। आसिफ से सवाल किया गया था कि वह फिल्म में जूतों पर भारी राशि क्यों खर्च कर रहे हैं। इस फिल्म के सेट, कपड़े सभी बेमिसाल हैं। आसिफ की उम्र उस समय तीस साल भी नहीं हुई थी और उन्होंने एक ऐसी फिल्म बनाई जिसे भव्य फिल्मों का पर्याय कहा जाता है।

उन्होंने कहा, आसिफ साहब पूर्णता में विश्वास करते थे। आमतौर पर निर्देशक एक कलाकार द्वारा दिए गए शॉट को ओके कह देते। लेकिन वह सही शॉट पाने के लिए अड़े रहते थे और अगर वह नहीं मिलता तो वह आगे नहीं बढ़ते। पूर्णता की आसिफ साहब की इच्छा के कारण फिल्म को बनने में बहुत समय लगा। बेस्टसेलर 'दास्तान-ए-मुगल-ए-आज़म' के लेखक लेखक राजकुमार केसवानी ने इसे लिखने के लिए 15 वर्षों तक शोध किया। वह याद करते हैं कि उस समय वह बच्चे ही थे और सड़कों पर लोग फिल्म के संवाद दोहराते थे। उन्होंने कहा कि एक दिन उनका परिवार उन्हें फिल्म देखने के लिए ले गया और उस दिन उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया। उन्होंने कहा कि यह आसिफ के जादू, उनके फ़कीराना मिज़ाज से परिचित होने जैसा था।